वर्ष-31, अंक- 245, पृष्ठ-12 | असाढ़ कृष्ण पक्ष 12, संवत 2082 | डालटनगंज (मेदिनीनगर) एवं रांची से एक साथ प्रकाशित | रजिस्ट्रेशन नं: आरएनआई. 61316/94 | www.rastriyanaveenmail.com

डालटनगंज (मेदिनीनगर)
रविवार
22 जून 2025

ईश्वर में हमारा विश्वास

राष्ट्रीय नवीन मेल

सत्यमेव जयते

₹2.00

हर पक्ष की खबर | हर पक्ष पर नजर

पेज 10

एक नजर

गिरिडीह में सीबीआई ने घूस लेते बैंक अधिकारी को किया गिरफ्तार

गिरिडीह। सीबीआई की टीम ने गिरिडीह में बैंक ऑफ इंडिया की पचंबा कल्याणडीह शाखा के ग्रामीण स्वरोजगार ट्रेनिंग केंद्र के निदेशक सह वरीय शाखा प्रबंधक अभिषेक कमल को 20 हजार रुपए घूस लेते रंगेहाथ दबोचा है। जानकारी के अनुसार धनबाद सीबीआई के अधिकारी ने शुकवार देर रात केंद्र के निदेशक अभिषेक कमल को गिरफ्तार कर अपने साथ धनबाद लेकर चले गए। जानकारी के अनुसार, टीम मे करीब दर्जन भर अधिकारी शामिल थे।
शुक्रवार शाम को ही सीबीआई धनबाद डीएसपी पाठक के नेतृत्व मे गिरिडीह पहुंचे थे। ट्रेनिंग केंद्र के निदेशक अभिषेक कमल को केंद्र के अंदर संचालित कैंटीन संचालक से 20 हजार रुपए रिश्वत लेते गिरफ्तार किया। जानकारी के अनुसार, कैंटीन संचालक के टेंडर में सहयोग करने के लिए केंद्र के निदेशक सह बैंक ऑफ इंडिया के वरीय प्रबंधक अभिषेक कमल ने 20 हजार रुपए की मांग की थी।
इसके बाद कैंटीन संचालक ने मामले कि जानकारी धनबाद सीबीआई को दी। सीबीआई के अधिकारी गिरिडीह के पचंबा कल्याडीह ग्रामीण स्वरोजगार केंद्र पहुंच कर कार्रवाई में जुट गए और देर रात कैंटीन संचालक से 20 हजार रुपए नकद रिश्वत लेते रंगेहाथ दबोच लिया।

जवान की अपनी सर्विस राइफल की गोली से मौत

हजारीबाग। जिले के कटकमदाग थाना क्षेत्र के बानादाग साइडिंग में शनिवार को एक हादसे में स्टेट इंडस्ट्रीयल सिक्योरिटी फोर्स (एसआईएसफ) के जवान मिथलेश यादव की मौत हो गई। एसआईएसफ के डिप्टी एसपी साजिद के अनुसार, मिथलेश यादव ड्यूटी पर तैनात थे। वे पैर फिसलने से गिर पड़े और इस दौरान उनकी सर्विस राइफल से अचानक गोली चल गई। गोली उन्हीं को लगी, जिससे मौके पर ही मिथलेश की मृत्यु हो गई। जानकारी के अनुसार, मिथलेश यादव झारखंड के गढ़वा जिले के रहने वाले थे।
मृतक के बड़े भाई अमरेश कुमार यादव भी इसी कंपनी में कार्यरत हैं और वर्तमान में बड़कागांव में तैनात हैं। उन्हें बताया गया कि बारिश के कारण फिसलने से मिथलेश गिरे और गोली चलने से उनकी जान चली गई।
कैंप कमांडेंट और मृतक के भाई ने इसे एक दुर्घटना बताया है। घटना की सूचना मिलते ही कटकमदाग पुलिस और एसआईएसएफ अधिकारियों की टीम मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

थाने के पास से 30 लाख रुपये के आभूषण लूटे, अपराधी फरार

- लेस्लीगंज के सोनमहल बाजार में बाइक सवार उड़ा ले गया बैग, पुलिस पर उठे सवाल

नवीन मेल संवाददाता

नीलाम्बर-पीताम्बरपुर। लेस्लीगंज थाना से महज 100 मीटर की दूरी पर शनिवार की शाम एक बड़ी लूट की वारदात हुई। सोनमहल बाजार स्थित सोनमहल आभूषण एवं बर्तन दुकान से अपराधी सोने-चांदी के आभूषण से भरा बैग लेकर फरार हो गया। दुकान के मालिक अरुण कुमार सोनी के मुताबिक, बैग में करीब 30 लाख रुपये के आभूषण थे।
घटना शाम करीब 7 बजे की है, जब अरुण सोनी दुकान बंद कर घर लौटने की तैयारी कर रहे थे। उन्होंने आभूषण से भरा बैग अपनी बाइक में रखकर गाड़ी स्टार्ट करने लगे, तभी हैंडल में गंदगी देख पानी लेने पास चले गए। इसी दौरान घात लगाए अपराधी ने बैग निकाल लिया और मौके से फरार हो गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार अपराधी पल्सर बाइक पर सवार था और तेज रफ्तार में भाग निकला। हैरानी की बात यह है कि यह घटना थाना से मात्र कुछ कदम की दूरी पर हुई, जहां पुलिस की मौजूदगी लगभग रोज रहती है। इसके बावजूद अपराधी आराम से वारदात को अंजाम देकर फरार हो गया।
घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। पुलिस आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगालने का दावा कर रही है, लेकिन अब तक अपराधी का कोई सुराग नहीं मिला है। घटना को लेकर परिजनों और स्थानीय लोगों में भारी आक्रोश और दहशत का माहौल है। परिजन सदमे में हैं और रो-रो कर बुरा हाल है। थाने के पास इस तरह की लूट की घटना ने पुलिस की सक्रियता और सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं। स्थानीय लोग पुलिस की लापरवाही से नाराज हैं और अपराधियों की जल्द गिरफ्तारी की मांग कर रहे हैं।

भाग रहे अपराधियों की नकेल कसने के लिए पलामू में तीन स्तरों पर चेकपोस्ट का आदेश

- डीआईजी ने जिले व राज्य सीमा तक सख्त निगरानी के निर्देश, त्वरित गिरफ्तारी के लिए विशेष रणनीति लागू

मेदिनीनगर। अपराधियों की त्वरित गिरफ्तारी सुनिश्चित करने के लिए पलामू पुलिस उप-महानिरीक्षक नौशाद आलम ने बड़ा कदम उठाया है। डीआईजी कार्यालय, पलामू क्षेत्र, डालटनगंज से शनिवार को पलामू, गढ़वा और लातेहार जिले के पुलिस अधीक्षकों को पत्र जारी कर तीन स्तरों पर चेकपोस्ट स्थापित करने का निर्देश दिया गया है।
डीआईजी ने स्पष्ट किया है कि अपराधी अक्सर शहर और कस्बों में अपराध को अंजाम देकर जिले और राज्य की सीमाएं पार कर भागने में सफल हो जाते हैं। ऐसे अपराधियों को काबू में लाने के लिए जिले में तीन श्रेणियों में चेकपोस्ट लगाने की रणनीति अपनाई जाएगी।
श्रेणी-ए के तहत शहर और कस्बों के प्रमुख निकास बिंदुओं और मुख्य चौराहों पर चेकपोस्ट बनाए जाएंगे। श्रेणी-बी में शहर की सीमा से बाहर जाने वाली सभी प्रमुख सड़कों को कवर करते हुए चेकपोस्ट स्थापित किए जाएंगे ताकि भाग रहे अपराधियों को शहर की परिधि पार करने से पहले ही रोका जा सके। श्रेणी-सी के तहत जिला सीमा और राज्य सीमा पर सख्त चेकपोस्ट बनाए जाएंगे। इसके लिए पड़ोसी जिलों के पुलिस अधीक्षकों से समन्वय कर कड़ी निगरानी की व्यवस्था की जाएगी। डीआईजी ने निर्देश दिया है कि सभी जिलों के पुलिस अधीक्षक तीनों श्रेणियों के संभावित चेकपोस्ट स्थलों की विस्तृत सूची जल्द से जल्द तैयार कर उपलब्ध कराएं। उन्होंने कहा है कि इन चेकपोस्टों के माध्यम से अपराधियों को भागने का कोई रास्ता नहीं दिया जाएगा। पलामू पुलिस अब अपराधियों को रिस्पॉन्स टाइम के भीतर पकड़ने के लिए पूरी ताकत झोंकने की तैयारी में है। इस आदेश की प्रतिलिपि पलामू क्षेत्र के पुलिस महानिरीक्षक और अन्य संबंधित पुलिस अधिकारियों को भी भेज दी गई है। विधि-व्यवस्था को दुरुस्त करने के लिए डीआईजी ने त्वरित कार्रवाई की अपेक्षा जताई है।

एक साथ तीन कोचिंग संस्थानों में पढ़ा केशव मित्तल!

- तीन कोचिंग संस्थानों ने 7वीं रैंक प्राप्त केशव को बताया उसके यहां पढ़ने वाला छात्र
- भ्रामक विज्ञापन से अभिभावक परेशान, आखिर सच्चाई क्या है
- शिक्षा मंत्रालय के गाइडलाइंस को नहीं मानते हैं कोचिंग संस्थान

मनोज मिश्रा

रांची। सोशल मीडिया में चर्चा है कि रांची के समाचार पत्रों में एक ही छात्र का एक पेज में एलेन कोचिंग संस्थान और दूसरे पेज में मोशन कोचिंग संस्थान में पढ़ने के दावे का विज्ञापन छपा है, जबकि दो दिन बाद नारायण कोचिंग संस्थान में पढ़ने का विज्ञापन छपता है। इससे कोचिंग संस्थान का मजाक उड़ाया जा रहा है। वहीं, फर्जीवाड़ा करने का बड़ा आरोप भी लग रहा है। एक प्रमुख समाचार पत्र एशिया न्यूज ने कोचिंग संस्थानों के भ्रामक प्रचार पर सवाल उठाया है, वहीं झारखंड के अभिभावकों में भ्रम है कि आखिर सच्चाई क्या है। दरअसल, पंजाब के बरनाला जिले के 17 वर्षीय केशव मित्तल नीट यूजी 2025 के टॉपर हैं, जिन्होंने अपने पहले ही प्रयास में 22,70,000 छात्रों के बीच में ऑल इंडिया रैंक में 7वां स्थान प्राप्त किया है। तीनों कोचिंग संस्थान इसे अपना छात्र बता रहे हैं और प्रचार कर रहे हैं। ऐसे में सवाल उठता है कि क्या एक साथ तीन कोचिंग संस्थानों में पढ़ा है केशव मित्तल?
कोचिंग संस्थानों पर आरोप लगते रहे हैं कि वे भ्रामक विज्ञापनों के सहारे अरबों का कारोबार करते हैं। विज्ञापन के भ्रमजाल में अभिभावक आ जाते हैं और अपनी बड़ी पूंजी दांव पर लगा देते हैं। बाद में जब उन्हें वस्तुस्थिति का पता चलता है कि वे गलत प्रचार में फंसकर अपने बच्चे का दाखिला करवा दिए हैं, तो उन्हें समझ नहीं आता है कि वे अब क्या करें। जबकि, केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण (सीसीपीए) ने भ्रामक दावा करने के मामले में 49 बड़े कोचिंग सेंटरों को नोटिस जारी किया था और 24 कोचिंग संस्थानों पर 7,716 लाख रुपए का जुर्माना भी लगाया था। हालांकि, जिन कोचिंग संस्थानों को नोटिस मिले हैं, उनके नाम सार्वजनिक नहीं किए गए हैं। लेकिन, उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण **शेष पेज 11 पर...**

सामूहिक योग कार्यक्रम में शामिल हुए स्वास्थ्य मंत्री डॉ इरफान अंसारी, बोले

सीएम सोरेन का सपना है 'स्वस्थ झारखंड', योग उसका पहला कदम

- कहा, योग केवल एक कसरत नहीं, जीवन को बदलने वाली भारतीय विद्या है
- अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर बिरसा मुंडा फन पार्क में किया गया योगाभ्यास

नवीन मेल डेस्क

रांची। राज्य के स्वास्थ्य मंत्री डॉ इरफान अंसारी ने शनिवार को कहा कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन का सपना है कि झारखंड एक स्वस्थ राज्य बने, और स्वास्थ्य विभाग इस दिशा में निरंतर कार्य कर रहा है। उन्होंने कहा, योग न केवल हमें ऊर्जावान बनाता है, बल्कि जीवन में अनुशासन, शांति और सामंजस्य भी लाता है। यदि हर नागरिक प्रतिदिन कुछ मिनट योग करे, तो न केवल उसका जीवन, बल्कि पूरा समाज स्वस्थ और समृद्ध बन सकता है।
डॉ अंसारी ने शनिवार को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर राजधानी रांची स्थित बिरसा मुंडा फन पार्क में आयोजित भव्य सामूहिक योग कार्यक्रम में भाग लिया और उपस्थित जनसमूह को योग के लाभ और महत्व के बारे में जागरूक किया। इस वर्ष की थीम 'एक पृथ्वी, एक स्वास्थ्य के लिए योग' के अनुरूप आयोजित इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में योगप्रेमियों, अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों ने भाग लिया। कार्यक्रम में स्वास्थ्य विभाग के अपर मुख्य सचिव अजय कुमार, अभियान निदेशक शशि प्रकाश झा, निदेशक प्रमुख स्वास्थ्य सेवाएं डॉ डीके शाही, आयुष निदेशक सीमा कुमारी उदयपुरी सहित कई वरिष्ठ अधिकारी और गण्यमान्य व्यक्तित्वों ने भाग लिया।

योग को दिनचर्या का हिस्सा बनाना चाहिए : सीपी सिंह

कार्यक्रम में रांची विधायक सीपी सिंह ने कहा, योग दिवस एक वैश्विक उत्सव बन चुका है। ारखंड सरकार का यह प्रयास सराहनीय है और हमें योग को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाना चाहिए।

योग से मन, शरीर व आत्मा के बीच संतुलन बनाता है : स्वास्थ्य मंत्री डॉ इरफान अंसारी ने कहा, योग सिर्फ एक व्यायाम नहीं, बल्कि एक जीवनशैली है, जो मन, शरीर और आत्मा के बीच संतुलन बनाता है। आज की तनावपूर्ण जीवनशैली में योग मानसिक शांति और शारीरिक स्वास्थ्य का सबसे प्रभावी माध्यम है। स्वास्थ्य मंत्री ने बताया कि राज्य सरकार पारंपरिक भारतीय चिकित्सा पद्धतियों को बढ़ावा दे रही है।

योग हमारी परंपरा का अभिन्न अंग, नई पीढ़ी तक पहुंचाना है : स्वास्थ्य मंत्री डॉ इरफान अंसारी ने कहा कि योग हमारी परंपरा का अभिन्न अंग है, जिसे हमें नई पीढ़ी तक पहुंचाना है। उन्होंने बताया कि पूर्वी जेल रोड, रांची में आम लोगों के लिए राज्य स्तरीय योग केंद्र संचालित है। कक्षा 6 से 12 तक के छात्र-छात्राओं को योग का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। राज्य के 745 आयुष्मान आरोग्य मंदिरों में लगभग 1000 योग प्रशिक्षक कार्यरत हैं। पुरुष प्रशिक्षक द्वारा प्रति माह 32 योग सत्र और महिला प्रशिक्षक द्वारा 20 योग सत्र आयोजित किए जा रहे हैं। 50 बिस्तरों वाले धन्वंतरि आयुष अस्पताल का निर्माण पूर्वी सिंहभूम और रांची में किया जा रहा है। 10 चलंत आयुष अस्पताल, पंचकर्म केंद्र, और आदिवासी बहुल क्षेत्रों में विशेष आयुष कैंप की योजना पर कार्य प्रगति पर है।

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की आप सभी को हार्दिक शुभकामनाएं। योग केवल व्यायाम नहीं, बल्कि जीवन को संतुलित और समग्र रूप से स्वस्थ रखने की एक प्रभावशाली पद्धति है। यह शरीर को ऊर्जा, विचारों को स्पष्टता और जीवन को स्थिरता देता है। आइए, योग को अपनी दिनचर्या में शामिल करने का संकल्प लें।
संतोष कुमार गंगवार, राज्यपाल
(सोशल मीडिया 'एक्स' पर)

प्रकृति के साथ एकात्मता, संयम और सहजता, यही हमारी संस्कृति है और यही योग का वास्तविक स्वरूप भी है। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर सभी को हार्दिक बधाई, शुभकामनाएं और जोहार।
हेमंत सोरेन, मुख्यमंत्री
(सोशल मीडिया 'एक्स' पर)

आप सभी को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं। योग सिर्फ व्यायाम नहीं, बल्कि एक जीवनशैली है, जो हमें प्रकृति के करीब ले जाती है और आंतरिक चेतना को जागृत करती है।
बाबूलाल मरांडी, नेता प्रतिपक्ष
(सोशल मीडिया 'एक्स' पर)

इंडिया | मशीनों पर बढ़ती निर्भरता से सामान्य ज्ञान भूलते भारतीय और बर्बादी की राह

सुनील बादल
कार्यकारी संपादक

भारत का मजाक उड़ाने वालों की भीड़ को सुदूरवर्ती गांवों और व्यापारी परिवारों के बारे में जानना चाहिए जो कहावतों और धार्मिक पुस्तकों से मौसम, बीमारी, नीति और गिनती,पहाड़ा, सवैया, अढ़ैया जैसे कण्ठाग्र ज्ञान से बिना लिखे-पढ़े बड़े हिसाब मुंहजबानी करते थे और यह अनुभव का खजाना पीढ़ी दर पीढ़ी हस्तांतरित होता आया है पर इस प्राकृतिक ज्ञान को कैलकुलेटर के बाद मशीनों और अब एआई ने बर्बाद करना शुरू कर दिया है। मशीन पर निर्भरता से गिनने की क्षमता,उच्च स्तर पर पढ़ने-लिखने की क्षमता तो घट ही रही है, हम मामूली हिसाब करना भूल रहे हैं जो गांव के अनपढ़ तक उंगलियों पर किया करते हैं ।इससे रोजगार, शिक्षा और कला का भविष्य संकट में पड़ रहा है। हमें लग रहा है हमारी गति बढ़ रही है जबकि मशीनें हमे लील रहीं हैं।
चैटजीपीटी को ढाई साल पहले जारी किया गया था,कृत्रिम मेधा (एआई) मनुष्यों की तरह लिख सकता है, जिससे यह डर पैदा होता है कि मशीन द्वारा तैयार पाठ पर बहुत अधिक निर्भर रहने से हमारी रचनात्मक क्षमता कम हो जाएगी। बड़ी संख्या में छात्र कॉलेजों में धोखाधड़ी करने के लिए एआई उपकरणों का इस्तेमाल कर रहे हैं। इससे नौकरियों, शिक्षा और कला के भविष्य को एक साथ कमजोर करने की क्षमता है। फरवरी में एआई इंजीनियर आंद्रेज कारपैथी ने एक्स पर बताया था कि वह एक नए प्रकार का सॉफ्टवेयर विकसित करने में लगे हुए थे, जिसे उन्होंने 'वाइब कोडिंग' नाम दिया। चैटबॉट को दिए गए मौखिक संकेतों के अलावा कुछ भी उपयोग किए बिना वह डाटा पर तदर्थ प्रयोग कर रहे थे और 'कीबोर्ड को मुश्किल से छूते थे।' उन्होंने कहा कि इससे वह यह भूल गए कि कोड भी मौजूद है और उन्होंने कठिन काम एआई पर छोड़ दिया। कारपैथी की पोस्ट वायरल हो गई और कई अन्य लोगों ने भी माना कि वे भी ऐसा ही कर रहे हैं। हालांकि कुछ लोगों का मानना है कि वाइब कोडिंग ठीक से नहीं चल रही है। कारपैथी के प्रॉम्प्ट से जो कोड बनता है, उसे अपूर्ण और ठीक न किए जाने वाली गलतियों भरा बताया गया है। गूगल ने दावा किया है कि 2024 में कंपनी के सभी कोड का 25 प्रतिशत से ज्यादा हिस्सा एआई ने लिखा है और हाल ही में माइक्रोसॉफ्ट ने भी ऐसी ही संख्या बताई है, क्योंकि उसने हजारों कर्मचारियों को नौकरी से निकाल दिया है, जिनमें कई सॉफ्टवेयर इंजीनियर भी शामिल हैं। अमेजन ने भी सुव्यवस्थित एआई कोडिंग प्रथाओं को अपनाया है, जिसके बारे में कर्मचारियों का कहना है कि इससे सॉफ्टवेयर इंजीनियरिंग में मौलिक परिवर्तन आता है तथा बौद्धिक प्रयास से परिभाषित कार्य कठिन औद्योगिक बन जाता है।

पिछले एक दशक से कंप्यूटर विज्ञान की अमेरिका में सबसे ज्यादा मांग थी ।रिपोर्टों से पता चलता है कि प्रमुख एआई कंपनियों में सॉफ्टवेयर इंजीनियर की नौकरियों के लिए भर्ती दर 2024 के दौरान लगभग 3,000 प्रतिमाह से गिरकर लगभग शून्य हो गई है। यदि नौकरियों की मांग नहीं होने के कारण कंप्यूटर विज्ञान की पढ़ाई ही बंद हो गई तो शिक्षा से लेकर रोजगार तक की पूरी प्रक्रिया ध्वस्त हो सकती है।हैरानी की बात नहीं है कि परीक्षा पास कर मिलने वाली नौकरियों से पहले चैटबॉट तकनीकी नौकरियों को खतरे में डाल सकता है। वह परीक्षाओं और प्रश्नपत्रों पर बहुत से मानक प्रश्नों के उत्तरों की जानकारी देने में बहुत अच्छा है और बहुत सारा मात्रात्मक कार्य बहुत ही सरल कोड का इस्तेमाल करके कर सकता है। एआई इसमें इस्तेमाल होने वाले बुनियादी मात्रात्मक कौशल के लिए संभावित रूप से बहुत बड़ा खतरा है। चिंता की बात यह है कि एक समाज के रूप में हम निरक्षर ही नहीं, बल्कि गणितीय कौशल में भी अक्षम हो जाएंगे। लगता है कि एआई एक और खतरनाक प्रवृत्ति को बढ़ा रहा है और यह संकट शिक्षा के सबसे बुनियादी तत्वों पर है- पढ़ना, लिखना और अंकगणित के सवाल हल करना। इसलिए आज के युवाओं को चाहिए कि वे भाषा और गणित का अध्ययन करें। बाजारों में अप्रत्याशित परिणामों से निपटने के लिए तकनीकी कौशल पर्याप्त नहीं, इसलिए गणित और भाषा का व्यापक ज्ञान ही इससे निपटने का एकमात्र तरीका होगा। एआई के युग में अपनी संस्कृति को समझने के लिए हमें उच्च स्तरीय गणित की कक्षाओं और साहित्य तथा भाषा विज्ञान के गहन अध्ययन की आवश्यकता होगी।हो सकता है कि छात्र को जिस महत्वपूर्ण अंतर्दृष्टि की आवश्यकता है, वह 'डॉन क्विक्जोट' पर एक पाठ्यक्रम से प्राप्त हो, भले ही यह सुनने में कितना भी विचित्र क्यों न लगे। बाजार को सब कुछ सस्ता या फ्री में चाहिए पर जब हमारे अस्तित्व पर ही संकट हो जाए तो हमें अपने मौलिक ज्ञान को बचा कर रखना चाहिए क्योंकि भारत और पश्चिमी देशों में मौलिक अंतर यह है कि हम आज भी कृषि पर आधारित अर्थव्यवस्था के बलबूते टिके हैं और जब दुनिया मंदी से जूझ रही थी तब भी हम बचत और अपनी भारतीयता के बूते मजबूती से टिके थे।

भारतीय सेना को शत-शत नमन

राष्ट्रीय नवीन मेल

डॉ अंजेश कुमार, नामकुम

यह सही है कि युद्ध संबंधी महत्वपूर्ण निर्णय देश के राजनीतिक नेतृत्व द्वारा लिए जाते हैं, लेकिन उसकी रणनीति को बनाना और धरातल पर उतारने का कार्य हमारी तीनों सेनाएं करती हैं। जिस तरह सटीक निशाने के साथ 'ऑपरेशन सिंदूर' के अंतर्गत नौ आतंकी ठिकानों पर आक्रमण कर सफलतापूर्वक उसे नष्ट किया गया, विश्व में उसका दूसरा उदाहरण बहुत कम मिलता है। इस अभियान को इतनी गोपनीयता एवं कुशलतापूर्वक किया गया कि दुश्मनों को इसकी तनिक भी भनक नहीं लगी। पूरी दुनिया में सेना के द्वारा किए गए इस पराक्रम को प्रशंसा मिली है। आज आतंकवाद एक वैश्विक समस्या है तथा जिस मजबूती से हमारी सेना ने इसके विरुद्ध कदम उठाया है, उसके लिए हम सभी देशवासी उनके आभारी है। खतरनाक पहाड़ी स्थिति और विपरीत जलवायु परिस्थितियों के साथ-साथ हर पल प्रतिकार की आशंका के बीच सीना ताने सेना के हमारे जवान जिस तरह बहादुरी से अपने कार्य को अंजाम देते हैं, यह सामान्य व्यक्ति नहीं समझ सकता। हम आज अपने घरों में सुरक्षित है, घर के बाहर भी अपने कार्यों को अंजाम दे रहे हैं, तो इसके पीछे सीमा पर हमारी सुरक्षा के लिए खतरनाक मौसम और वितरित परिस्थितियों में हर पल तैनात हमारी सेना के जवान और अधिकारी हैं। उनकी जितनी प्रसंशा की जाए, वह कम है। सरकार की सेवा तो बहुत लोग करते हैं, लेकिन अपनी जान हथेली पर लेकर देश के लिए हर पल न्योछावर करने के लिए तत्पर सेना के तीनों अंगों को नमन करना हम सब का दायित्व ही नहीं, कर्तव्य भी है। हम अपने राजनीतिक नेतृत्व की भी प्रशंसा करते हैं, जिन्होंने सेना को दुरूह कार्य को अंजाम देने के लिए खुली छूट प्रदान की तथा लगातार उनके समर्थन में खड़े रहे। भारतीय सेना को शत-शत नमन। जय हिंद।

एक नजर

बरसात में जहरीले जीव-जंतुओं से रहें सतर्क

हैदरनगर। बरसात में सांप, बिच्छू, मकड़ी जैसे जहरीले जीवों से बचाव को लेकर पत्रकार मंच ने लोगों से सावधानी बरतने की अपील की है। मंच अध्यक्ष सैयद नौशाद और संरक्षक जफर हुसैन ने कहा कि झाड़ियों व घास में न जाएं, और घर के आसपास सफाई रखें। यदि कोई जीव काटे तो तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें। सांप के काटने की स्थिति में प्रभावित अंग पर पट्टी बांधें, चीराफाड़ी न करें। बिच्छू, मकड़ी और ततैया के काटने पर भी प्राथमिक उपचार और चिकित्सकीय सलाह लें। उन्होंने मच्छरदानी के उपयोग, फटे जूते या कपड़े नहीं पहनने, खुले में न सोने की सलाह भी दी।

सड़क निर्माण के चलते पुराने मार्ग पर भी बाधित हुआ यातायात, ग्रामीण परेशान

हैदरनगर। मोहम्मदगंज-भजनिया नव पथ निर्माण कार्य ने लोगों की परेशानी बढ़ा दी है। निर्माण के दौरान दर्जनों पुरानी पुलिया तोड़ दी गईं, लेकिन वैकल्पिक मार्ग या डायवर्सन की व्यवस्था नहीं की गई। लगातार बारिश के कारण इस मार्ग पर टेम्पू और दोपहिया वाहन भी नहीं चल पा रहे हैं। पंसा, रानीदेवा, परता जैसे कई गांवों के लोगों को अस्पताल और स्कूल आने-जाने में भारी कठिनाई हो रही है। ग्रामीणों और पंचायत प्रतिनिधियों ने प्रशासन से तत्काल वैकल्पिक मार्ग बनाने की मांग की है।

बरसात में जागरुकता अभियान शुरू

हैदरनगर। रिमझिम बारिश को देखते हुए प्रगतिशील पत्रकार मंच ने अर्बन हॉस्पिटल हुसैनाबाद में बैठक कर गरीबों के बीच जागरुकता अभियान चलाने का निर्णय लिया। मंच अध्यक्ष सैयद नौशाद और संरक्षक जफर हुसैन के नेतृत्व में देवरी कला, कुशहा, धरहरा समेत कई गांवों में जाकर लोगों को कच्चे मकानों की मरम्मत, बिजली सुरक्षा, पानी निकासी और आपदा तैयारी की जानकारी दी गई। टीम ने लोगों को फर्स्ट एड किट, टॉर्च और जरूरी सामान साथ रखने की सलाह दी। साथ ही जरूरत पर पड़ोसियों के पास शरण लेने और मौसम विभाग की चेतावनी पर ध्यान देने को कहा गया। टीम में जितेन्द्र रावत, संजय ओझा, सत्येन्द्र चंदेल, कमलेश कुमार, लक्ष्मी सिंह, विकास कुमार समेत कई लोग शामिल थे।

जपला कॉलेज में योग शिविर का आयोजन

हुसैनाबाद। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर एके सिंह कॉलेज जपला में राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा योग शिविर का आयोजन किया गया। प्राचार्य सूर्यमणि सिंह की अध्यक्षता में हुए कार्यक्रम में कार्यक्रम पदाधिकारी प्रो. राजेश कुमार सिंह ने अष्टांग योग पर विस्तृत जानकारी दी। मनोविज्ञान के प्रो. डॉ. आनंद कुमार ने प्रायोगिक रूप से सूर्य नमस्कार, योगासन, प्राणायाम कराया। इस अवसर पर गौरव कुमार, हीरालाल शर्मा, शिखा सिंह, रिंकी कुमारी सहित दर्जनों छात्र-छात्राएं तथा प्रोफेसर अरुण सिंह, प्रो. हरेंद्र सिंह, प्रो. राहुल सिंह, डॉ. चंदन सिंह, पीयूष सिंह सहित कई शिक्षक-कर्मचारी मौजूद रहे।

दमदमी स्टोन डिपो से गिट्टी लोड कर निकला चालक दो दिन बाद मृत मिला, हत्या की आशंका

नवीन मेल संवाददाता

हुसैनाबाद। दमदमी स्टोन एंड मोरम डिपो, जपला से गिट्टी लोड कर निकले ट्रक चालक अनिल कुमार की लाश दो दिन बाद दिघवारा में ट्रक की गिट्टी के नीचे दबा मिला। मृतक के परिजनों ने सुनियोजित हत्या का आरोप लगाया है। अनिल 8 जून को ट्रक संख्या बीआर 26जीसी-1939 लेकर डिपो से निकले थे और तभी से

लापता थे। मृतक के भाई मुकेश गिरी ने पुलिस को बताया कि शव को जानबूझकर ट्रक में छिपाकर दिघवारा भेजा गया। पोस्टमार्टम के लिए शव छपरा भेजा गया है। हुसैनाबाद थाना प्रभारी सोनू कुमार चौधरी ने बताया कि मामले की जांच जारी है और जल्द खुलासा किया जाएगा। परिजनों ने डिपो कर्मचारियों की भूमिका की जांच और दोषियों की गिरफ्तारी की मांग

मांडर गांव में चार दिनों से अंधेरा ट्रांसफार्मर बदलने की मांग तेज

नवीन मेल संवाददाता

हुसैनाबाद। मांडर गांव में बीते 17 जून को 100 केवीए का ट्रांसफार्मर जल गया, जिससे गांव में चार दिनों से बिजली नहीं है। 40 से अधिक उपभोक्ताओं और दो थ्री-फेज मिल चलाने वाले किसानों को भारी नुकसान हो रहा है। ग्रामीणों ने बताया कि 11 हजार वोल्ट की लाइनें भी बेहद जर्जर हैं, जो कभी भी दुर्घटना का कारण बन सकती हैं। समाजसेवी अशोक यादव ने बताया कि विभागीय एसडीओ को सूचना दी गई है, जिसके बाद

मिस्त्री ने जाकर निरीक्षण किया है। ग्रामीणों ने नया ट्रांसफार्मर लगाने के साथ ही जर्जर तार और पोल बदलने की मांग की है। इस मौके पर परमेश्वर राम, गुड्डन यादव, अनवर राजा उर्फ सैयद मिंटू हुसैन सहित कई लोग उपस्थित थे।

रेलवे की सघन टिकट जांच में 2049 यात्रियों से वसूला गया 11.90 लाख जुर्माना

हैदरनगर। डीडीयू रेल मंडल अंतर्गत शुक्रवार को मेगा टिकट चेकिंग अभियान चलाया गया। सासाराम, डेहरी ओन सोन, अनुग्रह नारायण रोड, जपला सहित कई स्टेशनों पर जांच की गई। बिना टिकट व गलत श्रेणी में यात्रा कर रहे कुल 2049 यात्रियों से 11 लाख 90 हजार रुपये जुर्माना वसूला गया। इस अभियान में स्क्वाड, टीटीई, वाणिज्य निरीक्षक और पर्यवेक्षक शामिल थे। रेल प्रशासन ने यात्रियों से अपील की कि वे उचित टिकट लेकर ही यात्रा करें। यह अभियान आगे भी जारी रहेगा।

विधायक ने वज्रपात पीड़ित किसान को दी नई भैंस, पेश की मिसाल

नवीन मेल संवाददाता

पांकी। पांकी विधायक डॉ. शशी भूषण मेहता ने तरहसी प्रखंड के बगला गांव निवासी किसान जनेश्वर दुबे को निजी खर्च से भैंस खरीदकर भेंट की। वज्रपात से किसान की भैंस की मौत हो गई थी, जिससे उसका जीवन-यापन प्रभावित हो गया था। किसान ने विधायक को धन्यवाद देते हुए कहा कि परिवार के पालन-पोषण में मदद मिली है। विधायक ने मौके पर उपस्थित लोगों से कहा कि जनप्रतिनिधि का कर्तव्य है कि वह जरूरतमंदों के साथ खड़ा रहे। इस दौरान विधायक ने क्षेत्र भ्रमण कर सड़क, पुलिया और आवास योजना से संबंधित समस्याएं सुनी और त्वरित कार्रवाई के निर्देश दिए। मौके पर पंचायत प्रतिनिधि, ग्रामीण और कई गणमान्य लोग मौजूद थे।

पुलिस ने नकली शराब का किया भंडाफोड़, एक गिरफ्तार

नवीन मेल संवाददाता

छतरपुर। थाना क्षेत्र के चिल्होकला गांव में पुलिस ने नकली शराब के बड़े जखीरे का खुलासा किया है। गुप्त सूचना के आधार पर थाना प्रभारी प्रशांत प्रसाद के नेतृत्व में की गई छापेमारी में पुलिस ने भारी मात्रा में नकली शराब, ब्रांडेड बोतलों के स्टीकर, ढक्कन और खाली बोतलें बरामद कीं। पुलिस ने मौके से आरोपी राजेश सिंह को गिरफ्तार किया है। उसके पास से इम्पीरियल ब्लू, रॉयल स्टैग, रॉयल गोल्ड, स्टीरलिंग रिजर्व जैसे ब्रांड की

नकली शराब की लगभग 2000 बोतलें, 11 लरी स्टीकर और 3000 ढक्कन जब्त किए गए। डीएसपी अवध कुमार ने बताया कि आरोपी से पूछताछ में कई अन्य शराब माफियाओं के नाम सामने आए हैं, जिनकी तलाश में छापेमारी जारी है। छापेमारी टीम में प्रशांत प्रसाद, सुनील उरांव, राजीव कुमार समेत दर्जनों पुलिस कर्मी शामिल थे।

नई बनी पीसीसी सड़क की खुली पोल निर्माण में भारी अनियमितता के आरोप

नवीन मेल संवाददाता

हुसैनाबाद। नगर पंचायत हुसैनाबाद द्वारा निर्माण कराई गई पीसीसी सड़क कुछ ही महीनों में जर्जर हो गई है, जिससे निर्माण में अनियमितता और भ्रष्टाचार की आशंका जताई जा रही है। यह सड़क फायर ब्रिगेड कार्यालय गेट से जपला-नबीनगर मुख्य मार्ग स्थित बिजली कार्यालय तक बनाई गई थी। सड़क के दोनों किनारे अनुमंडलीय अस्पताल, फायर ब्रिगेड और अनुमंडल कार्यालय जैसे अहम सरकारी संस्थान हैं, जहाँ रोजाना सैकड़ों लोगों की आवाजाही होती है। लेकिन सड़क जगह-जगह टूट गई है और इसे छिपाने के लिए स्टोन डस्ट डालकर लीपापोती की गई है। बारिश के शुरूआती दिनों में ही यह पोल खुल गई। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि सड़क निर्माण में घटिया सामग्री का इस्तेमाल किया गया है। अस्पताल गेट के पास अधूरी नाली खुदाई से एंबुलेंस तक को मैदान होकर आना पड़ रहा है, जिससे मरीजों की जान खतरे में है। नगर प्रशासन की चुप्पी पर सवाल उठ रहे हैं। कार्यपालक पदाधिकारी टीके हंस ने कहा कि संवेदक को मरम्मत का निर्देश दिया गया है।

भीमबराज में बोटिंग सेवा से रोजगार की उम्मीद

नवीन मेल संवाददाता

मोहम्मदगंज। जिला पर्यटन संवर्धन परिषद की बैठक में भीमबराज में बोटिंग सेवा शुरू करने पर विचार से क्षेत्र में खुशी की लहर है। मंदिर के पुजारी गंगा तिवारी और सेवक सत्येंद्र चंद्रवंशी ने कहा कि यह सेवा पर्यटन में नए आयाम जोड़ेगी। स्थानीय नाविकों और गोताखोरों ने रोजगार की उम्मीद जताई है। नाव घाट बंद होने से जीविकोपार्जन प्रभावित था, लेकिन बोटिंग सेवा बहाल होने से रोजगार फिर शुरू हो सकता है। समाजसेवी मुन्ना चौधरी ने कहा कि मल्लाह समाज के लोग जोखिम उठाकर भी गोताखोरी करते हैं, लेकिन उनके लिए न तो पारिश्रमिक तय है न बीमा। अगर इस दिशा में सरकार पहल करे, तो यह ऐतिहासिक कदम होगा।

पतंजलि योगपीठ के तत्वावधान में रेलवे स्टेशन परिसर में योग शिविर का आयोजन

‘योगा फॉर वन अर्थ, वन हेल्थ’ थीम पर हुआ अभ्यास, लोगों ने लिया संकल्प

नवीन मेल संवाददाता

मोहम्मदगंज। 11वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में पतंजलि योगपीठ के तत्वावधान में शनिवार को रेलवे स्टेशन परिसर में भव्य योग शिविर का आयोजन किया गया। योगा फॉर वन अर्थ, वन हेल्थ थीम के तहत आयोजित इस शिविर में बड़ी संख्या में स्थानीय लोग शामिल हुए। योग शिक्षक कामता मेहता और प्रशिक्षक विवेक विशाल ने उपस्थित जनसमूह को योग के महत्व और लाभ के बारे में जानकारी दी। उन्होंने प्राणायाम, सूर्य नमस्कार, कपालभाति, अनुलोम-विलोम, वृक्षासन आदि का अभ्यास कराया और इनके सकारात्मक प्रभाव को विस्तार से समझाया। शिविर में भाग लेने वाले लोगों में गौरीशंकर सिंह, नीरज कुमार अग्रवाल, द्वारिका प्रसाद, अनूप कुमार, मुंशी चौधरी, कन्हाई राम, सीताराम साव, लवकुश सिंह, मथुरा गुप्ता समेत अन्य शामिल थे। सभी ने संकल्प लिया कि वे योग को अपनी दिनचर्या में शामिल करेंगे और अपने आसपास के लोगों को भी इसके लिए प्रेरित करेंगे।

महिला की संदिग्ध मौत, परिजनों ने लगाया हत्या का आरोप

नवीन मेल संवाददाता

लेस्लीगंज थाना क्षेत्र के लोटवा गांव में मिली लाश, पुलिस जांच में जुटी

नीलांबर-पीतांबरपुर। लेस्लीगंज थाना क्षेत्र के लोटवा गांव में शनिवार सुबह एक महिला की संदिग्ध अवस्था में मौत हो गई। महिला की पहचान पाटन थाना क्षेत्र के डंडेई गांव निवासी 35 वर्षीय मंजू देवी के रूप में हुई है, जो अपने पति अरविंद चौधरी के साथ बीते एक साल से अपने नाना हुसैनी रवि के घर रह रही थी। घटना शुक्रवार देर रात की बताई जा रही है। शनिवार सुबह महिला का शव कमरे में फंदे से लटका मिला। मृतका के पिता विनोद राम, नाना हुसैनी रवि और अन्य परिजनों ने महिला के पति अरविंद चौधरी पर

हत्या का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि मंजू की गला दबाकर हत्या की गई है। सूचना मिलते ही लेस्लीगंज थाना प्रभारी उत्तम कुमार राय पुलिस दल के साथ मौके पर पहुंचे और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए मेदिनीनगर स्थित एमएमसीएच भेज दिया। थाना प्रभारी ने बताया कि प्रारंभिक जांच में महिला की मौत फांसी से प्रतीत होती है, लेकिन कारण स्पष्ट नहीं है। गले पर निशान हैं, जिससे आत्महत्या और हत्या दोनों बिंदुओं पर जांच की जा रही है। फिलहाल मृतका के परिजनों द्वारा लिखित आवेदन नहीं दिया गया है। आवेदन मिलने पर प्राथमिकी दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जाएगी। पुलिस पूरे मामले की गंभीरता से जांच कर रही है।

ज्ञान भारती स्कूल में बच्चों ने किया योग अभ्यास

मोहम्मदगंज। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर कोसीआरा स्थित ज्ञान भारती पब्लिक स्कूल में बच्चों ने सामूहिक योगाभ्यास किया। निदेशक शुभम सिंह के मार्गदर्शन में शिक्षिका ज्योति श्रीवास्तव, अन्नपूर्णा देवी, अंशु कुमारी और शिक्षक आयुष कुमार, पंकज कुमार, विशाल कुमार ने बच्चों को ताड़ासन, वज्रासन, सूर्य नमस्कार, अनुलोम-विलोम जैसे योग सिखाए। निदेशक शुभम सिंह ने योग को आत्मिक शांति, मानसिक संतुलन और अनुशासित जीवन का आधार बताया और इसे दिनचर्या में शामिल करने का आग्रह किया।

योग दिवस | गुलाबचंद इंटर कॉलेज में योग दिवस पर छात्रों ने लिया स्वास्थ्य का संकल्प

योग शारीरिक व मानसिक स्वास्थ्य के लिए सबसे उपयुक्त अभ्यास है: सचिव

नवीन मेल संवाददाता

छतरपुर (पलामू)। गुलाबचंद प्रसाद अग्रवाल इंटर कॉलेज, सड़मा में शनिवार को 11वां अंतरराष्ट्रीय योग दिवस उत्साहपूर्वक मनाया गया। कार्यक्रम की शुरूआत मुख्य अतिथि एवं कॉलेज सचिव डॉ. अमित कुमार अग्रवाल के संबोधन से हुई। उन्होंने योग को भारतीय संस्कृति की मूल जड़ बताते हुए कहा कि यह शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के लिए सबसे उपयुक्त अभ्यास है। कॉलेज के प्रभारी प्राचार्य अखिलेश कुमार सिंह ने कहा कि योग केवल शरीर और मन का ही नहीं, आत्मा से जुड़ने का भी माध्यम है। उन्होंने पं. श्रीराम शर्मा आचार्य के ₹एक बनेंगे नेक बनेंगे₹ के संदेश को आत्मसात करने की अपील की। परीक्षा नियंत्रक अमित कुमार सिंह ने योग को जीवन का अंग बनाने की बात कही। योगाभ्यास के लिए प्रमुख शिक्षक कृष्णनंदन शर्मा मौजूद रहे। राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम पदाधिकारी प्रो. राजकिशोर लाल ने कहा कि योग न केवल शरीर को स्वस्थ करता है, बल्कि भारतीय ज्ञान परंपरा की वैश्विक पहचान बन चुका है। कार्यक्रम में स.प्रा. मुन्नी देवी, इंदु कुमारी, रोहित कुमार, अप्राजीता प्रकाश, योगेन्द्र विश्वकर्मा, सफल कुमार, अरविंद अग्रवाल सहित कॉलेज के सभी शिक्षकों, कर्मचारियों व छात्र-छात्राओं ने भाग लिया और योग को नियमित जीवन में शामिल करने का संकल्प लिया।

सांसद प्रतिनिधि ने बच्चों के साथ किया योगाभ्यास

मोहम्मदगंज। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर शनिवार को सांसद प्रतिनिधि महेंद्र प्रसाद सिंह ने गोड़ाडीह स्थित अपने आवास परिसर में बच्चों के साथ मिलकर योगाभ्यास किया। उन्होंने बच्चों को योग के महत्व से परिचित कराते हुए कहा कि यह केवल व्यायाम नहीं, बल्कि जीवन को संतुलित और स्वस्थ बनाने की कला है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रयासों से योग को वैश्विक पहचान मिली है और अब यह न केवल भारत में, बल्कि दुनिया भर में स्वास्थ्य और शांति का प्रतीक बन चुका है। उन्होंने उपस्थित बच्चों से आग्रह किया कि वे योग को नियमित रूप से करें और अपने मित्रों, परिवारजनों को भी इसके लिए प्रेरित करें। सांसद प्रतिनिधि ने कहा कि बाल्यकाल से ही अगर योग की आदत डाली जाए, तो वह पूरे जीवन भर तन और मन को शक्ति देता है। योग दिवस के मौके पर बच्चों की भागीदारी को उन्होंने भविष्य की दिशा में सकारात्मक संकेत बताया।

समता स्कूल में योग दिवस पर योगाभ्यास

हुसैनाबाद। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर अमन चैन मोहल्ला स्थित समता स्कूल परिसर में छात्र-छात्राओं को योगाभ्यास कराया गया। विद्यालय के निदेशक सह प्रधानाचार्य डॉ. अक्षय कुमार चौहान ने बच्चों और शिक्षकों को योग के पौराणिक महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि विद्यालय में हर शनिवार साप्ताहिक योग दिवस मनाया जाता है। मौसम खराब होने के बावजूद सभी शिक्षक और विद्यार्थी योग कार्यक्रम में शामिल हुए। इस अवसर पर विद्यालय के शिक्षक-विनोद चौधरी, संतोष मिश्रा, किरण देवी, अंजली सिंह, सुधांशु कुमार सिंह, राहुल चौहान, प्रियंका देवी, रीना देवी, मुकेश कुमार, सानिया खातून सहित कई शिक्षक व सैकड़ों छात्र-छात्राएं मौजूद रहे।

प्रखंड व थाना परिसर में कर्मचारियों ने किया योग अभ्यास

नौडीहा। अंतराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर शनिवार सुबह 7 बजे प्रखंड कार्यालय और थाना परिसर में योगाभ्यास का आयोजन किया गया। प्रखंड कार्यालय परिसर में बीडीओ रामनारायण खलखो के नेतृत्व में सभी कर्मियों ने योग किया, वहीं थाना परिसर में थाना प्रभारी अमित कुमार द्विवेदी के नेतृत्व में पुलिस कर्मियों ने योगाभ्यास किया। बीडीओ ने कहा कि आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में योग मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य के लिए आवश्यक है। उन्होंने सभी से आग्रह किया कि प्रतिदिन कुछ समय योग के लिए निकालें और अपने आसपास के लोगों को भी इसके लिए प्रेरित करें। इस अवसर पर रितुराज सहित कई कर्मी उपस्थित थे।

न्यूज बॉक्स

योग भारतीय संस्कृति की अमूल्य धरोहर : विधायक

नीलांबर-पीतांबरपुर। अंतराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर प्रखंड मुख्यालय स्थित अटल स्मृति भवन में पतंजलि योग परिवार द्वारा योग शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन पांकी विधायक डॉक्टर शशी भूषण मेहता, मुखिया रेखा देवी, पूनम देवी, छोटेलाल प्रसाद सोनी, सुनील कुशवाहा आदि ने दीप प्रज्वलित कर किया। प्रखंड योग प्रशिक्षक संतोष गुप्ता ने उपस्थित लोगों को ताड़ासन, वृक्षासन, वज्रासन, भुजंगासन, शवासन सहित विभिन्न आसनों का अभ्यास कराया। इसके साथ ही कपालभाति, अनुलोम-विलोम, भ्रामरी जैसे प्राणायाम भी कराए गए। विधायक ने कहा कि योग हमारी संस्कृति की धरोहर है। यह केवल व्यायाम नहीं, बल्कि जीवन जीने की कला है। उन्होंने आह्वान किया कि हम सभी योग को अपने दैनिक जीवन में शामिल कर स्वस्थ और संतुलित जीवन की ओर अग्रसर हों। इस अवसर पर मंदीप श्रीवास्तव, वीरेंद्र शुक्ला, मनजीत कुमार, सुरेश कश्यप सहित कई लोग उपस्थित रहे।

प्रखंड कार्यालय परिसर में योगाभ्यास कर मनाया गया अंतरराष्ट्रीय योग दिवस

मोहम्मदगंज। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस 2025 के अवसर पर शनिवार को प्रखंड कार्यालय परिसर में बीडीओ रणवीर कुमार के नेतृत्व में योग अभ्यास कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मनरेगा बीपीओ आबेद्दीन अंसारी, सहायक नीरज कुमार, कंप्यूटर ऑपरेटर मनोहर कुमार, नाजिर मनीष सिंह, रोजगार सेवक शमशाद अहमद, अजीत पाठक, नरेंद्र बैठा, पंचायत सचिव छोटू जोहरी, ब्लॉक वाश कॉर्डिनेटर प्रेमतोष पांडेय और अनुसेवक हेमंत कुमार सहित कई कर्मचारियों ने भाग लिया। योग अभ्यास के दौरान विभिन्न योगासन और प्राणायामों को किया गया। बीडीओ रणवीर कुमार ने बताया कि योग न केवल शारीरिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाता है बल्कि मानसिक संतुलन और आत्मिक शांति भी प्रदान करता है। उन्होंने सभी कर्मियों को नित्य योग को अपनी दिनचर्या में शामिल करने की अपील की। इस अवसर पर उन्होंने स्वच्छता सर्वेक्षण ग्रामीण-2025 की भी शुरूआत की और सभी विभागों से इसे सफल बनाने में सहयोग देने की अपील की। उन्होंने कहा कि साफ-सफाई और योग, दोनों ही एक स्वस्थ समाज के निर्माण में अहम भूमिका निभाते हैं। योग दिवस को लेकर प्रखंड प्रशासन की यह पहल सराहनीय रही।

विद्यालय में योग से जुड़े विद्यार्थियों ने जाना स्वास्थ्य का रहस्य

नौडीहा। प्रखंड के नौडीहा बाजार स्थित पीएम श्री स्तोत्र हाई स्कूल में शनिवार सुबह 8 बजे से अंतरराष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विद्यालय के शिक्षकों व छात्र-छात्राओं ने मिलकर सामूहिक योगाभ्यास किया। विद्यालय के प्रधानाध्यापक रोहित कुमार ने योग के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि योग से शारीरिक, मानसिक एवं बौद्धिक विकास होता है। उन्होंने कहा, ह्लहर दिन थोड़ा योग करें, जीवन को संपूर्ण रोग-मुक्त बनाएं। योग हमारी भारतीय शक्ति है जिससे तन और मन को शांति मिलती है ह्व योग अभ्यास के बाद प्रधानाध्यापक ने छात्रों को प्रतिदिन योग करने का निर्देश भी दिया। इस मौके पर शिक्षक आनंद कुमार सिंह, शर्मा कुमार, राजीव रंजन, अमरनाथ सोनी, अभिनव कुमार, सुनील पाठक, रमाकांत राम, चंद्रमा प्रसाद मेहता, शंकर दयाल प्रजापति सहित कई शिक्षक व विद्यार्थी उपस्थित थे।

पांकी प्रखंड कार्यालय परिसर में कर्मचारियों और जनप्रतिनिधियों ने किया योगाभ्यास

पांकी। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर शनिवार को पांकी प्रखंड कार्यालय परिसर में सामूहिक योगाभ्यास का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का नेतृत्व प्रखंड विकास पदाधिकारी ललित प्रसाद सिंह ने किया। योग प्रशिक्षक की देखरेख में सभी अधिकारियों, कर्मचारियों और जनप्रतिनिधियों ने विभिन्न आसनों और प्राणायाम का अभ्यास किया। मौके पर अंचलाधिकारी राजकुंवर सिंह, उप प्रमुख अमित कुमार चौहान सहित दर्जनों कर्मी और स्थानीय लोग मौजूद रहे। बीडीओ ने कहा कि योग केवल व्यायाम नहीं, बल्कि जीवन जीने की एक सुदृढ़ पद्धति है, जिसे अपनाकर हम रोगमुक्त जीवन की ओर बढ़ सकते हैं। उन्होंने सभी लोगों से प्रतिदिन योग करने और दूसरों को इसके लिए प्रेरित करने की अपील की।

भव्य योग दिवस समारोह, जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों ने किया योगाभ्यास

सतबरवा। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर शनिवार को सतबरवा शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय छात्रावास प्रांगण में योग शिविर का आयोजन हुआ। कार्यक्रम का उद्घाटन जिप सदस्य सुधा देवी, पोंची मुखिया गिरवर प्रसाद राम, धावाडीह मुखिया रिंकी यादव, महिला पतंजलि प्रभारी प्रीति गुप्ता, विधायक प्रतिनिधि राणा प्रताप कुशवाहा, सांसद प्रतिनिधि मनीष कुमार समेत कई जनप्रतिनिधियों ने दीप प्रज्वलित कर किया। योग प्रशिक्षक श्याम बिहारी प्रसाद के निर्देशन में उपस्थित लोगों ने ताड़ासन, वृक्षासन, वज्रासन, भुजंगासन, शवासन सहित विभिन्न योगासन किए। जिप सदस्य सुधा देवी ने योग को निरोग जीवन का माध्यम बताया और प्रतिदिन योग करने की सलाह दी। इसके अलावा सीओ सह बीडीओ कृष्ण मुरारी तिर्की, राजस्व कर्मचारी विकास मिंज, उप निरीक्षक अनीश सिंह, सीएससी ऑपरेटर नवीन सिंह ने अंचल परिसर में योग किया। मलय डैम स्पेलवे के पास एकल विद्यालय के बच्चों और शिक्षकों ने भी योग में भाग लिया। कार्यक्रम को सफल बनाने में राम स्वरूप, विजय (योग शिक्षक), कमलेश, जेपी उपाध्याय, कंचन देवी, रूबी देवी, सपना कुमारी और पूनम कुमारी समेत सैकड़ों महिला-पुरुष शामिल रहे।

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर हुआ सामूहिक योग अभ्यास

हैदरनगर। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर शनिवार को विभिन्न संगठनों ने सुबह सात बजे से योग कार्यक्रम आयोजित कर क्षेत्र में हलचल जैसा माहौल बना दिया। प्रखंड विकास पदाधिकारी विश्व प्रताप मालवा व अंचल अधिकारी संतोष कुमार की उपस्थिति में संबंधित विभाग के कर्मियों व आसपास के लोगों के साथ प्रखंड प्रांगण में करीब एक घंटे तक योग कार्यक्रम चला। मुखिया शहनाज परवीन, पंचायत समिति सदस्य गुलशन आरा व फरहाना खातून की सक्रियता से हैदरनगर पश्चिमी पंचायत सचिवालय में आयोजित इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में महिलाओं ने भी भाग लिया। थाना परिसर में थाना प्रभारी अफजल अंसारी के नेतृत्व में पुलिस पदाधिकारी व जवानों ने योग कर इस दिवस को उत्साह से मनाया। स्थानीय उप डाकघर कार्यालय में कर्मी सुरेन्द्र ठाकुर के नेतृत्व में योग कार्यक्रम में कर्मियों ने नियमित योग कर स्वस्थ रहने और देशहित में काम करने का संकल्प लिया। पीएम श्री उत्क्रमित प्लस टू उच्च विद्यालय मोहम्मदगंज में प्राचार्य राकेश कुमार सिंह के नेतृत्व में सैकड़ों बच्चों और शिक्षकों ने योग कर ‘योग करें - निरोग रहें’ का संदेश दिया।

पलामू में योग दिवस पर कार्यक्रम आयोजित विलंब व उदासीनता से फीका पड़ा माहौल

- पीजी ब्लॉक परिसर में मुख्य कार्यक्रम

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। पलामू जिले में 11वां अंतरराष्ट्रीय योग दिवस शनिवार को उत्साहपूर्वक तो मनाया गया, लेकिन प्रमुख जिला स्तरीय आयोजन में दो घंटे की देरी और आयोजन की उदासीनता ने जन भागीदारी और उत्साह को प्रभावित किया। नीलाम्बर-पीताम्बर विश्वविद्यालय के पीजी ब्लॉक परिसर में जिला आयुष समिति व जिला प्रशासन की ओर से आयोजित मुख्य योग कार्यक्रम आम लोगों की अपेक्षित उपस्थिति से दूर रहा और तय समय सुबह 5:30 बजे के बजाय करीब 7:00 बजे शुरू हुआ। जिला आयुष समिति कार्यक्रम में काफी उदासीन दिखा।

हालांकि जिले के सभी प्रखंड-अंचल कार्यालयों, महाविद्यालयों, विद्यालयों सहित अन्य संस्थानों में योग कार्यक्रमों का आयोजन किया गया, जहां उपस्थित लोगों ने योग संगम – एक पृथ्वी, एक स्वास्थ्य का संदेश दिया।

नीलाम्बर-पीताम्बर विश्वविद्यालय परिसर में आयोजित जिला स्तरीय योग कार्यक्रम का उद्घाटन कुलपति प्रो. डॉ. दिनेश कुमार सिंह, सहायक समाहर्ता हिमांशु लाल, सिविल सर्जन डॉ. अनिल कुमार सिंह, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी डॉ. असीम कुमार, आयुष पदाधिकारी डॉ. रामनारायण कारक, नजारत उपसमाहर्ता विक्रम आनंद और डीपीएम डॉ. मृत्युंजय कुमार ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया।

पतंजलि योगपीठ की प्रशिक्षक ममता सिन्हा व धीरज कुमार द्वारा वज्रासन, सिद्धासन, वृक्षासन, अर्धचक्रासन, पवनमुक्तासन, सूर्य नमस्कार जैसे योगासनों और भस्त्रिका, कपालभाति, अनुलोम-विलोम, शीतली जैसे प्राणायामों का अभ्यास कराया गया। उन्होंने योग के मानसिक और शारीरिक लाभों की जानकारी भी दी।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय के अधिकारी-कर्मचारी, शिक्षकों और विद्यार्थियों की भागीदारी रही, लेकिन जनसामान्य की उपस्थिति नगण्य रही और कार्यक्रम में समयबद्धता व ऊर्जा की कमी साफ तौर पर महसूस की गई।

जेएस कॉलेज में विद्यार्थियों ने लिया योग का संकल्प : जनता शिवरात्रि महाविद्यालय (जेएस कॉलेज) में प्रभारी प्राचार्य डॉ. अश्विनी कुमार वैद्य के नेतृत्व में योग दिवस पर सामूहिक योगाभ्यास कराया गया। कॉलेज के शिक्षक, शिक्षकेत्तर कर्मचारी और विद्यार्थियों ने कार्यक्रम में भाग लिया।

डॉ. वैद्य ने कहा कि योग केवल शारीरिक व्यायाम नहीं, बल्कि यह जीवन जीने की कला है। योग को नियमित रूप से अपनाने से जीवन में मानसिक संतुलन और स्वास्थ्य दोनों सुधरते हैं।

कार्यक्रम का समापन ध्यान और सामूहिक संकल्प के साथ किया गया।

मौके पर प्रो. जय प्रकाश राम, डॉ. प्रमोद कुमार, करण थापा, शशांक प्रिय, राजीव मुखर्जी, मो. आलम, अजय मेहता, योगेश, ज्वाला यादव सहित कई शिक्षक व विद्यार्थी उपस्थित रहे।

भारत विकास परिषद ने मनाया योग दिवस, सामूहिक योगाभ्यास का आयोजन

- नवीन मेल कार्यालय परिसर में हुआ आयोजन, योग को जीवनशैली में शामिल करने का लिया संकल्प

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर शनिवार को भारत विकास परिषद, मेदिनीराय शाखा की ओर से राष्ट्रीय नवीन मेल प्रेस कार्यालय परिसर में सामूहिक योगाभ्यास का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में परिषद के पदाधिकारियों और सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

योग सत्र के दौरान प्रतिभागियों ने विभिन्न आसनों व प्राणायाम का अभ्यास किया। इस दौरान वक्ताओं ने कहा कि योग केवल व्यायाम नहीं, बल्कि मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य की कुंजी है। नियमित योगाभ्यास व्यक्ति को न केवल रोगमुक्त बनाए रखता है, बल्कि मानसिक रूप से भी सशक्त करता है। सभी उपस्थितजनों ने योग को अपनी दिनचर्या में शामिल करने का संकल्प लिया।

वक्ताओं ने कहा कि योग भारतीय संस्कृति की अमूल्य विरासत है, जो तन, मन और आत्मा को जोड़ता है। इसके माध्यम से सकारात्मक जीवन दृष्टिकोण विकसित होता है और जीवन में संतुलन बना रहता है।

कार्यक्रम का आयोजन भारत विकास परिषद, मेदिनीराय शाखा द्वारा किया गया।

इस अवसर पर भारत विकास परिषद के दक्षिण झारखंड प्रांत अध्यक्ष सत्येंद्र तिवारी, मेदिनीराय शाखा के महासचिव शंकर दयाल सिंह, उपाध्यक्ष रजनीकांत पांडेय, फोटो जर्नलिस्ट सह संपर्क समन्वयक राकेश कुमार समेत अन्य सदस्य उपस्थित थे।

दोपहर के उजाले में दो महिलाओं के गले से चैन छीन कर फरार हुए बाइक सवार

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। शहर में अपराधियों के हौसले बुलंद हैं। शनिवार को दोपहर के समय मेदिनीनगर सदर थाना क्षेत्र में एक घंटे के भीतर दो अलग-अलग स्थानों पर महिलाओं के गले से सोने की चैन छीनने की घटनाओं ने पुलिस व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं। दोनों वारदातों को अज्ञात बाइक सवार अपराधियों ने अंजाम दिया और फरार हो गए। दोनों घटनाओं में पीड़ित महिलाओं के गले से लाखों रुपये की कीमत की सोने की चेन छीन ली गई।

वृद्ध महिला को बनाया निशाना : पहली घटना सदर थाना क्षेत्र के ग्राम जोड़ की है। शनिवार दोपहर करीब 1 बजे 75 वर्षीय शकुंतला देवी अपने घर के बाहर टहल रही थीं। इसी दौरान खनवा की ओर से आए काले रंग की पल्सर बाइक पर सवार दो अज्ञात युवक अचानक उनके पास आए और उनके गले से सोने की चेन झपट कर तेजी से मेदिनीनगर की ओर भाग निकले। बताया गया कि उक्त सोने की चेन कुछ माह पूर्व ही करीब 1.5 लाख रुपये में खरीदी गई थी। इस घटना के बाद पीड़िता और स्थानीय लोग स्तब्ध रह गए। सूचना पर सदर थाना प्रभारी संतोष कुमार गुप्ता ने बताया कि मामले की जानकारी ली गई है और आसपास के सीसीटीवी कैमरों की जांच की जा रही है।

हॉस्पिटल पहुंची महिला बनी शिकार : दूसरी घटना इसी थाना क्षेत्र के सुभाष चौक के पास की है, जहां दोपहर लगभग 12:30 बजे एक महिला, जो भगवती हॉस्पिटल में इलाज के सिलसिले में आई थी, के गले से भी सोने की चेन झपट ली गई। बाइक पर सवार अज्ञात दो युवक वारदात को अंजाम देकर फरार हो गए। शहर थाना प्रभारी ज्योति लाल रजवार ने बताया कि घटना स्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है। प्रारंभिक जांच में दोनों घटनाओं में शामिल बाइक काले रंग की पल्सर बताई जा रही है। दोनों थानों की पुलिस समन्वय बनाकर छानबीन कर रही है।

सवालों के घेरे में सुरक्षा व्यवस्था : एक ही दिन, एक ही थाना क्षेत्र और एक ही अंदाज में दो महिलाओं से चैन छीनने की घटनाओं ने पुलिस गश्ती और सतर्कता पर गंभीर प्रश्न खड़े किए हैं। खासकर दिन के उजाले में सार्वजनिक स्थलों पर हो रही इस तरह की वारदातों से लोगों में दहशत का माहौल है। स्थानीय लोगों ने घटना को लेकर रोष जताया है और अपराधियों की शीघ्र गिरफ्तारी की मांग की है। फिलहाल दोनों घटनाओं को लेकर पुलिस सक्रिय है, लेकिन ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए जरूरी है कि शहर में नियमित गश्त, संदिग्धों की पहचान और निगरानी तंत्र को सशक्त बनाया जाए। साथ ही अपराधियों की त्वरित गिरफ्तारी कर लोगों का भरोसा बहाल किया जाए।

चलानी किला में पहली बार योग शिविर का आयोजन

- राजा मेदिनीराय तीरंदाज एकेडमी द्वारा अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर हुआ आयोजन

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर शनिवार को राजा मेदिनीराय तीरंदाज एकेडमी की ओर से चलानी किला शाहपुर, मेदिनीनगर परिसर में योगाभ्यास शिविर का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में बच्चे, महिलाएं और पुरुषों ने भाग लिया। योगाभ्यास से पहले मारंग गोमके जयपाल सिंह मुंडा की तस्वीर पर माल्यार्पण और पुष्पांजलि अर्पित कर कार्यक्रम की विधिवत शुरुआत की गई।

इस अवसर पर झारखंड आंदोलनकारी संघर्ष मोर्चा के केंद्रीय संयोजक सतीश कुमार ने सभी आगंतुकों का स्वागत करते हुए कहा कि चलानी किला जैसे ऐतिहासिक स्थल पर पहली बार योग शिविर का आयोजन होना गौरव की बात है। उन्होंने इसे जनजागरण और स्वास्थ्य चेतना की दिशा में एक सकारात्मक पहल बताया।

योग शिविर में शिहान संतोष कुमार (योग प्रशिक्षक सह संरक्षक), आसुतोष कुमार पांडेय (महाराष्ट्र से खेलकूद एवं योग में मास्टर डिग्री प्राप्त प्रशिक्षक), दीपक कुमार गुप्ता, संतन सोनी, संध्या कुमारी, बोली कुमारी और गोल्डी कुमारी (महिला योग प्रशिक्षक) ने विभिन्न योग क्रियाओं का अभ्यास कराया और उसके लाभ बताए। प्रशिक्षकों ने योग को जीवन में शामिल करने और नियमित अभ्यास पर बल दिया।

कार्यक्रम के सफल संचालन में दाऊद केरकेट्टा, राजू कुमार प्रजापति, धर्मेंद्र चंद्रवंशी, बसंत हेमरम, पुनिया टोपनो, केलवंशिया केरकेट्टा, शंखनाथ सिंह चेरो, रोहित कुमार चेरो और आयुष कश्यप ने सक्रिय भूमिका निभाई।

योगाभ्यास के उपरांत बच्चों को तीरंदाजी का प्रशिक्षण भी दिया गया, जिससे वे खेल और अनुशासन दोनों की शिक्षा प्राप्त कर सकें। आयोजन का उद्देश्य न केवल शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को बढ़ावा देना था, बल्कि पारंपरिक खेलों और सांस्कृतिक विरासत से भी बच्चों को जोड़ना रहा।

आधार कार्ड को नहीं माना जाएगा जन्म प्रमाण का वैध दस्तावेज

मेदिनीनगर। जिले के सभी कार्यालय प्रमुखों को सूचना एवं प्रौद्योगिकी तथा ई-गवर्नेंस विभाग, झारखंड रांची से प्राप्त पत्र के माध्यम से यह जानकारी दी गई है कि अब आधार कार्ड को जन्म प्रमाण पत्र के वैध दस्तावेज के रूप में स्वीकार नहीं किया जाएगा। यह निर्देश भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण (यूआईडीएआई), क्षेत्रीय कार्यालय रांची के पत्र के आधार पर जारी किया गया है। प्राधिकरण ने स्पष्ट किया है कि आधार कार्ड में उल्लिखित जन्म तिथि केवल पहचान के प्रयोजन से होती है, न कि जन्म प्रमाण के रूप में। यह केवल एक पहचान पत्र है और इसे जन्म तिथि के प्रमाणीकरण के लिए उपयोग नहीं किया जा सकता। इस संबंध में सभी विभागों और कार्यालयों को निर्देशित किया गया है कि भविष्य में किसी भी सेवा या प्रमाणन प्रक्रिया में आधार कार्ड को जन्म प्रमाण के रूप में मान्यता न दी जाए। इसके लिए बर्थ सर्टिफिकेट, मैट्रिक प्रमाणपत्र या अन्य अधिकृत दस्तावेज ही मान्य होंगे। यह निर्णय विभिन्न सरकारी योजनाओं व सेवाओं में दस्तावेजी प्रमाणिकता को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से लिया गया है।

वरिष्ठ नागरिकों के लिए सीनियर सिटिजन वेलफेयर पोर्टल लॉन्च

मेदिनीनगर। वरिष्ठ नागरिकों के कल्याण के लिए भारत सरकार के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय द्वारा सीनियर सिटिजन वेलफेयर पोर्टल लॉन्च किया गया है। यह एकीकृत डिजिटल प्लेटफॉर्म वरिष्ठ नागरिकों तक विभिन्न सरकारी योजनाओं, सेवाओं और सूचनाओं की पहुँच को आसान बनाएगा। यह पोर्टल एक वन स्टॉप सॉल्यूशन के रूप में कार्य करता है, जिसके माध्यम से वरिष्ठ नागरिकों के लिए संचालित सभी नीतियों, योजनाओं और कार्यक्रमों की जानकारी एक स्थान पर उपलब्ध कराई गई है। इससे बुजुर्गों को सरकारी सुविधाओं का लाभ प्राप्त करने में सरलता होगी। पलामू उपायुक्त समीरा एस ने जिले के सभी विभागों और विभागीय प्रधानों को निर्देश दिया है कि वे समन्वय स्थापित करते हुए पोर्टल की जानकारी जिले के सभी वरिष्ठ नागरिकों तक पहुँचाएं। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं का लाभ वरिष्ठ नागरिकों तक प्रभावी रूप से पहुँचना चाहिए। उपायुक्त ने वरिष्ठ नागरिकों से भी अपील की है कि वे सीनियर सिटीजन वेलफेयर पोर्टल से जुड़कर इससे अधिकतम लाभ प्राप्त करें। यह पोर्टल बुजुर्गों के जीवन को सहज, सुरक्षित और सम्मानजनक बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

छात्राओं को बैंकिंग और डिजिटल फ्रॉड से बचाव की जानकारी

मेदिनीनगर। भारतीय रिज़र्व बैंक की ओर से शनिवार को चैनपुर स्थित राजकीय पिछड़ा जाति +2 बालिका आवासीय विद्यालय में बैंकिंग लोकपाल प्रणाली और डिजिटल फ्रॉड से बचाव को लेकर विशेष जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। इस अवसर पर आरबीआई के लोकपाल आनंद और मनोज रंजन ने छात्राओं को बैंकिंग सेवाओं से जुड़ी शिकायतों के समाधान की प्रक्रिया, डिजिटल लेनदेन में बरती जाने वाली सावधानियां और साइबर अपराधों के प्रकारों पर विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने छात्राओं को बताया कि कैसे साइबर धोखाधड़ी के मामलों में त्वरित कार्रवाई की जा सकती है और बैंकिंग से जुड़ी समस्याओं को बैंकिंग लोकपाल के माध्यम से कैसे सुलझाया जा सकता है। कार्यक्रम के दौरान प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता भी आयोजित की गई, जिसमें सही जवाब देने वाली छात्राओं को आरबीआई की ओर से पुरस्कार प्रदान किए गए। इस अवसर पर विद्यालय के प्रधानाचार्य मदन मोहन यादव, शिक्षक सीतेश कुमार, अग्रगति इंडिया के जिला समन्वयक श्यामसुंदर महतो, कोऑर्डिनेटर तरुण प्रकाश, सतीश कुमार दुबे, ट्रेनर पंकज तिवारी सहित बड़ी संख्या में छात्राएं मौजूद थीं। आयोजकों ने कहा कि इस तरह के शिविर छात्राओं में डिजिटल लेनदेन को लेकर सुरक्षा जागरूकता बढ़ाने और उन्हें आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है।

एमकेडीएवी स्कूल में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर विद्यार्थियों ने किया योगाभ्यास

मेदिनीनगर। एम.के.डी.ए.वी. पब्लिक स्कूल, डालटनगंज में शुक्रवार को 11वां अंतरराष्ट्रीय योग दिवस धूमधाम और गरिमामय वातावरण में मनाया गया। सुबह की प्रार्थना सभा में योग पर आधारित सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से वातावरण को प्रेरणादायक बनाया गया, जिसके बाद पूरे विद्यालय परिसर में योग का सामूहिक अभ्यास किया गया। कार्यक्रम में योग प्रशिक्षक आचार्य अरविंद कुमार ने विद्यालय के योग प्रशिक्षु छात्रों को विभिन्न योगासन कराए और उनके लाभ भी समझाए। उन्होंने बताया कि योग न केवल शरीर को स्वस्थ रखता है, बल्कि यह मन को भी शांत और एकाग्र करने में सहायक होता है। प्रशिक्षक ने अनुलोम-विलोम, कपालभाति, पद्मासन, वृक्षासन, ताड़ासन और वज्रासन जैसे योगासनों का अभ्यास कराते हुए उनकी विशेषताओं पर भी विस्तार से प्रकाश डाला। इस अवसर पर विद्यालय के प्रभारी प्राचार्य आलोक कुमार ने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि योग भारतीय ज्ञान परंपरा का अमूल्य उपहार है, जिसे विश्वभर में पहचान दिलाने में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की भूमिका ऐतिहासिक रही है। उन्होंने कहा कि योग से छात्रों में ध्यान, अनुशासन और मानसिक एकाग्रता की क्षमता विकसित होती है, जो उनके अध्ययन में भी सकारात्मक भूमिका निभाती है। उन्होंने महर्षि पतंजलि और आधुनिक युग में स्वामी रामदेव द्वारा योग को जन-जन तक पहुँचाने के प्रयासों की भी सराहना की। कार्यक्रम में विद्यालय की छात्रा दीक्षा सहाय ने अपने समूह के साथ आकर्षक योग प्रदर्शन प्रस्तुत कर सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। उपस्थित छात्रों और शिक्षकों ने तालियों की गड़गड़ाहट के साथ प्रस्तुति की सराहना की। इस अवसर पर विद्यालय के शिक्षक मिनाक्षी करण, नीरज श्रीवास्तव, ए.के. पांडे, कन्हैया राय, जितेंद्र तिवारी, विक्रम चड्डेल, प्रदीप बोराल, एन.के. सिन्हा, अनंत पाठक, मयंक सिंह (खेल शिक्षक), ओमकार शरण मिश्रा, अपर्णा पांडे, आर.के. पांडे सहित अन्य शिक्षक-शिक्षिकाएं एवं शिक्षकेतर कर्मी मौजूद रहे। पूरे आयोजन में छात्रों की भागीदारी और अनुशासन ने योग दिवस को एक प्रेरक और सफल आयोजन में बदल दिया।

विश्व संगीत दिवस पर कलाकारों को सम्मानित कर बोले सांसद – रंगकर्मी समाज का दर्पण

- राष्ट्रीय स्तर पर पलामू का मान बढ़ाने वाले कलाकारों को मिला सम्मान

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। विश्व संगीत दिवस के अवसर पर शनिवार को पलामू सांसद वीडी राम ने अपने आवास पर शिमला में आयोजित राष्ट्रीय नाट्य प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त मासूम आर्ट ग्रुप के कलाकारों को सम्मानित किया। इस दौरान उन्होंने कलाकारों से संवाद करते हुए कहा कि रंगकर्म समाज को सकारात्मक दिशा देने का सशक्त माध्यम है और पलामू के कलाकारों ने इस क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर पूरे झारखंड का नाम रौशन किया है।

सांसद ने कहा कि रंगमंच एक कठिन विधा है और पलामू जैसे संसाधनविहीन क्षेत्र से राष्ट्रीय मंच तक पहुंचना प्रशंसनीय उपलब्धि है। उन्होंने कलाकारों की सराहना करते हुए कहा कि वे आगामी मंचन में हरसंभव सहयोग देंगे। इस दौरान कलाकारों ने रेलवे यात्रा कंसेशन फिर से बहाल करने की मांग की, जिसपर सांसद ने आश्वासन दिया कि वे इस मुद्दे को रेल मंत्री के समक्ष उठाएंगे।

कार्यक्रम में कलाकारों ने ऑल इंडिया आर्टिस्ट एसोसिएशन, शिमला की ओर से प्राप्त स्मृति चिह्न सांसद को भेंट किया। यह मोमेंटो राष्ट्रीय नाट्य प्रतियोगिता के आयोजक और एनएसडी के वरिष्ठ रंगकर्मी रोहिताश्व गौड़ एवं डॉ. रेखा गौड़ द्वारा मासूम ग्रुप को प्रदान किया गया था। इस अवसर पर सांसद ने शिमला में प्रस्तुत नाटक को मेदिनीनगर में भी मंचित करने की बात कही।

कार्यक्रम में मौजूद युवा समाजसेवी स्मिता आनंद ने कहा कि पलामू के कलाकारों को मंच और सम्मान दिलाने के लिए वे लगातार प्रयासरत हैं। रंगकर्मी अगर पहल करें तो प्रशासन और जनप्रतिनिधियों से सहयोग जरूर मिलेगा।

इस अवसर पर राजा सिन्हा और राम किशोर पांडेय सहित कई वरिष्ठ संगीत कलाकारों ने सांसद को विश्व संगीत दिवस की बधाई दी। कार्यक्रम का संचालन मासूम आर्ट ग्रुप के सचिव सैकत चटर्जी ने किया।

कार्यक्रम में मुनमुन चक्रवर्ती, संध्या शेखर, कनक लता तिर्की, परिणीता पाल, अमर भांजा, कामरूप सिन्हा, अविनाश तिवारी, राज प्रतीक पाल, मो. नसीम, शहजादा तालिब, सूरज शर्मा, उज्ज्वल सिन्हा, गुलशन मिश्रा सहित कई कलाकार और रंगकर्मी उपस्थित थे।

विश्व योग दिवस पर पलामू जिला योगा एसोसिएशन ने किया योग शिविर का आयोजन

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। पलामू जिला योगा एसोसिएशन के तत्वावधान में शुक्रवार को विश्व योग दिवस के अवसर पर माता द्रौपदी नामधारी गुरु गोविंद सिंह पब्लिक स्कूल के प्रांगण में भव्य योग शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का संचालन पलामू जिला योगा एसोसिएशन के सचिव अनिल कुमार पांडे और जूनियर वर्ग में प्रीति कुमारी ने किया। शिविर की अध्यक्षता विद्यालय के संरक्षक एवं पूर्व विधानसभा अध्यक्ष इंदर सिंह नामधारी ने की। कार्यक्रम की शुरुआत गायत्री मंत्र के उच्चारण से हुई, जिसके बाद कपालभाति, भस्त्रिका, भ्रामरी गीत, अनुलोम-विलोम सहित विभिन्न प्राणायाम कराए गए। इसके साथ ही ताड़ासन, वृक्षासन, पादहस्तासन, पद्मासन, वज्रासन और शवासन सहित अनेक योग आसनों का अभ्यास भी प्रतिभागियों को कराया गया। इस योग शिविर में विद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकाओं और विद्यार्थियों ने पूरे उत्साह के साथ भाग लिया। इस अवसर पर विद्यालय के प्राचार्य विकास चंद्र झा, उप प्राचार्य अनुज पाठक, विजय पांडे, गौरी शंकर, सतीश पाठक, अभिज्ञान झा, पंकज भारती, जूही सिंह, ज्योत्सना, एसके मिश्रा, मिथिलेश पाठक, दीपेंद्र कुमार, नंदिता बोस, अमरदीप, अशोक दुबे, ओमप्रकाश, एसके सिंह, वर्षा, मेघा, रंजन कुमार, विवेक घोषाल, अमृता भट सहित दर्जनों शिक्षक-शिक्षिकाएं उपस्थित रहीं और योग अभ्यास में सहभागी बने।

विद्यालय की छात्राओं को दिलाई गई नशा मुक्ति की शपथ

मेदिनीनगर। सदर थाना की ओर से शनिवार को नशा उन्मूलन को लेकर एक जागरूकता अभियान चलाया गया। यह कार्यक्रम थाना क्षेत्र के ग्राम चियाकी स्थित राजकीय उत्क्रमित बालिका उच्च विद्यालय में आयोजित हुआ, जिसमें विद्यालय की छात्राओं को नशे के दुष्परिणामों, डायल 112 सेवा और सामाजिक जिम्मेदारी से जुड़ी जानकारियां दी गईं। कार्यक्रम का नेतृत्व सदर थाना प्रभारी ने किया। उन्होंने छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि नशा एक सामाजिक बुराई है, जो न केवल व्यक्ति विशेष के जीवन को प्रभावित करता है, बल्कि पूरे परिवार और समाज पर नकारात्मक प्रभाव डालता है। उन्होंने कई प्रासंगिक उदाहरणों के माध्यम से नशे की लत से होने वाले नुकसान को स्पष्ट किया और छात्राओं को इससे बचने की सलाह दी।

थाना प्रभारी ने कहा कि किशोरावस्था में नशे की प्रवृत्ति बढ़ रही है, ऐसे में छात्रों का जागरूक होना और दूसरों को भी जागरूक करना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने डायल 112 सेवा के महत्व को बताते हुए छात्राओं को किसी भी आपात स्थिति में इस नंबर पर संपर्क करने की सलाह दी।

कार्यक्रम के अंत में सभी छात्राओं को नशा से दूर रहने और दूसरों को भी जागरूक करने की शपथ दिलाई गई। इस अवसर पर विद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकाएं एवं पुलिस पदाधिकारी भी उपस्थित थे।

सदर थाना की इस पहल को विद्यालय परिवार और छात्राओं ने सराहा और इसे एक महत्वपूर्ण सामाजिक प्रयास बताया, जिससे बच्चों को सही दिशा मिलती है और समाज नशामुक्त बनने की ओर अग्रसर होता है।

मादक पदार्थों के दुरुपयोग के खिलाफ जीएलए कॉलेज स्टेडियम में खेल प्रतियोगिताएं आयोजित

- हुसैनाबाद व सदर मेदिनीनगर की टीमों ने मारी बाजी

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। शनिवार को जीएलए कॉलेज स्टेडियम में मादक पदार्थों के दुरुपयोग के विरुद्ध जागरूकता कार्यक्रम के तहत विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में क्रॉस कंट्री दौड़, कबड्डी, रस्साकशी, पेंटिंग, निबंध, भाषण और क्विज प्रतियोगिताएं शामिल रहीं। बालक वर्ग की कबड्डी प्रतियोगिता में हुसैनाबाद ने प्रथम स्थान और सदर मेदिनीनगर ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया, जबकि बालिका वर्ग में सदर मेदिनीनगर विजेता बनी। प्रतियोगिता में जिले भर से बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। आयोजन को सफल बनाने में जिला खेल समन्वयक निधि उपाध्याय, अभिलाष चंचल, मोनू कुमार, उपेंद्र कुमार, रविंद्र उरांव, सुनील यादव, सिकंदर कुमार, दीपू कुमार, दीपक तिवारी और सत्यनारायण शर्मा की अहम भूमिका रही। आयोजन समिति ने बताया कि आगामी 24 जून को प्रमंडल स्तरीय प्रतियोगिता का आयोजन होगा, जिसमें पलामू, गढ़वा और लातेहार जिले के खिलाड़ी भाग लेंगे। आयोजन का उद्देश्य नशे के खिलाफ युवाओं को जागरूक करना और खेलों के माध्यम से स्वस्थ जीवन की दिशा में प्रेरित करना है।

एक नजर

केतमा गांव में धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान के तहत जनकल्याण शिविर

धुरकी। अम्बाखोरेया पंचायत के केतमा गांव में शनिवार को धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान के तहत एक दिवसीय जनकल्याणकारी शिविर का आयोजन हुआ। बीडीओ जुल्फिकार अंसारी और विधायक प्रतिनिधि की उपस्थिति में जनजातीय समुदाय की समस्याओं का तत्काल समाधान किया गया। शिविर में कई सरकारी योजनाओं से संबंधित आवेदन लिए गए और कई समस्याओं का समाधान मौके पर ही किया गया।

जलजमाव से परेशान ग्रामीणों के लिए समाजसेवी ने कराया सड़क मरम्मत

मेराल। लगातार बारिश से हासनदाग बस्ती के टॉड टोला जाने वाली सड़क की स्थिति बेहद खराब हो गई थी। समाजसेवी भरदुल विश्वकर्मा ने शनिवार को निजी खर्च से सड़क की मरम्मत कराई। ग्रामीणों ने विधायक से संपर्क करने की कोशिश की, लेकिन असफल रहे। बीडीओ ने सड़क का निरीक्षण कर पीसीसी निर्माण का आश्वासन दिया है।

रोहित वर्मा बने रमना प्रखंड के विधायक प्रतिनिधि, ग्रामीणों ने दी बधाई

रमना। विधायक अनंत प्रताप देव ने रोहित वर्मा को रमना प्रखंड के विधायक प्रतिनिधि के रूप में मनोनीत किया है। इस अवसर पर जेएमएम कार्यकताओं और ग्रामीणों ने उन्हें बधाई दी। रोहित वर्मा ने कहा कि वे क्षेत्र की समस्याओं के निराकरण के लिए हरसंभव प्रयास करेंगे।

सोन व कोयल नदी तटों का निरीक्षण संभावित आपदा को लेकर सतर्कता निर्देश

जिला प्रशासन ने भीम बराज और संगम स्थल का लिया जायजा, हूटर प्रणाली को दुरुस्त करने का आदेश

नवीन मेल संवाददाता

गढ़वा। जिले में लगातार हो रही बारिश के मद्देनजर संभावित बाढ़ और आपदा की स्थिति से निपटने को लेकर शनिवार को उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी दिनेश कुमार यादव और पुलिस अधीक्षक अमन कुमार ने संयुक्त रूप से सोन और कोयल नदी तट क्षेत्रों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने अंचलाधिकारी, प्रखंड विकास पदाधिकारी और थाना प्रभारी को अलर्ट मोड में रहने और पूर्व तैयारियां सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। अधिकारियों ने खासतौर पर नदी किनारे बसे गांवों में सतत निगरानी रखने, संभावित आपदा की स्थिति में सुरक्षित स्थानों पर लोगों को स्थानांतरित करने और आपात संसाधनों को सक्रिय रखने का निर्देश दिया। निरीक्षण के क्रम में उपायुक्त और पुलिस अधीक्षक ने भीम बराज और सोन-कोयल संगम स्थल का भी जायजा लिया। यहां उपायुक्त ने पाया कि बराज का फाटक खोलने से पहले हूटर बजाया जाना जरूरी है, जिससे डाउनस्ट्रीम क्षेत्र के लोगों को सतर्क किया जा सके, लेकिन तकनीकी खराबी के कारण हूटर कार्य नहीं कर रहा है। उन्होंने संबंधित एजेंसी को तत्काल मरम्मत कर हूटर प्रणाली को चालू करने का निर्देश दिया। उपायुक्त दिनेश कुमार यादव ने कहा कि जिला प्रशासन पूरी तरह सतर्क है और आम लोगों की सुरक्षा के लिए सभी आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं। उन्होंने लोगों से अफवाहों पर ध्यान न देने और प्रशासन के दिशा-निर्देशों का पालन करने की अपील की।

बीएलओ और पर्यवेक्षकों का प्रशिक्षण 23 जून को

खरौंधी। 23 जून 2025 को प्रखंड कार्यालय खरौंधी में सभी बीएलओ और पर्यवेक्षकों के लिए एक दिवसीय प्रशिक्षण का आयोजन होगा। मतदान केंद्रों के नजरी नक्शा और जियो फेंसिंग से जुड़ी जानकारियां दी जाएंगी। प्रशिक्षण बीडीओ रविंद्र कुमार की अध्यक्षता में प्रखंड सभागार में सुबह 11:30 बजे से शुरू होगा।

जमीन कब्जा विवाद में सीओ व भू-स्वामियों के बीच विवाद

▸ रिश्वत का आरोप बेबुनियादः सीओ

नवीन मेल संवाददाता

मझिआंव (गढ़वा)। लोहरपुरवा गांव में खरीदी गई जमीन पर कब्जा दिलाने की मांग को लेकर शुक्रवार को भू-स्वामी नरविंद कुमार और श्याम बिहारी साह अंचल कार्यालय पहुंचे। आरोप है कि सीओ प्रमोद कुमार से उन्होंने पैसे की मांग की, जिस पर दोनों पक्षों में कहासुनी हो गई। वाद-विवाद बढ़ने पर प्रखंड कार्यालय परिसर में हाई वोल्टेज ड्रामा हुआ। भू-स्वामियों का आरोप है कि जमीन कब्जा दिलाने के एवज में रिश्वत दी गई थी, बावजूद इसके न कब्जा मिला न पैसे लौटे। सीओ प्रमोद कुमार ने आरोप को निराधार बताते हुए कहा कि जमीन पर धारा 144 लागू है और न्यायालय के निर्देश के बिना कब्जा दिलाना संभव नहीं। भू-स्वामियों ने देर शाम थाना में सीओ के खिलाफ शिकायत दी है।

कार्यालय नगर पंचायत, लातेहार

अतिअल्पकालिन कोटेशन आंमत्रण सूचना सं0 11/2025–26

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि नगर निकाय में कार्यरत सफाई कर्मियों को स्वच्छ भारत मिशन 2.0 के तहत सफाई किट (Gloves for Electric Works, Gloves Cleaning, Gum-Boots, Shoes for Electric Work, Shoes, Dress Male-Shirt & Jeans, Female- Saree & Jacket , Reflective Safety Jacket, Safety Helmet, Rain Coats (Ladies & Gents) All Item Best Quality) का क्रय की जानी है। उक्त कार्य हेतु इच्छुक फर्म /आपूर्तिकर्ता से दिनांक 01.07.2025 के अपराहन् 2.30 बजे तक पूर्ण विवरणी एवं सभी कर सहित अपना कोटेशन नगर पंचायत लातेहार के कार्यालय में जमा कर सकते हैं। कोटेशनदाता से प्राप्त कोटेशन को उसी दिन अपराहन् 3.30 बजे खोला जायेगा। कोटेशनदाता को कोटेशन के साथ अध्यतन आयकर एकनॉलेजमेन्ट, पैन कार्ड एवं GST प्रमाण पत्र 3B Return एवं आपूर्ति किये जाने वाले सामग्रियों का रंगीन कैटलॉग /फोटोग्राफ देना अनिवार्य होगा। साथ ही आपूर्ति की जाने वाली सामग्रियों का Sample सभी आपूर्तिकर्ता को निविदा समिति के समक्ष दिखाना अनिवार्य होगा। साथ ही न्यूनतम दरदाता को Sample का एक सेट कार्यालय में जमा कराना अनिवार्य होगा। कोटेशनदाता से दर प्राप्त होने के उपरांत न्युनतम दरदाता की स्वीकृति प्रदान करते हुये कार्यादेश निर्गत की जायेगी। कार्यादेश निर्गत की तिथि से एक सप्ताह के अन्दर उपरोक्त सामग्रियों की आपूर्ति करना आवश्यक होगा। इस संबंध में विशेश जानकारी कार्यालय के कार्य दिवस में जया लक्ष्मी भगत, नगर प्रबंधक, नगर पंचायत लातेहार से ली जा सकती है।

प्रशासक,
नगर पंचायत, लातेहार

PR 355703 (Urban Development)25-26*D

सुब्रतो कप व लिटिल चैम्प फुटबॉल प्रतियोगिता का समापन, विजेता टीमों का सम्मान

नवीन मेल संवाददाता

खरौंधी। स्थानीय उच्च विद्यालय खरौंधी के मैदान में शनिवार को 64वीं प्रखंड स्तरीय सुब्रतो कप एवं लिटिल चैम्प फुटबॉल प्रतियोगिता का समापन हुआ। अंडर-17 बालक वर्ग में उच्च विद्यालय खरौंधी, बालिका वर्ग में कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय खरौंधी, अंडर-12 बालक वर्ग में उच्च विद्यालय भलुही और लिटिल चैम्प में उत्क्रमित मध्य विद्यालय लामी की टीम विजेता बनीं। उपप्रमुख देवदत्त प्रसाद आर्य, बीपीएम नवीन प्रकाश एवं अन्य पदाधिकारियों ने विजेता टीमों को सम्मानित किया।

सुब्रतो कप में ताली के छात्रों ने दिखाया दमखम

केतार। लोहिया समता उच्च विद्यालय मैदान में हो रही सुब्रतो कप फुटबॉल प्रतियोगिता में मध्य विद्यालय ताली की टीम ने बेहतरीन प्रदर्शन कर पीएम श्री मध्य विद्यालय केतार को पराजित किया। कार्यक्रम में बीपीएम रवि वैद्य, शिक्षक देवेंद्र कुमार समेत कई लोग उपस्थित रहे।

मनरेगा योजनाएं शीघ्र शुरू करने की मांग, जिप सदस्य ने डीसी को सौंपा पत्र

भवनाथपुर। जिप सदस्य रंजनी शर्मा ने डीसी दिनेश कुमार यादव को पत्र देकर जिले के सभी प्रखंडों में मनरेगा की योजनाएं शीघ्र शुरू करने की मांग की है। उन्होंने वृक्षारोपण, मेड़बंदी, दीदीबाड़ी जैसी योजनाओं को जनहित में जरूरी बताया।

चितविश्राम में सुब्रतो कप टूर्नामेंट का समापन, नगर ऊंटरी व कस्तूरबा गांधी स्कूल की टीम विजेता

नवीन मेल संवाददाता

श्री बंशीधर नगर। चितविश्राम स्थित उच्च विद्यालय स्टेडियम में 64वीं सुब्रतो कप फुटबॉल टूनार्मेंट का समापन हुआ। अंडर-17 बालक वर्ग में प्लस टू उच्च विद्यालय नगर ऊंटरी और बालिका वर्ग में कस्तूरबा गांधी विद्यालय की टीम विजेता बनी। समापन समारोह में बीपीओ तहमीना परवीन और प्रधानाध्यापक द्वारिकानाथ पांडेय ने विजेता टीमों को सम्मानित किया।

तंबाकू निषेध दिवस पर जागरूकता रैली निकाली गई

नवीन मेल संवाददाता

बड़गड़। विश्व तंबाकू निषेध दिवस के अवसर पर बड़गड़ +2 उच्च विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने शनिवार को जागरूकता रैली निकाली। बच्चों ने नशा विरोधी नारे लगाकर लोगों को तंबाकू और नशीले पदार्थों से दूर रहने का संदेश दिया। विद्यालय और स्वास्थ्य केंद्र में सामूहिक शपथ भी दिलाई गई।

करैत सांप के डसने से महिला की मौत, झाड़-फूंक में उलझे रहे स्वजन

भवनाथपुर। विशुनपुरा निवासी प्रतिमा देवी की करैत सांप के डसने से इलाज के दौरान मौत हो गई। घटना के बाद स्वजन झाड़-फूंक में व्यस्त रहे, जिससे समय पर इलाज नहीं हो सका। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए गढ़वा भेजा।

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस

गढ़वा में योग दिवस पर दिखा अनुशासन व स्वास्थ्य के प्रति समर्पण

योग दिवस बना स्वास्थ्य व चेतना का पर्व

नवीन मेल संवाददाता

गढ़वा। जिले के विभिन्न प्रखंडों में 11वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर स्कूलों, थाना परिसरों, प्रखंड मुख्यालयों और सामाजिक संगठनों के माध्यम से बड़े स्तर पर योगाभ्यास कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इन आयोजनों के माध्यम से आमजन, छात्र-छात्राएं, पुलिस बल, प्रशासनिक अधिकारी एवं समाजसेवियों ने स्वास्थ्य के प्रति सजगता और योग के प्रति जागरूकता का परिचय दिया। हर आयोजन में योग की उपयोगिता को रेखांकित करते हुए प्रतिभागियों ने इसे जीवनशैली में शामिल करने का संकल्प लिया।

चिनिया थाना परिसर में अनुशासित योगाभ्यास, पुलिस बल ने दिखाया जोश

चिनिया। थाना परिसर में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर विशेष योग सत्र का आयोजन थाना प्रभारी अमित कुमार की अध्यक्षता में हुआ। इस योगाभ्यास में एएसआई नवीन कुमार राणा, राधेश्याम कुमार, संतोष प्रसाद, सुखराव उरांव, बबन टुडू, काशिद हुसैन समेत पूरे पुलिस बल ने हिस्सा लिया। योग प्रशिक्षकों ने आसन, प्राणायाम और तनाव प्रबंधन के व्यावहारिक अभ्यास कराए। थाना प्रभारी ने कहा कि पुलिस बल के जीवन में योग अत्यंत आवश्यक है, यह मानसिक और शारीरिक रूप से उन्हें संतुलित बनाए रखता है। उन्होंने योग को दैनिक दिनचर्या में शामिल करने की बात कही।

विद्यालयों ने दिखाया उत्साह, बरामदे में हुआ योगाभ्यास

रमना। प्रखंड अंतर्गत राजकीय मध्य विद्यालय सिलीदाग-2 में लगातार हो रही बारिश के बावजूद योग दिवस का आयोजन उत्साहपूर्वक किया गया। विद्यालय के सहायक अध्यापक लाल सिंह ने प्रधानशिक्षक नंदकिशोर चौबे और ग्राम शिक्षा समिति अध्यक्ष आशुतोष कुमार की उपस्थिति में छात्रों को विद्यालय के बरामदे में योगाभ्यास कराया। योग अभ्यास के दौरान बच्चों को वज्रासन, ताड़ासन, भ्रामरी, अनुलोम-विलोम, कपालभांति कराया गया। प्रधानाध्यापक ने छात्रों को योग की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, महर्षि पतंजलि के योगदान और संयुक्त राष्ट्र द्वारा 21 जून को योग दिवस घोषित किए जाने की जानकारी दी। शिक्षकों मनोज कुजूर, रविन्द्र पाल, रागनी सिंह, सुरेन्द्र राम, किरण सिंह, रेणु सिंह, मनोज सिंह, आईसीटी इंस्ट्रक्टर प्रियदर्शी कुमार, और पीएलवी राकेश कुमार ने भी योग में भाग लेकर छात्रों का उत्साहवर्धन किया।

विद्यालयों ने अपनाया योग, संतुलित जीवन की दी सीख

कांडी। प्रखंड के राजकीय मध्य विद्यालय सुंडीपुर में योग दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में शिक्षक चंद्रशेखर पांडे ने बच्चों को योगाभ्यास कराया। उन्होंने योग को केवल शारीरिक अभ्यास नहीं, बल्कि मानसिक और आत्मिक संतुलन का मार्ग बताया। प्रधान शिक्षक प्रदीप कुमार, शिक्षक रमेश पूर्वे, अविनाश प्रभाकर, धनजय कुमार, अखिलेश सिंह, सतेंद्र सिंह, शिरीकेश पांडे, जयशिला पांडे समेत विद्यालय के सभी शिक्षकों और विद्यार्थियों ने सामूहिक रूप से योग किया। कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं ने योग के लाभों पर आधारित छोटे भाषण भी प्रस्तुत किए।

खरौंधी प्रखंड में भव्य योग शिविर, स्कूलों व सामाजिक संगठनों ने दिखाया उत्साह

खरौंधी। प्रखंड मुख्यालय के उच्च विद्यालय मैदान में भव्य योग शिविर का आयोजन प्रखंड विकास पदाधिकारी रविंद्र कुमार की अध्यक्षता में किया गया। अंचल अधिकारी गौतम कुमार लकड़ा ने योग के स्वास्थ्य लाभों पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए कहा कि यह शरीर, मन और आत्मा का संतुलन है, जिससे व्यक्ति सम्पूर्ण रूप से स्वस्थ रहता है। कार्यक्रम में प्रधान सहायक संजय सक्सेना, प्रधानाध्यापक नंदकिशोर पाठक, मयंक कुमार, विक्की कुमार, शिक्षक अमरेश कुमार राम, गोविंद उरांव, राजेन्द्र सिंह, अरविन्द प्रसाद, अरबिंद साह, राजाराम सिंह, अनिल कुमार तिवारी, पंकज कुशवाहा, संतोष कुमार मेहता के साथ बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं और ग्रामीणों ने भाग लिया। प्रखंड के मध्य विद्यालय अरंगी में प्रधानाध्यापक सतेंद्र दास ने दीप प्रज्वलन व महर्षि पतंजलि की तस्वीर पर पुष्प अर्पित कर शिविर का उद्घाटन किया। वहीं माझिगांव के विद्यालय में शिक्षक सह योग प्रशिक्षक कामेश्वर प्रसाद सिंह ने छात्र-छात्राओं को सूर्य नमस्कार, त्रिकोणासन, मंडूकासन आदि का अभ्यास कराया।

श्री बंशीधर नगर में भाजपा नगर मंडल ने मनाया योग दिवस

श्री बंशीधर नगर। स्थानीय स्टेशन रोड जंगीपुर स्थित भाजपा कार्यालय में मंडल अध्यक्ष कुमार कनिष्क के नेतृत्व में योग सत्र आयोजित किया गया। उन्होंने कहा कि आज के प्रदूषित वातावरण और तनावपूर्ण जीवनशैली में योग हर व्यक्ति के लिए आवश्यक है। यह शरीर को स्वस्थ, मन को शांत और आत्मा को जागरूक करता है। इस अवसर पर जिला महामंत्री ओम प्रकाश गुप्ता, नगर मंडल प्रभारी व सांसद प्रतिनिधि मुकेश कुमार चौबे, ग्रामीण मंडल अध्यक्ष विकास पांडेय, मंडल महामंत्री नंदकिशोर प्रसाद, अशोक सेठ, सुधीर प्रजापति, मुकेश प्रजापति, रामगति पासवान, अखिलेश पासवान, संजय कसेरा सहित कई कार्यकर्ता उपस्थित थे।

कार्यालय, जिला मत्स्य पदाधिकारी सह मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी, पलामू।

राजस्व जलकरों की खुली डाक से अल्पकालीन बन्दोबस्ती की सूचना

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि पलामू जिला के विभिन्न अंचल अन्तर्गत निम्नांकित जलकरों की अल्पकालीन बन्दोबस्ती वर्ष 2025–26 से 2027–28 तक तीन वर्षो (01/04/2025 से 31/03/2028 तक) के लिए खुले डाक के माध्यम से किया जाना है। **जलकरों की अल्पकालीन बन्दोबस्ती 09/07/2025 को 11:00 बजे पूर्वाह्न से अद्योहस्ताक्षरी के कार्यालय कक्ष में किया जायेगा।** बन्दोबस्ती के दौरान बन्दोबस्त जलकरो का तीन साल का राजस्व राशि एक मुश्त कार्यालय मे जमा करना होगा।

यदि समिति नीचे दिये गये जलकरों की बन्दोबस्ती लेना चहती है, तो दिनांक 07/07/2025 तक अपनी अहर्त्ता पूर्ण करते हुए बन्दोबस्ती प्राप्त कर सकती है।

अगर प्रथम तिथि 09/07/2025 को अपरिहार्य कारणवश खुला डाक नहीं होने पर **द्वितीय तिथि 16/07/2025, तृतीय तिथि 23/07/2025** को पूर्वाह्न 11:00बजे से खुले डाक से बन्दोबस्ती किया जायेगा। **अगर किसी जलकर की बन्दोबस्ती खुला डाक द्वारा उपरोक्त तिथि को नही हो पाती है तो उस स्थिति में सप्ताह के प्रत्येक मंगलवार एवं शुक्रवार को बन्दोबस्ती की जायेगी।**

क्र0	जलकर का नाम	खाता सं0	प्लाट सं0	रकबा (ए0 में)	जलक्षेत्र (ए0 में)	वार्षिक सुरक्षित जमा राशि	अभ्युक्ति
1	2	3	4	5	6	7	8
			अंचल –चैनपुर				
1	खपिया मछली घाट	-	-	-	-	6900.00	
			अंचल –नावाबाजार				
2	कण्डा तालाब	-	-	1.00	0.81	4255.00	
3	रबदा तालाब	20	227	0.81	0.50	5450.00	
			अंचल –लेस्लीगंज				
4	कठौंधा तालाब	60	196, 197	0.32	0.25	1900.00	
5	अम्बा मछली घाट	1	75	2.4	1.60	3000.00	
6	लेस्लीगंज पीट तालाब	2	203	1.00	0.61	4500.00	
			अंचल – पाँकी				
7	डंडारकला तालाब	414	663, 667, 668	0.81	0.50	3500.00	
8	पाँकी बाजार तालाब	1	2373	0.41	0.36	1600.00	
9	चोरेया आहर	64	229	1.14	0.75	3000.00	
10	ताल तालाब	3, 33, 35, 36	168, 170, 171, 172, 173	1.94	1.00	1500.00	
11	सीरम तालाब	79	520	1.69	1.00	10000.00	
12	उचहरा तालाब	21	42	1.56	1.25	5000.00	
13	कामत तालाब	158	1383	2.32	1.50	35500.00	
14	पाँकी पईन तालाब	308	2845, 2475	0.4	0.14	2600.00	
15	मंगलपुर आहर	118	872	1.32	0.75	3000.00	
			अंचल –हरिहरगंज				
16	हरिहरगंज तालाब	300	1180	1.14	0.85	5750.00	
17	अररूआखुर्द तालाब	134	340	0.27	0.15	2070.00	
क्र0	जलकर का नाम	खाता सं0	प्लाट सं0	रकबा (ए0 में)	जलक्षेत्र (ए0 में)	वार्षिक सुरक्षित जमा राशि	अभ्युक्ति
1	2	3	4	5	6	7	8
18	कुशहानाला बाँध	137, 138, 149	1314, 1307, 1275, 1276, 1303, 1315	8.78	8.00	13000.00	
			अंचल – पण्डवा				
19	बहेरा आहर	36	931	101.70	2.30	16100.00	
20	भूतहा आहर	93	368	2.25	1.00	8970.00	
21	विसैनसागर तालाब	42	269	3.16	2.10	23805.00	
22	भूसरा डैम	36	931	1.00	0.75	20815.00	
23	सरैया डैम	14	53	0.60	0.50	5175.00	
			अंचल – पाटन				
24	दिपौवा तालाब	1	552	0.60	0.45	1800.00	
25	सोले मछली घाट	-	-	10.00	7.00	9200.00	
26	उताकी चेक डैम	36	574	2.59	1.50	6325.00	
27	निमिया आहर	60	257	1.40	1.20	5750.00	
28	नगेसर डूब तालाब	62	336	3.16	3.00	20000.00	
29	बड़ा पोखर	01/76	79	2.50	2.00	25000.00	
30	काजीतर दोहर तालाब	159	556, 557	2.05	1.80	5500.00	
			अंचल – हुसैनाबाद				
31	छठ पोखर	171	79, 80	1.37	0.50	2500.00	
32	जुड़ी बाँध	32	84	6.00	5.00	21000.00	
33	डुमरहथ्था तालाब	75	382	1.14	0.80	6900.00	
			अंचल –छत्तरपुर				
34	खाटिन तालाब	88	517	1.50	0.40	4600.00	
35	करमाकला तालाब (आहर)	32	184	0.70	0.50	13800.00	
36	हेसला डैम	83, 1	565, 619	21.28	20.00	28750.00	
			अंचल – ऊँटारीरोड				
37	जोगा मछली घाट	200	227	8.10	5.00	3450.00	
38	मलवरिया मछली घाट	-	-	-	-	3450.00	
			अंचल – विश्रामपुर				
39	सिगसिगी मछली घाट	-	-	-	-	2200.00	
40	रक्साहा मछली घाट	-	-	-	-	2200.00	
			अंचल –तरहसी				
41	उदयपुरा डैम	-	-	26.00	20.00	13500.00	
42	छेछानी जलाशय	-	-	23.60	20.00	13000.00	
क्र0	जलकर का नाम	खाता सं0	प्लाट सं0	रकबा (ए0 में)	जलक्षेत्र (ए0 में)	वार्षिक सुरक्षित जमा राशि	अभ्युक्ति
1	2	3	4	5	6	7	8
			अंचल –पाण्डू				
43	कुटमू मछली घाट	-	-	7.00	5.50	2300.00	
			अंचल –मनातू				
44	झरिया नाला	-	-	20.00	16.00	11500.00	

डाक के आवश्यक शर्ते निम्नांकित है :–

1. डाक में भाग लेने वाले व्यक्तियों को सुरक्षित जमा राशि का 10प्रतिशत अग्रधन के रूप में डाक बोलने के पूर्व जमा करना होगा। डाक की समाप्ति के बाद उच्चतम डाक वक्ता के अग्रधन राशि को बन्दोबस्ती राशि में समायोजित कर ली जाएगी। शेष अन्य डाक वक्ताओं के अग्रधन राशि को लौटा दी जाएगी।
2. उच्चतम डाक वक्ता को डाक समाप्ति के तुरन्त बाद डाक की पूर्ण राशि जमा करनी होगी अन्यथा अग्रधन की राशि जब्त कर ली जायेगी तथा डाक में व्यवधान पैदा करने के आरोप में उनके विरूद्ध आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जाएगी।
3. डाक में भाग लेने वाले प्रत्येक व्यक्ति को अपना पहचान पत्र (आधार कार्ड/वोटर कार्ड) लाना अनिवार्य होगा।
4. डाक की स्वीकृति के पश्चात् उच्चतम डाकवक्ता को संबंधित एकरारनामा कराना अनिवार्य होगा एवं अद्योहस्ताक्षरी से परवाना प्राप्त किये बिना उक्त जलकर में उच्चतम डाकवक्ता कोई कार्य नहीं करेंगें।
5. बन्दोबस्त तालाब का निबंधन, निबंधन कार्यालय द्वारा निर्धारित राशि का स्टाम्प शुल्क देकर निबंधन कराना अनिवार्य होगा एवं इसके पश्चात् ही परवाना निर्गत किया जायेगा।
6. अद्योहस्ताक्षरी को किसी भी डाक को रद् अथवा सम्पूर्ण डाक को स्थगित करने का अधिकार सुरक्षित होगा।
7. खुले डाक के दौरान कार्यालय कक्ष में मोबाईल फोन ऑफ रहेगा।

(मो0 कमरूज्जमाँ) जिला मत्स्य पदाधिकारी–सह मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी, पलामू।

PR.NO.355687 Fish(25-26):D

भारी बारिश में सड़क का फ्लैंक धंसा, दो वर्षों से नहीं हुई मरम्मत

● कुंदा-मेदवाडीह सड़क पर दुर्घटना का खतरा बढ़ा, ग्रामीणों ने जताई नाराजगी

नवीन मेल संवाददाता

कुंदा (चतरा)। कुंदा से मेदवाडीह तक की कालीकरण सड़क भारी बारिश के कारण और अधिक जर्जर हो गई है। मेदवाडीह में अशोक यादव के घर के पास सड़क के किनारे फ्लैंक की मिट्टी बह गई है। यही स्थिति कई अन्य जगहों पर भी देखने को मिल रही है, जिससे कभी भी आवागमन बाधित हो सकता है और दुर्घटना की आशंका बनी हुई है। स्थानीय लोगों ने बताया कि यह सड़क लंबे समय से जर्जर है और इसे मरम्मत के लिए प्रशासनिक स्वीकृति भी मिल चुकी है। इसके बावजूद लगभग दो साल बीत जाने के बाद भी सड़क मरम्मत का कार्य अधूरा है। सड़क मरम्मत का ठेका गणेश प्रसाद को दिया गया था, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्य नहीं हो पाया है। लगातार जल निकासी की उचित व्यवस्था नहीं होने के कारण फ्लैक किनारे की मिट्टी बहती जा रही है, जिससे सड़क धीरे-धीरे खाई में तब्दील होती जा रही है। वहीं, मोहनपुर गांव में अरुण यादव के घर के पास कच्ची सड़क का भी वही हाल है। वहां भी बारिश के कारण सड़क किनारे की मिट्टी कटकर बह गई है, जिससे आवागमन बेहद जोखिमभरा हो गया है। अरुण यादव ने बताया कि इस सड़क का कई बार सर्वेक्षण हो चुका है, लेकिन अब तक पक्की सड़क नहीं बन पाई। इस रास्ते पर लगभग 500 घरों की आबादी गुजरती है, जिन्हें अब भी कीचड़ और फिसलन भरे रास्ते पर ही आवागमन करना पड़ रहा है। ग्रामीणों ने संबंधित विभाग और अधिकारियों से मांग की है कि जल्द से जल्द मरम्मत और पक्कीकरण का कार्य शुरू कराया जाए, ताकि दुर्घटना और अवरोध से राहत मिल सके।

पहली बारिश में ही खुली घटिया सड़क निर्माण की पोल

● प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना के तहत बनी 18 करोड़ की सड़क पानी में बही

मयूरहंड (चतरा)। तेतरिया मोड़ से मयूरहंड प्रखंड मुख्यालय को जोड़ने वाली सड़क की गुणवत्ता पर सवाल उठने लगे हैं। पहली ही बारिश में यह सड़क तिलरा मोड़ के पास पानी में बह गई, जिससे इसकी निर्माण गुणवत्ता की पोल खुल गई है। यह सड़क प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना के तहत करीब 18 करोड़ रुपये की लागत से बनाई गई थी। निर्माण कार्य शुरू होते ही स्थानीय ग्रामीणों ने कई बार घटिया निर्माण की शिकायत की थी और कार्य की गुणवत्ता पर सवाल उठाए थे। ग्रामीणों ने पथ निर्माण विभाग के अभियंताओं से कई बार शिकायतें कीं, लेकिन विभागीय स्तर पर कोई कार्रवाई नहीं हुई। सड़क के निर्माण के दौरान संवेदक द्वारा लगातार अनियमितताएं बरती जा रही थीं, जिसे लेकर पंचायत प्रतिनिधियों ने भी विरोध जताया, पर आवाज अनसुनी रह गई। बताया जा रहा है कि सड़क का टेंडर भले ही रांची की एक कंस्ट्रक्शन कंपनी को मिला हो, लेकिन कार्यस्थल पर निर्माण कार्य लोकल एजेंट्स के माध्यम से कराया गया, जिससे गुणवत्ता प्रभावित हुई। सड़क निर्माण के दौरान स्थानीय नेताओं को आमरण अनशन तक करना पड़ा था। निर्माण कार्य शुरू होने पर लोगों में विकास की उम्मीद जगी थी, लेकिन पहली बारिश में ही सड़क बहने से अब प्रखंडवासियों में मायूसी फैल गई है। ग्रामीणों का कहना है कि जब इतनी बड़ी लागत से बनी सड़क कुछ महीनों में ही टूट जाए, तो इसका मतलब साफ है कि निर्माण कार्य में भारी अनियमितता बरती गई है। स्थानीय लोगों ने विभागीय जांच और ठेकेदार पर कार्रवाई की मांग की है, ताकि भविष्य में ऐसे निर्माण कार्य पर अंकुश लगाया जा सके।

न्यूज बॉक्स

डीवीसी तुबेद कोयला खदान में मनाया गया योग दिवस

लातेहार। दामोदर घाटी निगम (डीवीसी) के तुबेद कोयला खदान परिसर में योग दिवस मनाया गया। आर्ट ऑफ लिविंग, लातेहार की टीम द्वारा योग व प्राणायाम कराया गया। कार्यक्रम की शुरुआत वरिष्ठ महाप्रबंधक अरविंद कुमार ठाकुर ने टीम को अंगवस्त्र भेंट कर की। इस अवसर पर डीवीसी के उप महाप्रबंधक मिथिलेश कुमार, अलेक्जेंडर कुजूर, दीपक कुमार, एस. दास सहित अन्य अधिकारी और उनके परिजन उपस्थित थे। योग प्रशिक्षकों ने विभिन्न आसनों का अभ्यास कराया और योग के लाभ बताए। वरिष्ठ महाप्रबंधक ने कहा कि योग को दिनचर्या में शामिल करना चाहिए और यह आत्मिक और मानसिक शांति का स्रोत है। उन्होंने बताया कि आने वाले दिनों में तीन दिवसीय सुदर्शन क्रिया का आयोजन किया जाएगा।

चंदवा में कई जगहों पर हुआ योग शिविर का आयोजन

चंदवा। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर शनिवार को चंदवा प्रखंड के विभिन्न संस्थानों और विद्यालयों में योग शिविर आयोजित किए गए। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, चंदवा थाना, प्लस टू हाई स्कूल, बालिका उच्च विद्यालय, ग्रीन फील्ड एकेडमी, त्रिवेणी स्कूल समेत सभी पंचायत सचिवालयों में लोगों ने योगाभ्यास किया। हाई स्कूल में आयोजित शिविर में पतंजलि के योग प्रशिक्षक प्रमोद दुबे ने योग के भारतीय संस्कृति में महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि "योग आत्मा से शरीर और चेतना का जुड़ाव है। यह केवल व्यायाम नहीं, बल्कि जीवन जीने की समग्र पद्धति है।" कार्यक्रम में अनिल कुमार और अन्य ने युवा अध्यात्म से संबंधित जानकारी भी दी। बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं एवं स्थानीय लोग शिविर में शामिल हुए।

प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना के तहत दिवंगत ग्राहक के परिजनों को मिला सहायता राशि का चेक

बालूमाथ। प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना के अंतर्गत झारखंड राज्य ग्रामीण बैंक, बालूमाथ शाखा द्वारा दिवंगत ग्राहक सूरजदेव राम की पत्नी बिंकी देवी को 2 लाख की बीमा राशि प्रदान की गई। शाखा प्रबंधक महिपाल नायक ने यह चेक सौंपते हुए योजना की महत्ता पर प्रकाश डाला। सूरजदेव राम का पंजीकरण इस योजना में बैंक के माध्यम से हुआ था। उनके निधन के बाद परिजन द्वारा दस्तावेज जमा करने पर बीमा की राशि खाते में हस्तांतरित की गई। इस मौके पर बैंक सखी रीता कुमारी सहित अन्य कर्मी भी मौजूद थे।

बीडीओ ने क्षतिग्रस्त घर का लिया जायजा

बेतला (लातेहार)। बेतला वन विहार होटल के समीप रहने वाले 85 वर्षीय बासुदेव भुइंया का खपड़ैल मकान शुक्रवार को हुई भारी बारिश में क्षतिग्रस्त हो गया। सूचना पर प्रखंड विकास पदाधिकारी रेश्मा रेखा मिंज स्वयं मौके पर पहुंचीं और स्थिति का जायजा लिया। बीडीओ ने पीड़ित को तत्काल आर्थिक सहायता दी और बताया कि उन्हें पेंशन मिल रहा है, आवास का सर्वे हो चुका है और जल्द ही आवास योजना का लाभ भी मिलेगा। आधार में तकनीकी खराबी के कारण उन्हें राशन नहीं मिल पा रहा था, जिसे जल्द ठीक कराया जाएगा। बीडीओ ने प्रखंड के अन्य पंचायतों में निर्माणाधीन आवासों का निरीक्षण भी किया और लाभुकों से समय पर निर्माण कार्य पूरा करने को कहा। उन्होंने कहा कि वर्षा से प्रभावित घरों की सूची तैयार कर राहत मुआवजा भी दिया जाएगा।

शौंडिक जायसवाल समाज की विस्तारित बैठक में दिवंगतों को दी गई श्रद्धांजलि

चंदवा। शौंडिक जायसवाल समाज की विस्तारित बैठक शनिवार को बुधबाजार स्थित दुर्गा मंडप में संपन्न हुई। अध्यक्षता जगन्नाथ जायसवाल ने की। बैठक में 15 जून के सामाजिक सम्मेलन के सफल आयोजन के लिए सभी का आभार व्यक्त किया गया। साथ ही समाज के सदस्य ओम शाह व विकास साहू की धर्मपत्नी अनीता देवी के निधन पर दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि दी गई। रामनाथ गुप्ता ने कहा कि ओम शाह के निधन से समाज को अपूरणीय क्षति हुई है। बैठक में प्रमोद साहू, महेंद्र साहू, डॉ. अनिल कुमार, संजू साहू, विजेंद्र कुमार साहू, प्रदीप साहू, मुकेश साहू आदि उपस्थित थे।

नवीन मेल की खबर का असर

पहली बारिश में धंसी 72 करोड़ की सड़क का शुरू हुआ मरम्मत कार्य

● संवेदक ने जेसीबी लगाकर दरार और गड्ढे भरवाए, गुणवत्ता पर उठे सवाल

बारियातू। राष्ट्रीय नवीन मेल में प्रकाशित खबर ₹72 करोड़ की लागत से बनी सड़क पहली बारिश में धंसी, निर्माण गुणवत्ता पर उठे सवाल₹ का असर हुआ है। खबर प्रकाशित होने के बाद संवेदक हरकत में आ गया है और बारियातू से डाढ़ा मोड़ होते हुए हेरहंज तक बनी सड़क के धंसे हिस्सों और दरारों को जेसीबी के जरिए भरवाने का काम प्रारंभ किया गया है।
गौरतलब है कि पथ प्रमंडल लातेहार द्वारा 72 करोड़ की लागत से 23.5 किलोमीटर लंबी सड़क के चौड़ीकरण और मजबूतीकरण का कार्य दिनेश चंद्र आर. अग्रवाल इन्फ्राकॉन प्राइवेट लिमिटेड, अहमदाबाद को सौंपा गया था। लेकिन डाढ़ा मोड़ से रूद के बीच बनी सड़क की गुणवत्ता पहली बारिश में ही उजागर हो गई। कलवर्ट के पास सड़क धंस गई, और कई जगहों पर दरारें आ गई थीं। रिपोर्ट के अनुसार, विभागीय अधिकारी अब तक स्थल पर नहीं पहुंचे हैं। संवेदक द्वारा दरार वाली जगहों पर डस्ट डालकर उसे छिपाने की कोशिश की जा रही है। वहीं झामुमो प्रखंड उपाध्यक्ष लाल आशीष नाथ शाहदेव ने घटिया कार्य का विरोध किया था। मीडिया के हस्तक्षेप के बाद अब कई जगहों पर सड़क उखाड़कर नए सिरे से मटेरियल डालकर मरम्मत का कार्य कराया जा रहा है।

लगातार बारिश में मिट्टी का घर गिरा, सहायता की मांग

बारियातू। प्रखंड के शिबला पंचायत अंतर्गत भाटचतरा गांव में लगातार मूसलाधार बारिश से तालेश्वर यादव का मिट्टी का मकान गिर गया। इस घटना से घर का सामान मिट्टी में दब गया और परिवार को रहने में कठिनाई हो रही है। तालेश्वर यादव ने बताया कि वे निःशक्त हैं और अब तक उन्हें आवास योजना का लाभ नहीं मिला है। उन्होंने प्रशासन से जल्द सरकारी सहायता देने की मांग की है ताकि बरसात के मौसम में उनके लिए रहने की व्यवस्था हो सके।

शादी का झांसा देकर यौन शोषण करने वाला गिरफ्तार

चंदवा। थाना क्षेत्र के की एक किशोरी ने धनंजय सिंह पर शादी का झांसा देकर दो साल से यौन शोषण करने का आरोप लगाया है। पीड़िता की शिकायत के आधार पर चंदवा थाना कांड संख्या 138/25 के तहत मामला दर्ज किया गया। पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए छापेमारी कर आरोपी को गिरफ्तार कर लातेहार मंडल कारा भेज दिया।

जवाहर नवोदय विद्यालय में 11वीं के लिए नामांकन शुरू

लातेहार। बाजकुम स्थित जवाहर नवोदय विद्यालय में सत्र 2025-26 के लिए कक्षा 11वीं (विज्ञान एवं मानविकी संकाय) में रिक्त सीटों पर नामांकन के लिए ऑफलाइन आवेदन प्रक्रिया 21 जून से शुरू हो गई है। विद्यालय प्राचार्य सुखराम भगत ने बताया कि अभ्यर्थियों को 60 प्रतिशत अंकों के साथ 10वीं उत्तीर्ण होना अनिवार्य है। सभी आवेदन निःशुल्क हैं। इच्छुक छात्र-छात्राएं स्कूल आकर आवेदन फार्म जमा कर सकते हैं। प्रवेश परीक्षा 12 जुलाई को जेएनवी लातेहार परिसर में आयोजित होगी। यह लातेहार जिले के योग्य विद्यार्थियों के लिए सुनहरा अवसर है।

बीएस महाविद्यालय में स्नातक सत्र 2025-29 के लिए नामांकन जारी

लातेहार। बानपुर स्थित बनवारी साहू महाविद्यालय में सत्र 2025-29 के लिए स्नातक नामांकन की प्रक्रिया जारी है। कॉलेज के प्राचार्य प्रो. प्रदीप तिवारी ने बताया कि छात्र-छात्राएं चांसलर पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन फॉर्म भर सकते हैं। ऑनलाइन आवेदन के बाद सुबह 8 बजे से दोपहर 12:30 बजे तक कॉलेज पहुंचकर दस्तावेज जमा करना अनिवार्य होगा। आवेदन की अंतिम तिथि 15 जुलाई निर्धारित की गई है।

स्वच्छ सर्वेक्षण ग्रामीण 2025 को लेकर जिला स्तरीय कार्यशाला आयोजित

लातेहार। स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण के अंतर्गत समाहरणालय सभागार में स्वच्छ सर्वेक्षण ग्रामीण 2025 को लेकर कार्यशाला और समीक्षा बैठक आयोजित की गई। उपायुक्त उत्कर्ष गुप्ता ने सभी संबंधित विभागों को तैयारी सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। कार्यपालक अभियंता दीपक महतो ने जानकारी दी कि 23 जून से अगस्त 2025 तक स्वतंत्र एजेंसी द्वारा गांवों में स्वच्छता सर्वेक्षण किया जाएगा। उपायुक्त ने निर्देश दिया कि सभी ग्रामों को एक सप्ताह के भीतर ओडीएफ प्लस घोषित करें।

युवा मोर्चा जिला सचिव पद पर फिर चुने गए परवेज़ आलम

महुआडांड़। लातेहार जिला समिति की अनुशंसा पर केंद्रीय समिति द्वारा युवा मोर्चा की नई टीम घोषित की गई। महुआडांड़ के परवेज़ आलम को दूसरी बार जिला सचिव पद की जिम्मेदारी सौंपी गई है। साथ ही प्रवीण कुजूर को छात्र मोर्चा का उपाध्यक्ष और पूर्व सदर परवेज़ आलम को संगठन सचिव बनाया गया है। चयन पर परवेज़ आलम ने संगठन का आभार जताया और कहा कि वे निर्देशों का पालन करेंगे। उन्हें बधाई देने वालों में कई पदाधिकारी और कार्यकर्ता शामिल थे।

रंजीत उरांव बने पुनः झामुमो युवा मोर्चा लातेहार जिला अध्यक्ष

चंदवा। झामुमो ने लातेहार जिला के विभिन्न मंच-मोर्चा में नए पदाधिकारियों की घोषणा कर दी है। पार्टी के केंद्रीय महासचिव बिनोद पांडेय द्वारा जारी पत्र के अनुसार, चंदवा पूर्वी के मुखिया रंजीत उरांव को पुनः झारखंड मुक्ति मोर्चा युवा मोर्चा लातेहार का जिला अध्यक्ष मनोनीत किया गया है। साथ ही अंकित तिवारी को जिला उपाध्यक्ष, शीतमोहन मुंडा को मेन मोर्चा का उपाध्यक्ष, सुरेश उरांव को सह सचिव, नौशाद अंसारी को अल्पसंख्यक मोर्चा उपाध्यक्ष, सुरेश गंझू को किसान मोर्चा जिला अध्यक्ष, शमशेर खान को जिला प्रवक्ता तथा सुमन सुनील सोरेन को संगठन सचिव बनाया गया है। रंजीत उरांव ने पार्टी के शीर्ष नेतृत्व का आभार जताते हुए कहा कि वे संगठन के मार्गदर्शन में युवाओं को झामुमो से जोड़ने का कार्य प्राथमिकता के साथ करेंगे। मनोनयन पर जिला अध्यक्ष लाल मोतीनाथ शाहदेव, पप्पन खान, मनोज चौधरी, धीरज जयसवाल, मो. सरफराज, बबलू राही, राजीव उरांव आदि ने बधाई दी।

पीटीआर परिसर में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन

● प्रकृति की गोद में योगाभ्यास कर जुटाई ऊर्जा, फील्ड डायरेक्टर और डीआईजी ने बताया योग का महत्व

नवीन मेल संवाददाता

बेतला। पलामू टाइगर रिजर्व (पीटीआर) में शुक्रवार को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस 2025 के अवसर पर विशेष योग सत्र का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य प्रकृति के बीच शरीर, मन और आत्मा की एकता की अनुभूति कराना था। इस मौके पर पीटीआर के फील्ड डायरेक्टर एस.आर. नतेशा (आईएफएस), पलामू प्रक्षेत्र के डीआईजी नौशाद आलम और उप निदेशक प्रजेश जेना मौजूद रहे। कार्यक्रम में वन फ्रंटलाइन स्टाफ, पीटीआर के दूरदराज क्षेत्रों से आए युवा, ग्रामीण एवं स्थानीय नागरिकों ने भाग लिया।
योग सत्र का संचालन प्रशिक्षित योग प्रशिक्षक द्वारा किया गया। डीआईजी ने अपने संबोधन में कहा कि योग स्वस्थ शरीर और मानसिक शांति के लिए अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने इसे नियमित जीवन का हिस्सा बनाने पर बल दिया। फील्ड डायरेक्टर एस.आर. नतेशा ने कहा कि प्रकृति और स्वास्थ्य के बीच सीधा संबंध है। योग न केवल शरीर को स्वस्थ रखता है, बल्कि यह व्यक्ति को आंतरिक रूप से सशक्त बनाता है। उन्होंने कहा कि योग और प्रकृति के माध्यम से हम व्यक्तिगत और पेशेवर जीवन में संतुलन बना सकते हैं। कार्यक्रम को सफल बनाने में वन विभाग के कर्मियों और ग्रामीण सहभागियों की सक्रिय भागीदारी रही।

सरस्वती विद्या मंदिर में योग दिवस पर हुआ भव्य आयोजन

● शरीर संचालन से लेकर योग संदेश तक विद्यार्थियों को मिला समग्र प्रशिक्षण

लातेहार। सरस्वती विद्या मंदिर, लातेहार में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर विशेष योग सत्र का आयोजन हुआ। कार्यक्रम की शुरुआत महर्षि पतंजलि एवं भारत माता के चित्र पर पुष्प अर्पण व दीप प्रज्वलन से की गई। विद्यालय के संस्कृत आचार्य राधेश्याम मिश्रा ने योग मंत्र के साथ कार्यक्रम प्रारंभ किया। योग प्रमुख धर्म प्रकाश प्रसाद व सह प्रमुख सुरेश ठाकुर ने भैया-बहनों को प्राणायाम, सूर्य नमस्कार, भुजंगासन, वज्रासन सहित कई आसनों का अभ्यास कराया। प्रधानाचार्य उत्तम कुमार मुखर्जी ने कहा कि योग केवल व्यायाम नहीं, बल्कि जीवनशैली है। कार्यक्रम में तीन खंडों – शिशु वाटिका, बाल भारती और किशोर भारती – में 180 छात्र, 132 छात्राएं, 29 शिक्षक व 12 कर्मचारी शामिल हुए। सभी ने सामूहिक योगाभ्यास किया और इसके लाभों को समझा।

टाउन हॉल में योग शिविर का आयोजन, उपायुक्त ने दिया नियमित योग का संदेश

लातेहार। 11वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर जिला प्रशासन द्वारा नगर भवन (टाउन हॉल) में योग शिविर का आयोजन किया गया। उपायुक्त उत्कर्ष गुप्ता ने दीप जलाकर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। उपायुक्त ने कहा कि योग हमारी संस्कृति का अभिन्न हिस्सा है और स्वस्थ जीवन के लिए इसे दिनचर्या में शामिल करना जरूरी है। उन्होंने कहा कि यह शारीरिक और मानसिक स्थिरता प्रदान करता है। योग प्रशिक्षकों ने कपालभाति, अनुलोम-विलोम, त्रिकोणासन सहित विभिन्न अभ्यास कराए। कार्यक्रम में जिले के अधिकारी, जनप्रतिनिधि, छात्र-छात्राएं और नागरिकों ने भाग लिया। सभी ने नियमित योग का संकल्प लिया और स्वस्थ जीवन के लिए इसे अपनाने की बात कही।

योग करें, निरोग रहें : जिप उपाध्यक्ष

● योग दिवस पर जनता से योग अपनाने और परिवार में इसके प्रचार की अपील

नवीन मेल संवाददाता

बालूमाथ। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस 2025 के अवसर पर लातेहार जिला परिषद उपाध्यक्ष अनीता देवी ने जिलेवासियों को शुभकामनाएं दीं और योग को जीवनशैली में शामिल करने की अपील की। उन्होंने कहा कि योग भारत की प्राचीन सांस्कृतिक धरोहर है, जिसकी शुरुआत हमारे ऋषि-मुनियों ने की थी और आज पूरी दुनिया इसे अपना रही है। अनीता देवी ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रस्ताव पर संयुक्त राष्ट्र ने 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस घोषित किया, जो अब विश्व स्तर पर मनाया जाता है। उन्होंने कहा कि योग शारीरिक, मानसिक और आत्मिक संतुलन लाने में सहायक है। सूर्य नमस्कार, प्राणायाम, ध्यान जैसे योगाभ्यास जीवन में ऊर्जा भरते हैं, उन्होंने कहा। इस वर्ष की थीम एक पृथ्वी, एक स्वास्थ्य के लिए योग के तहत उन्होंने कहा कि यह दिन हमें पर्यावरण और स्वास्थ्य के बीच संतुलन की याद दिलाता है। अंत में उन्होंने लोगों से अपील की योग करें, निरोग रहें और समाज में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता फैलाएं।

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर कुंदा में आयोजित हुए योग शिविर

● विद्यालयों और सार्वजनिक स्थानों पर हुआ सामूहिक योगाभ्यास

कुंदा (चतरा)। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर शनिवार को कुंदा प्रखंड के विभिन्न स्थानों पर योग कार्यक्रम आयोजित किए गए। जनता उच्च विद्यालय के खेल मैदान, स्वास्थ्य केंद्र परिसर, प्रखंड कार्यालय परिसर, तथा अन्य सरकारी एवं गैर-सरकारी विद्यालयों में भी योग दिवस पर विशेष आयोजन हुए। योग शिविर में सैकड़ों की संख्या में स्थानीय लोग, शिक्षक-शिक्षिकाएं और विद्यार्थी शामिल हुए। इस मौके पर योग प्रशिक्षक अमलेश कुमार यादव ने विभिन्न योग आसनों की जानकारी दी और उनके लाभ बताए। उन्होंने कहा कि "योग न केवल शरीर को स्वस्थ रखता है, बल्कि मानसिक तनाव को भी दूर करता है। नियमित योग से मन, मस्तिष्क और शरीर में संतुलन बना रहता है।" कार्यक्रम के अंत में सामूहिक ध्यान और प्राणायाम कर सभी ने योग को अपने दैनिक जीवन में अपनाने का संकल्प लिया। ग्रामीणों और विद्यार्थियों ने इस पहल की सराहना की और इसे नियमित रूप से जारी रखने की अपील की।

केड़ स्कूल में मनाया गया अंतरराष्ट्रीय योग दिवस

बेतला (लातेहार)। बरवाडीह प्रखंड के उत्क्रमित मध्य विद्यालय, केड़ में शनिवार को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया गया। कार्यक्रम का संचालन शिक्षक सत्यवान पांडेय ने किया। प्रधानाध्यापक जॉन मिंज ने कहा कि योग से न केवल शारीरिक बल्कि मानसिक स्वास्थ्य भी बेहतर होता है। पढ़ाई के साथ-साथ बच्चों को योग की आदत भी जरूरी है। इस मौके पर विद्यालय अध्यक्ष ललन यादव, शिक्षक पंकज कुमार, सतेंद्र तिवारी, रंजीत गुप्ता, विजयलक्ष्मी, अभिभावक अशोक यादव, विश्वनाथ यादव, वीणा देवी, दिनेश भुइयां सहित बड़ी संख्या में बच्चे और अभिभावक उपस्थित थे।

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय,
भवन निर्माण विभाग, भवन प्रमण्डल, चतरा

अल्पकालीन निविदा आमंत्रण सूचना–N.I.T. No.-08/2025-26
पत्रांकः– 545 दिनांक :–21.06.2025

1.	विज्ञापनदाता का पदनाम एवं पता	कार्यपालक अभियंता, भवन निर्माण विभाग, भवन प्रमण्डल, चतरा ।
2.	परिमाण विपत्र की बिक्री की तिथि–	07.07.2025 के अपराह्न 1.00 (एक) बजे तक ।
3.	निविदा प्राप्ति की तिथि एवं समय	08.07.2025 के अपराह्न 3.00 (तीन) बजे तक ।
4.	निविदा खोलने की तिथि एवं समय	08.07.2025 के अपराह्न 3.30 (साढ़े तीन) बजे ।
5.	परिमाण विपत्र बिक्री का स्थान	1. कार्यपालक अभियंता, भवन प्रमंडल का कार्यालय, चतरा । 2. अधीक्षण अभियंता, भवन अंचल, का कार्यालय हजारीबाग। 3. सहायक अभियंता, भवन अवर प्रमण्डल सं0.01,चतरा का कार्यालय ।
6.	निविदा प्राप्ति का स्थान और खोलने का स्थान	1. कार्यपालक अभियंता, भवन प्रमंडल का कार्यालय, भवन प्रमण्डल, चतरा ।
7.	कार्य की विवरणी	

क्रम सं0	कार्यकानाम	प्रा0 राशि	अग्रधन की राशि	परिमाण विपत्र का मूल्य	कार्य समाप्ति की अवधि
1	Renovation of Boundary Wall and Campus Development at A.C. Residence Chatra .	9,88,200.00	20000.00	1250.00	02Months

नोटः– 1. निविदा की शर्तें कार्यालय के सूचना पट् पर देखा जा सकता है।
1.बैंक ड्राफ्ट निविदाकार के नाम से ही निर्गत होना चाहिए।
कार्यपालक अभियंता, भवन प्रमंडल, चतरा
PR 355713 (Building)25-26*D

झारखण्ड सरकार
कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग
उद्यान निदेशालय, झारखण्ड
कार्यालय जिला उद्यान पदाधिकारी, लोहरदगा

''प्रोमोशन ऑफ अरबन फार्मिंग'' योजना के लाभ हेतु
आम - सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग (उद्यान प्रभाग) के स्वीकृत्यादेश संख्या– 17, दिनांक– 28.05.2025 द्वारा वित्तीय वर्ष 2025–26 में राज्य उद्यान विकास योजनान्तर्गत उपयोजना " प्रोमोशन ऑफ अरबन फार्मिंग " के तहत् शहरी इलाको एवं इससे सटे हुए आस–पास के छोटे–भूखण्ड एवं सरकारी परिसर, जहॉ उपलब्ध हो तथा Terrace Gardening अन्तर्गत जैविक एवं गुणवत्तायुक्त विभिन्न प्रकार के सब्जियों, फूलों एवं फलों के उत्पादन किये जाने हेतु प्रमोशन ऑफ अरबन फार्मिंग की योजना स्वीकृत है।
उपरोक्त योजनान्तर्गत Terrace Gardening तथा शहरी क्षेत्रों में खाली पड़े भू–खण्डो पर इच्छुक कृषक द्वारा आवेदन के माध्यम से लाभ दिया जायेगा।
इस योजना का कार्यान्वयन सरकारी परिसर में 100 प्रतिशत अनुदान पर एवं निजी व्यक्तियों का Terrace Gardening एवं आवासीय परिसर में खाली पडे भू–खण्ड़ो पर 75 प्रतिशत अनुदान पर किया जायेगा।
• आवेदन जमा दिनांक 15.07.2025 तक कार्यालय कार्य अवधि में किया जायेगा।
विशेष जानकारी हेतु कार्यालय से सम्र्पक किया जा सकता है।
जिला उद्यान पदाधिकारी, लोहरदगा
PR 355675 Lohardaga (25-26)_D

कार्यालय, उपायुक्त–सह–जिला दण्डाधिकारी, पलामू
दूरभाष (मो0) सं0– (जिला भू–अर्जन शाखा)
Email {dlaopalamau@gmail.com}

KHATIAN AND VALUATION STATEMENT
(3G Award के तहत् घोषित)
Name of Project :- भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या–75 (Section-III)
(पलामू जिला अन्तर्गत कि0मी0 147.450 (भोगू) से कि0मी0 196.870 (शंखा) NH-75 पर 4 लेन पथ निर्माण।)

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकार (NHAI-75) कि0मी0 147.450 भोगू से कि0मी0 196.870 शंखा तक पथ का 4 लेन निर्माण हेतु अधिनियम की धारा–3G के तहत् घोषित निम्न विवरणी के अनुसार भूमि अर्जन की जा रही है। तद्नुसार उक्त विवरणी के आलोक में संबंधित रैयत साक्ष्य के साथ अपना दावा एक सप्ताह के भीतर जिला भू–अर्जन कार्यालय, पलामू में दर्ज करना सुनिश्चित करें। उक्त अवधि के पश्चात् प्राप्त दावा पर जिला भू–अर्जन कार्यालय विचार करने हेतु बाध्य नहीं होगा।

एन0एच0ए0आई0–75 अन्तर्गत मौजा–आरही, थाना–विश्रामपुर, थाना नं0–66
पत्रांक–584(B)/भू0अ0, दिनांक–11.06.2025

क्र0स0	ग्राम का नाम	खाता	प्लॉट	भूमि का प्रकार	भूमि का किस्म	अर्जित भूमि एकड़ में	क्रमांक एवार्ड	एवार्डधारी का नाम पिता के साथ	अभियुक्ति
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
1	आरही	1	358	रैयती	टांड़–2	0.2300	1	जितबंधन मांझी पिता स्व0 सुकन मांझी	
					कुल	0.2300			

कानूनगो, जिला भू–अर्जन कार्यालय, पलामू। | जिला भू–अर्जन पदाधिकारी पलामू। | अपर समाहर्त्ता पलामू। | उपायुक्त पलामू।
PR 355705 (Palamu)25-26*D

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर उपायुक्त ने दिया संदेश

अपने जीवन में योग अपनाएं व निरोग रहें

नवीन मेल संवाददाता

लोहरदगा। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर बीएस कॉलेज स्टेडियम, लोहरदगा में जिला प्रशासन लोहरदगा के आयुष विभाग के तत्वाधान में योग शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर का उद्घाटन उपायुक्त डॉ ताराचंद द्वारा दीप प्रज्जवलित कर किया गया। इस मौके पर उपायुक्त ने जिलेवासियों को संदेश देते हुए कहा कि योग ऐसी क्रिया है जिससे तन और मन दोनों स्वस्थ रहता है। योग को हमें अपने जीवन शैली में अपनाना चाहिए। योग अपनाएं और निरोग रहें। योग हमें कई साध्य एवं असाध्य बीमारियों से बचाता है। कार्यक्रम में उप विकास आयुक्त दिलीप प्रताप सिंह शेखावत, अपर समाहर्ता जितेंद्र मुंडा, आइटीडीए परियोजना निदेशक सुषमा नीलम सोरेंग, सिविल सर्जन डॉ शम्भूनाथ चौधरी, अवर निबंधक सुभाष दत्ता, जिला खेल पदाधिकारी उपवन ब बाड़ा समेत विभिन्न खेल से जुड़े खिलाड़ी, जिला आयुष समिति के सदस्य, अन्य जिला स्तरीय पदाधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे।

सभी अस्पताल में निषिद्ध मादक पदार्थों के दुरूपयोग के प्रति जागरुकता शपथ दिलाई गई

लोहरदगा। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर सदर अस्पताल की ओर से सभी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों, आयुष्मान आरोग्य केंद्रों, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों आदि जगहों में निषिद्ध मादक पदार्थों के दुरूपयोग के प्रति जागरूक करने के लिए शपथ दिलायी गई। साथ ही, मादक द्रव्यों/नशीली पदार्थो के सेवन से स्वास्थ्य पर दुष्प्रभाव एवं मानसिक स्वास्थ्य संबंधी परेशानी यथा पागलपन, अवसाद, उत्तेजना, आक्रामकता आदि के साथ अधिकांश मादक द्रव्य व्यक्ति के हृदय तथा रक्त वाहिकाओं पर प्रतिकूल प्रभाव के बारे में बताया गया।जिससे आसामान्य हृदय गति और यहां तक के हृदयघात की संभावना बढ़ जाती है। धूम्रपान से बब्रोंकाइटिस, वातस्फीति और फेफड़ों का कैंसर हो सकता है।ओपीएट्स सांस लेने की गति को धीमा कर सकता है। वायु मार्ग को अवरुद्ध कर अस्थमा के लक्षणों को बढ़ा सकता है। जिससे शारिरिक स्वास्थ्य पर बुरा प्रभाव पड़ता है।

योग व्यायाम को अपने दिनचर्या में शामिल करें : शशिधर लाल अग्रवाल

लोहरदगा। शहर के शारदा नगर स्थित मनोहर लाल अग्रवाल सरस्वती विद्या मंदिर इंटर महाविद्यालय में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया गया। विद्यार्थियों, शिक्षकों और कर्मियों द्वारा योग, आसन और प्राणायाम का सामूहिक प्रदर्शन हुआ। कार्यक्रम की शुरुआत अध्यक्ष शशिधर लाल अग्रवाल, बिपिन कुमार दास के द्वारा भारत माता और महर्षि पतंजलि के चित्र पर दीप प्रज्वलित और पुष्पार्चन कर किया गया। अध्यक्ष शशिधर लाल अग्रवाल ने कहा कि योग व्यायाम को अपने दिनचर्या में शामिल करना चाहिए क्योंकि स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मस्तिष्क का निवास होता है। योग व्यायाम का कार्यक्रम यशोदा जी के द्वारा कराया गया। योग मंत्र के तत्पश्चात शरीर संचालन, प्राणायाम (कपालभाति, अनुलोम विलोम, भ्रामरी, उज्जयी), संधि योग, आसन (मंडूकासन, उष्ट्रासन, शसकासन, वज्रासन, गोमुख आसान आदि) और सूर्य नमस्कार सामूहिक रूप से किया गया। अंग्रेजी के आचार्य युगेश कुमार साव के द्वारा गीत प्रस्तुत किया गया। रसायन विज्ञान के आचार्य सनोज कुमार साहू ने योग संदेश दिया। धन्यवाद ज्ञापन रितेश कुमार पाठक ने किया।

पतंजलि के योग प्रशिक्षकों ने योग महोत्सव के रूप में मनाया अंतरराष्ट्रीय योग दिवस

लोहरदगा। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 2025 के मौके पर पतंजलि योग समिति भारत स्वाभिमान जिला लोहरदगा के योग शिक्षकों द्वारा विभिन्न स्थानों में आयुष मंत्रालय द्वारा जारी प्रोटोकॉल के तहत सामूहिक योगाभ्यास कराया। जिला प्रभारी प्रवीण भारती व्यवहार न्यायालय, लोहरदगा में नेतृत्व किए जबकि लोहरदगा सदर प्रखंड ग्रामीण क्षेत्र में शिव शंकर सिंह, रेलवे स्टेशन में बासुदेव महतो, अंकित अग्रवाल द्वारा लोहरदगा बीएस कॉलेज में, शिवराज विजय महतो, प्रियंका साहू एवं मानसी भारती लोहरदगा हिंडालको परिसर में, किस्को में विजय साहू, सेन्हा में विजय सोनी, कुड़ु माराडीह में निर्भय भारती, घाघरा ग्रामीण क्षेत्र में अभय भारती, शिशु मंदिर लोहरदगा में दिनेश प्रजापति, सलगी चांपी में अजय साहू आदि ने अपनी अपनी सहभागिता दी।

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर डीयू के पूर्व कोच ने कराया अभ्यास

लोहरदगा। मधुसूदन लाल अग्रवाल महिला महाविद्यालय, लोहरदगा में 11वां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस धूमधाम और गरिमामयी वातावरण में मनाया गया। बारिश के बावजूद लोगों के उत्साह में कोई कमी नहीं आई। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन के साथ हुआ, जिसमें दिल्ली यूनिवर्सिटी के पूर्व योग कोच मुख्य अतिथि मुकेश कुमार शास्त्री, विशिष्ट अतिथि भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष अजय पंकज, कार्यक्रम अध्यक्ष सुधीर अग्रवाल, प्राचार्य स्नेह कुमार, आर्य समाज के प्रधान नीरज आर्य, पतंजलि महिला समिति की अध्यक्ष प्रतिमा साहू एवं अन्य गणमान्य अतिथियों ने भाग लिया। योग गुरु डॉ. अशोक आचार्य ने पूरे योग प्रोटोकॉल का अभ्यास कराया। उनके साथ मंच पर योग विशेषज्ञ संगीता साहू, राशि और सुमन कुमारी द्वारा विभिन्न योगासन प्रस्तुत किए गए, जिसे देख दर्शकों ने भी पूरे मनोयोग से अभ्यास किया। कार्यक्रम में खड़े होकर किए जाने वाले आसन, पीठ के बल, पेट के बल आसन, प्राणायाम और ध्यान का अभ्यास कराया गया। पिछले एक वर्ष से नियमित योग कर रहीं महिलाओं ने मंच पर म्यूजिक पर उन्नत योगासनों का प्रदर्शन किया। कलाकार राशि और सुनिधि के "आर्टिस्टिक योगा" ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। किसान राजकिशोर ने योग से जुड़े अपने अनुभव साझा किए। मुख्य अतिथि मुकेश कुमार शास्त्री ने 'योगश्चित्तवृत्तिनिरोधः' सूत्र की व्याख्या करते हुए कहा कि मन की शांति हेतु योग सर्वोत्तम उपाय है। विशिष्ट अतिथि अजय पंकज ने सभी से योग को जीवन में अपनाने का आह्वान किया। ट्रस्ट की ओर से डॉ. अशोक आचार्य ने सभी अतिथियों को तुलसी, एलोवेरा और गिलोय के पौधे भेंट कर सम्मानित किया और 'एक पेड़ माँ के नाम' लगाने का संकल्प दिलाया गया। इस अवसर पर दीपक कर्मकार, निलेश गुप्ता, महेंद्र कुमार, अवधेश मित्तल, डीके कर्मकार, रोहित साहू, लोकेश भूषण, दीपा साहू, विदेशी साहू सहित बड़ी संख्या में महिलाएं एवं पुरुष उपस्थित रहे।

बिमरला में विश्व योग दिवस पर सामूहिक योगाभ्यास का आयोजन

लोहरदगा। अंतराष्ट्रीय योग दिवस 2025 पर मिनरल्स एंड मिनरल्स लिमिटेड द्वारा संचालित बिमरला खनन क्षेत्र में आयुष मंत्रालय द्वारा जारी प्रोटोकॉल के तहत खान प्रबंधक किरण शंकर सिंह की उपस्थिति में सामूहिक योगाभ्यास कर मनाया गया। योगाभ्यास की शुरुआत पांच बार उद्गीत प्राणायाम "ओंकार" की ध्वनि का सामूहिक उच्चारण वातावरण को शांत एवं ऊर्जावान बना दिया। तदोपरान्त प्रार्थना मंत्र, ग्रीवाचालन, स्कंध चालन एवं बैठकर किए जाने वाले आसन में भद्रासन, वज्रासन, मंडूकासन समेत कई आसन किए गए। साथ ही प्राणायाम के तहत भस्त्रिका, अनुलोम विलोम, कपालभांति, भ्रामरी, ध्यान आदि का अभ्यास सबों ने सामूहिक रूप से योग शिक्षक अभय भारती के अगुवाई में किया। मौके पर खान प्रबंधक किरण शंकर सिंह ने कहा कि मौजूदा समय में सभी नित्य योग प्राणायाम करें। व्यस्तम जीवन में स्वस्थ रहने के लिए योग सबों के लिए जरूरी है।

स्वस्थ शरीर में स्वस्थ मस्तिष्क रहता है : पीडीजे

लोहरदगा। नालसा नई दिल्ली एवं झालसा रांची के निर्देशानुसार व प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह अध्यक्ष डालसा राजकमल मिश्रा के मार्गदर्शन में व्यवहार न्यायालय परिसर, मंडल कारा, जिले के विभिन्न पंचायतों, गांवों, विद्यालयों सहित अन्य स्थानों पर 11वां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस सह कानूनी जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। इस दौरान सभी न्यायिक पदाधिकारी, न्यायिक कर्मी सहित अन्य लोगों ने योगाभ्यास किया। वहीं न्यायालय परिसर में पीडीजे सह अध्यक्ष डालसा राजकमल मिश्रा सहित अन्य न्यायिक पदाधिकारियों ने दीप प्रज्वलित कर योगाभ्यास शिविर का शुभारंभ किया। शिविर में योग प्रशिक्षक के रूप में श्री प्रवीण कुमार भारती व सत्यांश शेखर भारती उपस्थित रहे। उन्होंने शिविर में उपस्थित लोगों को योग से होने वाले लाभ के बारे में बताया। साथ ही विभिन्न प्रकार के योगाभ्यास कराए। वहीं बताया गया कि इस वर्ष अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का थीम एक पृथ्वी, एक स्वास्थ्य के लिए योग है। वहीं पीडीजे सह अध्यक्ष डालसा ने कहा कि योग हमारे स्वास्थ्य से जुड़ा हुआ है। जैसा कि हम सभी जानते हैं कि स्वस्थ शरीर में स्वस्थ मस्तिष्क रहता है। कहा कि अपने व्यस्ततम समय से कुछ समय अपने शरीर के लिए निकालना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि कम से कम आधा घंटा अपने शरीर को दें और अपने शरीर को स्वस्थ और निरोग रखें।

पहली बारिश में ही गांव का मुख्यालय से टूटा संपर्क

सेन्हा-लोहरदगा। मानसून की पहली बारिश का कहर से प्रखंड बंसरी गांव का प्रखंड व जिला मुख्यालय से सम्पर्क टूटा ग्रामीणों ने एकता का परिचय देते हुए श्रमदान कर पथ का जीणोद्धार किया.विदित हो कि सेन्हा प्रखंड क्षेत्र के मुर्की तोड़ार पंचायत अन्तर्गत बंसरी गांव का पथ बारिश से ध्वस्त हो गया. जिसे बंसरी ग्राम को प्रखंड व जिला मुख्यालय से जोड़ने के लिए आज से 10 वर्ष पूर्व कालीकरण पतब का निर्माण किया गया था.परंतु बीच में मरमती नही होने के कारण बंसरी पथ पर ढोंढा के समीप रास्ता काफी जर्जर हो चुका था.जिसे मानसून की पहली बारिश में ही पथ ध्वसग हो गया.इस संदर्भ में ग्रामीण रोशन कुजूर,रविन्द्र मुंडा,सुशील कच्छप,नीरज बाखला,सोनामुनी कच्छप सुलोचना बाखला,प्रकाश बाखला,मंगल पन्ना सहित अन्य ग्रामीणों ने बताया कि बरसात के पूर्व से रास्ता में जगह जगह गढ़ा हो चुका था.जिसे पुल के समीप पथ टूटने के कगार पर था. जिसपर पंचायत प्रतिनिधियों से लेकर प्रखंड प्रशासन व जिला प्रशासन का ध्यान आकृष्ट नही होने के कारण पहली बारिश में ही गुणवत्ता का पोल खुल गया.जिसे ग्रामीणों को यातायात के लिए समस्या उतपन्न होने पर समस्त ग्रामीणों के सहयोग से बंसरी सेन्हा पथ को श्रमदान कर मरम्मत किया गया। विदित हो कि लगतार हो रही बारिश के कारण पथ जगह जगह पर गढ़ा बन गया था। इसके अलावे बंसरी गढ़ा पुल के समीप सड़क का कटाव होने के कारण ग्रामीणों के बीच आवागमन का समस्या बना हुआ था.जिसे ग्रामीणों का प्रखंड व जिला मुख्यालय से संपर्क टूट गया था.उसे देखते हुए ग्रामीणों ने नगाड़ा बजा कर गोलबंद हो ग्रामीण एकता का परिचय देते हुए श्रमदान कर पथ मरम्मती का सर्वसम्मति से निर्णय लेते हुए श्रमदान कर पथ का जीणोद्धार किया गया।

टाटी व चाल्हो गांव में हाथियों के झुंड ने मचाया उत्पात, कई घरों को किया क्षतिग्रस्त

कैरो/लोहरदगा। कैरो प्रखण्ड क्षेत्र के टाटी और चाल्हो गांव में हाथियों के झुंड ने शुक्रवार की रात्रि में पांच घरों को क्षतिग्रस्त किया। कैरो प्रखण्ड क्षेत्र को विगत दो वर्षो से हाथियों ने अपना सुरक्षित जगह बना लिया है। टाटी, खरता, गितिलगढ़, चाल्हो, महुवरी, कैरो, गजनी, नरौली, अम्बवा आदि गांव में लगातार हाथियों का आना जाना लगा रहता है इसी क्रम में हाथियों का झुंड जान माल की भी क्षति पहुचा रही है। बीते 12 मई को हनहट निवासी सजिर अंसारी को कुचलकर मार दिया। वहीं 12 जून को खरता निवासी ईश्वर महली के घर को नुकसान पहुंचाया। 16 जून को महुवरी निवासी धुरन महली का आम बागवानी और सोहराई उराँव के एक एकड़ में लगे खीरा के खेत को रौंद दिया। 20 जून की रात्रि में टाटी निवासी कौशल्या देवी, चाल्हो निवासी इजलिना खाखा, सीता उराँव, सुमन खाखा, मरियम खाखा के मकान को भारी नुकसान पहुंचाया है। हाथियों के भय ग्रामीणों में साफ साफ देखी जा सकती है। सूचना मिलने पर सांसद सुखदेव भगत के प्रखण्ड सांसद प्रतिनिधि समीद अंसारी ने वन विभाग के पदाधिकारियों से मिलकर सरकारी प्रावधान के अनुरूप क्षतिपूर्ति दिलाने का भरोसा दिलाया। उन्होंने मामले की जानकारी सांसद सुखदेव भगत और जिला प्रतिनिधि साजिद अहमद चंगु को भी दी और यथासंभव मदद कराने की बात कही। वन विभाग के पदाधिकारी पंकज सिंह ने कहा कि मैं खुद देख ले रहा हूँ। सरकारी प्रवधान के अनुरूप क्षतिपूर्ति सहायता की जाएगी।

डीसी ने जनवितरण के गोदामों में रखे खाद्यान्नों का किया औचक निरीक्षण

लाभुकों से उनको मिलने वाली राशन की ऑनस्पॉट जानकारी ली

- किस्को स्थित औद्योगिक सिलाई केंद्र की दीदियों को एंटरप्रेन्योर बनने को किया प्रेरित

नवीन मेल संवाददाता

लोहरदगा। उपायुक्त डॉ ताराचंद ने लोहरदगा सदर और किस्को प्रखंड के खाद्यान्न गोदामो का औचक निरीक्षण किया। उपायुक्त ने गोदाम में रखे चावल, गेहूं और दाल के रख-रखाव की जांच की। साथ ही वे गोदाम की क्षमता अनुसार उसमें अन्न भंडारण, खाद्यान्न की अधिप्राप्ति की स्थिति के आलोक में अन्न का उठाव, आगत निर्गत पंजी का संधारण, गोदाम में बरसात के समय पानी का रिसाव,अच्छे गोदाम का मानक, मॉइस्चर मशीन, वजन मशीन, खाद्यान्न का स्टॉक, फायर एक्सटिंगयुशर आदि की जांच की। उपायुक्त डॉ ताराचंद द्वारा खाद्यान्न पंजी को तिथिवार अद्यतन करने का निर्देश दिया गया। साथ ही बारिश के समय गोदाम को नमी से बचाने के लिए उन्होंने जिला आपूर्ति पदाधिकारी को आवश्यक निर्देश दिया। साथ ही गोदाम व आसपास के परिसर को भी साफ-सफाई के लिए उन्होंने जिला आपूर्ति पदाधिकारी को निर्देश दिया। उपायुक्त ने निरीक्षण के क्रम में किस्को मोड़ स्थित प्रगति महिला मंडल की जनवितरण प्रणाली दुकान की भी जांच की और दुकान में सूचना पट्ट, कार्ड के प्रकार के अनुसार लाभुकों की संख्या, निगरानी समिति का बोर्ड, स्टॉक की स्थिति, खाद्यान्न उठाव व वितरण की स्थिति,ई-पॉश मशीन से निकलने वाली पर्ची, लाभुकों को मिलने वाले निर्धारित खाद्यान्न की मात्रा के संबंध में आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

साफ और क्वालिटी के खाद्यान्न उपलब्ध कराना प्राथमिकता

लोहरदगा। चालू वर्षा ऋतु के दौरान गरीब एवं जरूरतमंद लोगों को स्वच्छ, साफ और क्वालिटी के अनाज उपलब्ध कराना स्थानीय प्रशासन की नैतिक जिम्मेदारी है। एफसीआई के गोदाम से ही स्थानीय सरकारी विद्यालयों के बच्चे मध्यान भोजन करते हैं। ऐसे में एफसीआई के गोदामो में खाद्यान्न का निर्धारित मापदंडों का अनुपालन करना जरूरी है। बावजूद, कुछ त्रुटियां को चिन्हित कर उन्हें दुरुस्त करने का निर्देश डीएसओ को दिया गया है।

कार्यालय, उपायुक्त-सह-जिला दण्डाधिकारी, पलामू
दूरभाष (मो०) सं०- (जिला भू-अर्जन शाखा) Email {dlaopalamau@gmail.com}

KHATIAN AND VALUATION STATEMENT
(3G Award के तहत् घोषित)
Name of Project :- भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या–75 (Section-III)
(पलामू जिला अन्तर्गत कि0मी0 147.450 (भोगू) से कि0मी0 196.870 (शंखा) NH-75 पर 4 लेन पथ निर्माण।)

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकार (NHAI-75) कि0मी0 147.450 भोगू से कि0मी0 196.870 शंखा तक पथ का 4 लेन निर्माण हेतु अधिनियम की धारा–3G के तहत् घोषित निम्न विवरणी के अनुसार भूमि अर्जन की जा रही है। तद्नुसार उक्त विवरणी के आलोक में संबंधित रैयत साक्ष्य के साथ अपना दावा एक सप्ताह के भीतर जिला भू–अर्जन कार्यालय, पलामू में दर्ज करना सुनिश्चित करें। उक्त अवधि के पश्चात् प्राप्त दावा पर जिला भू–अर्जन कार्यालय विचार करने हेतु बाध्य नहीं होगा।

एन0एच0ए0आई0–75 अन्तर्गत मौजा–बटसारा, थाना–पण्डवा, थाना नं0–203 पत्रांक–585(C)/भू0अ0, दिनांक–11.06.2025

क्र0स0	ग्राम का नाम	खाता	प्लॉट	भूमि का प्रकार	भूमि का किस्म	अर्जित भूमि एकड़ में	क्रमांक एवार्ड	एवार्डधारी का नाम पिता के साथ	अभियुक्ति
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
1	बटसारा	277	1759/2295	रैयती	पक्का मकान, दुकान	0.0552	1	संध्या देवी, पति अरूण राम	पक्का मकान, दुकान, दखल अरूण राम
					कुल	0.0552			

कानूनगो, जिला भू–अर्जन कार्यालय, पलामू। | जिला भू–अर्जन पदाधिकारी पलामू। | PR 355710 Palamu (25-26)_D | अपर समाहर्त्ता पलामू। | उपायुक्त पलामू।

कार्यालय, उपायुक्त-सह-जिला दण्डाधिकारी, पलामू
दूरभाष (मो०) सं०- (जिला भू-अर्जन शाखा) Email {dlaopalamau@gmail.com}

KHATIAN AND VALUATION STATEMENT
(3G Award के तहत् घोषित)
Name of Project :- भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या–75 (Section-III)
(पलामू जिला अन्तर्गत कि0मी0 147.450 (भोगू) से कि0मी0 196.870 (शंखा) NH-75 पर 4 लेन पथ निर्माण।)

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकार (NHAI-75) कि0मी0 147.450 भोगू से कि0मी0 196.870 शंखा तक पथ का 4 लेन निर्माण हेतु अधिनियम की धारा–3G के तहत् घोषित निम्न विवरणी के अनुसार भूमि अर्जन की जा रही है। तद्नुसार उक्त विवरणी के आलोक में संबंधित रैयत साक्ष्य के साथ अपना दावा एक सप्ताह के भीतर जिला भू–अर्जन कार्यालय, पलामू में दर्ज करना सुनिश्चित करें। उक्त अवधि के पश्चात् प्राप्त दावा पर जिला भू–अर्जन कार्यालय विचार करने हेतु बाध्य नहीं होगा।

एन0एच0ए0आई0– 75 अन्तर्गत मौजा– सिंगराहा कला, थाना– सदर मेदिनीनगर, थाना नं0– 195 पत्रांक– 586(B)/भू0अ0, दिनांक– 11.06.2025

क्र0 स0	ग्राम का नाम	खाता	प्लॉट	भूमि का प्रकार	भूमि का किस्म	अर्जित भूमि एकड़ में	क्रमांक एवार्ड	एवार्डधारी का नाम पिता के साथ	अभियुक्ति
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
1	सिंगराहा कला	164	1064	रैयती	टांड़–3	0.0141	1	मिथलेश सिंह, विमलेश सिंह, राजेन्द्र सिंह, पिता रामेश्वर सिंह, महेश्वर सिंह, पिता कन्हाई सिंह	
2			1073	रैयती	टांड़–3	0.0084	2	सत्यनारायण सिंह, पिता कमला प्रसाद सिंह	
					कुल	0.0225			

कानूनगो, जिला भू–अर्जन कार्यालय, पलामू। | जिला भू–अर्जन पदाधिकारी पलामू। | PR 355691 Palamu (25-26)_D | अपर समाहर्त्ता पलामू। | उपायुक्त पलामू।

कार्यालय, उपायुक्त–सह–जिला दण्डाधिकारी, पलामू
दूरभाष (मो0) सं0– (जिला भू–अर्जन शाखा)
Email {dlaopalamau@gmail.com}

KHATIAN AND VALUATION STATEMENT
(3G Award के तहत् घोषित) Name of Project :- भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या–75 (Section-III)
(पलामू जिला अन्तर्गत कि0मी0 147.450 (भोगू) से कि0मी0 196.870 (शंखा) NH-75 पर 4 लेन पथ निर्माण।)

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकार (NHAI-75) कि0मी0 147.450 भोगू से कि0मी0 196.870 शंखा तक पथ का 4 लेन निर्माण हेतु अधिनियम की धारा–3G के तहत् घोषित निम्न विवरणी के अनुसार भूमि अर्जन की जा रही है। तद्नुसार उक्त विवरणी के आलोक में संबंधित रैयत साक्ष्य के साथ अपना दावा एक सप्ताह के भीतर जिला भू–अर्जन कार्यालय, पलामू में दर्ज करना सुनिश्चित करें। उक्त अवधि के पश्चात् प्राप्त दावा पर जिला भू–अर्जन कार्यालय विचार करने हेतु बाध्य नहीं होगा।

एन0एच0ए0आई0–75 अन्तर्गत मौजा–टिकुलिया, थाना–सदर मेदिनीनगर, थाना नं0–196
पत्रांक–586(A)/भू0अ0, दिनांक–11.06.2025

क्र0स0	ग्राम का नाम	खाता	प्लॉट	भूमि का प्रकार	भूमि का किस्म	अर्जित भूमि एकड़ में	क्रमांक एवार्ड	एवार्डधारी का नाम पिता के साथ	अभियुक्ति
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
1	टिकुलिया	14	379	बकास्त	टांड़–2	0.2030	1	उपेन्द्र शुक्ल, इंदेश शुक्ल, उमेश शुक्ल, दिनेश शुक्ल, पिता स्व० प्रभुनाथ शुक्ल, संतोष शुक्ल, पिता स्व० सुरेन्द्र शुक्ल, राजेन्द्र शुक्ल, वीरेन्द्र शुक्ल, पिता स्व० जगेशर शुक्ल, विवेक शुक्ल, दिपक शुक्ल, पिता स्व० जवाला शुक्ल, रविभूषण शुक्ल, शशिभूषण शुक्ल, पिता स्व० जितेन्द्र शुक्ल, चंद्रभूषण शुक्ल, पिता स्व० महेन्द्र शुक्ल	
					कुल	0.2030			

PR 355690 (Palamu)25-26*D | कानूनगो, जिला भू–अर्जन कार्यालय, पलामू। | जिला भू–अर्जन पदाधिकारी पलामू। | अपर समाहर्त्ता पलामू। | उपायुक्त पलामू।

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस

सरस्वती विद्या मंदिर कुदरा में मनाया गया अंतरराष्ट्रीय योग दिवस

सिसई (गुमला)। रंजीत नारायण सिंह सरस्वती विद्या मंदिर, कुदरा में शनिवार को "एक पृथ्वी, एक स्वास्थ्य" की थीम पर 11वां अंतरराष्ट्रीय योग दिवस हर्षोल्लास से मनाया गया। कार्यक्रम की शुरुआत विद्यालय प्राचार्य देवेंद्र वर्मा के नेतृत्व में दीप प्रज्वलन व पुष्पार्चन के साथ हुई। इस अवसर पर विद्यालय प्रबंधन सचिव रविंद्र नाथ अधिकारी, संरक्षक अरुण नारायण सिंह, अभिभावक प्रमुख राजकुमार पौराणिक सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे। योग सत्र में ताड़ासन, वृक्षासन, कटिचक्रासन, ग्रीवासन से लेकर सूर्य नमस्कार और शवासन तक करीब 35 आसनों का अभ्यास कराया गया। घनश्याम आर्य ने योग के महत्व को बताते हुए कहा कि "योग न केवल शरीर को स्वस्थ रखता है, बल्कि मानसिक तनाव और आधुनिक जीवनशैली से उत्पन्न रोगों से भी बचाव करता है।" उन्होंने मोबाइल रेडिएशन से होने वाले नुकसान पर भी प्रकाश डाला और बताया कि बच्चों में बढ़ती चिड़चिड़ाहट, भूख की कमी, नींद में खलल जैसी समस्याएं इसी से जुड़ी हैं। इससे बचाव का सबसे सशक्त उपाय योग ही है। सत्र के अंत में प्राणायाम, कपालभाति, अनुलोम-विलोम, भ्रामरी और योग संकल्प के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

योग करने हम स्वस्थ रहेंगे : दिनेश गुप्ता

चैनपुर। चैनपुर प्रखंड में 11वां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस बड़े ही उत्साह और उमंग के साथ मनाया गया। सरकारी और गैर-सरकारी संस्थानों ने इस अवसर पर योग अभ्यास कार्यक्रमों का आयोजन किया, जिसमें बड़ी संख्या में लोगों ने भाग लिया। प्रखंड परिसर स्थित इनडोर स्टेडियम में मुख्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसकी अगुवाई प्रखंड विकास पदाधिकारी यादव बैठा और अंचल अधिकारी दिनेश गुप्ता ने की। इस योग सत्र में प्रखंड और अंचल कर्मियों के साथ-साथ ग्रामीण भी मौजूद रहे। प्रखंड विकास पदाधिकारी यादव बैठा ने इस अवसर पर योग के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा, "योग करने से हमारे शरीर में किसी प्रकार की बीमारी नहीं होगी, हम स्वस्थ रहेंगे।" अंचल अधिकारी दिनेश गुप्ता ने भी उपस्थित लोगों से अपील करते हुए कहा, "हमारी दिनचर्या में योग का बहुत ही जरूरी है। रोजाना हम योग करें तो हम स्वस्थ रहेंगे।"थाना के जवान और स्वास्थ्य कर्मियों ने भी किया योग दूसरी ओर, चैनपुर थाना परिसर में भी थाना प्रभारी कुन्दन चौधरी के नेतृत्व में थाना के जवानों ने योगाभ्यास किया। इस अवसर पर योग अभ्यास की विशेषताओं और दैनिक जीवन में इसके महत्व पर विस्तार से चर्चा की गई।चैनपुर थाना प्रभारी कुन्दन चौधरी ने अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर अपने विचार साझा करते हुए कहा, "शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के लिए योग अत्यंत महत्वपूर्ण है। पुलिसकर्मी होने के नाते, हमें अक्सर तनावपूर्ण परिस्थितियों का सामना करना पड़ता है। ऐसे में, योग हमें शांत रहने, एकाग्रता बढ़ाने और तनाव को प्रभावी ढंग से प्रबंधित करने में मदद करता है। यह हमारे शारीरिक सहनशक्ति को भी बढ़ाता है, जो हमारे कर्तव्यों के निर्वहन के लिए आवश्यक है। मैं सभी से आग्रह करता हूँ कि वे योग को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाएं ताकि वे एक स्वस्थ और संतुलित जीवन जी सकें।"सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र चैनपुर में भी डॉक्टरों और स्वास्थ्य कर्मियों ने एक साथ योग किया। सभी कर्मियों ने सूर्य नमस्कार के साथ-साथ अनुलोम-विलोम एवं अन्य महत्वपूर्ण योगाभ्यास किए।सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र चैनपुर के धर्मनाथ ठाकुर ने योग दिवस के महत्व पर जोर देते हुए कहा, "स्वास्थ्य विभाग के रूप में, हम मानते हैं कि निवारक स्वास्थ्य देखभाल सबसे महत्वपूर्ण है। योग एक प्राचीन भारतीय प्रथा है जो न केवल शारीरिक बल्कि मानसिक और भावनात्मक कल्याण को भी बढ़ावा देती है। यह रोगों से बचाव, प्रतिरक्षा प्रणाली को मजबूत करने और समग्र जीवन की गुणवत्ता में सुधार करने में मदद करता है। नियमित योगाभ्यास से रक्तचाप, मधुमेह और हृदय संबंधी समस्याओं जैसी जीवनशैली से जुड़ी बीमारियों को नियंत्रित किया जा सकता है।

सरस्वती शिशु विद्या मंदिर में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर हुआ योगाभ्यास

भरनो (गुमला)। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर शनिवार को सीताराम साव सरस्वती शिशु विद्या मंदिर, भरनो के सभागार में भव्य योगाभ्यास कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन भारत माता की तस्वीर पर दीप प्रज्वलन कर किया गया, जिसमें भाजपा मंडल अध्यक्ष हरिशंकर शाही, विद्यालय सचिव श्रीकांत केशरी, प्रधानाचार्य सुरेश कुमार राय, भाजपा महिला नेत्री नीलम गुप्ता, योग विशेषज्ञ पिंटू गुप्ता और योग शिक्षक सिदेश्वर साहू शामिल हुए। योग विशेषज्ञ द्वारा योग के ऐतिहासिक महत्व, वर्तमान उपयोगिता और जीवनशैली में इसकी भूमिका पर विस्तृत व्याख्यान प्रस्तुत किया गया। तत्पश्चात, योग सत्र में ताड़ासन, वृक्षासन, भुजंगासन, त्रिकोणासन, प्राणायाम और योग निद्रा जैसी क्रियाओं का अभ्यास कराया गया। कार्यक्रम में विद्यालय के शिक्षक, छात्र-छात्राएं, भाजपा कार्यकर्ता एवं अन्य गणमान्यजन पूरी निष्ठा और मनोयोग से शामिल हुए। इस अवसर पर प्राचार्य सुरेश कुमार राय ने कहा, "योग केवल शरीर को ही नहीं, मन और आत्मा को भी शुद्ध करता है। आज के तनावपूर्ण वातावरण में योग मानसिक शांति और संतुलन के लिए अनिवार्य साधन बन चुका है।"

ज्ञान निकेतन बिशुनपुर में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन

गुमला (बिशुनपुर)। विकास भारती बिशुनपुर के तत्वावधान में शुक्रवार, 21 जून 2025 को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर ज्ञान निकेतन बिशुनपुर में भव्य योग कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में सैकड़ों विद्यार्थियों, शिक्षकों और कार्यकर्ताओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व राज्यसभा सांसद समीर उरांव ने भारत सरकार की भूमिका और योग को वैश्विक मंच पर पहचान दिलाने के पीछे के प्रयासों पर विद्यार्थियों एवं विकास भारती के कार्यकर्ताओं को विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि "योग भारत की अमूल्य सांस्कृतिक धरोहर है जिसे विश्व ने आज अपनाया है। यह केवल व्यायाम नहीं, बल्कि सम्पूर्ण जीवनशैली है।" इस अवसर पर विकास भारती के संयुक्त सचिव महेंद्र भगत ने 'योग से स्वास्थ्य' विषय पर प्रेरणादायक संबोधन दिया और विद्यार्थियों को नियमित योगाभ्यास करने की सलाह दी। कार्यक्रम में कृषि विज्ञान केंद्र बिशुनपुर के वैज्ञानिक एवं प्रधान डॉ. संजय कुमार, श्री भिखारी भगत, श्री पंकज कुमार सिंह, एवं श्री प्रवीण कुमार पत्र सहित अनेक विशिष्ट जन उपस्थित रहे।

जनसहभागिता के साथ मनाया गया योग दिवस

गुमला। 21 जून को गुमला जिले में 11वां अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पूरे उत्साह, गरिमा और जनसहभागिता के साथ मनाया गया। जिला मुख्यालय के नगर भवन में आयोजित जिला स्तरीय मुख्य समारोह में विभिन्न वरीय पदाधिकारियों, सरकारी कर्मियों एवं डे बोर्डिंग विद्यालयों के छात्र-छात्राओं ने सामूहिक रूप से योगाभ्यास में भाग लिया। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रशिक्षित योग प्रशिक्षकों द्वारा विविध योगासनों और प्राणायाम के प्रदर्शन से हुआ। प्रतिभागियों को योग के शारीरिक, मानसिक एवं आत्मिक लाभों से अवगत कराते हुए, उप विकास आयुक्त, डीएसपी गुमला, एसडीओ सदर और डीसीएलआर गुमला सहित सभी अधिकारियों ने योग को दैनिक जीवन में अपनाने की अपील की। जिले के सभी प्रखंडों, पंचायतों और ग्राम स्तर पर भी योग दिवस का आयोजन व्यापक जनभागीदारी के साथ किया गया। विशेषकर शिक्षा विभाग के सहयोग से सभी विद्यालयों में योग सत्र आयोजित हुए, जिनमें हजारों बच्चों ने सक्रिय भागीदारी की। पूरे जिले का वातावरण आज 'योगमय' बना रहा।

योग दिवस पर विद्यालय में ऊर्जा, एकाग्रता और उत्साह का संगम

गुमला। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर शुक्रवार को अम्बेडकर नगर स्थित राजकीयकृत मध्य विद्यालय, गुमला में "योग संगम कार्यक्रम" का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में स्कूली बच्चों ने सामूहिक रूप से विभिन्न योगासन और प्राणायाम का अभ्यास किया, जिससे विद्यालय परिसर अनुशासन, ऊर्जा और स्वास्थ्य चेतना से भर उठा। कार्यक्रम का संचालन आयुष विभाग के सहयोग से किया गया, जिसमें योग प्रशिक्षक मनीष कुमार साहू, डॉ. अजरा नवाब, दिया एवं मोनिता तिग्गा ने बच्चों को ताड़ासन, वृक्षासन, पद हस्तासन, अर्ध चक्रासन, भद्रासन, त्रिकोणासन, वज्रासन, वक्रासन, मकरासन, भुजंगासन, सेतु बन्धासन, पवन मुक्तासन, शवासन, कपालभाति, भ्रामरी प्राणायाम आदि योग मुद्राओं का अभ्यास कराया। उन्होंने बच्चों को योग के शारीरिक, मानसिक व आध्यात्मिक लाभों के बारे में भी जागरूक किया। इस अवसर पर विद्यालय की प्रभारी प्रधानाध्यापक श्रीमती नीरू कुमारी के साथ-साथ शिक्षकगण गणेश प्रसाद जायसवाल, शहनाज बानो, संजय कुमार शर्मा, ललन टोप्पो, अनिल बरवा, प्रदीप राम तथा संजीदा खातून भी उपस्थित रहे और उन्होंने बच्चों के साथ मिलकर योगाभ्यास में भाग लिया। विद्यालय के शिक्षकों एवं छात्रों ने सामूहिक योगाभ्यास को एक प्रेरणादायी अनुभव बताया, जो न केवल स्वास्थ्यवर्धक रहा, बल्कि अनुशासन और समर्पण की भावना को भी प्रबल करने वाला साबित हुआ।

उपायुक्त की अध्यक्षता में स्वास्थ्य विभाग की समीक्षात्मक बैठक संपन्न

सभी योजनाओं की प्रगति व समस्याओं की हुई गहन समीक्षा

- अपने-अपने स्वास्थ्य केंद्रों में लक्ष्य निर्धारित कर योजनाबद्ध कार्य करें

नवीन मेल संवाददाता

गुमला। स्वास्थ्य सेवाओं को और अधिक सुदृढ़ एवं प्रभावी बनाने को लेकर गुमला समाहरणालय के सभाकक्ष में आज उपायुक्त प्रेरणा दीक्षित की अध्यक्षता में जिला स्तरीय स्वास्थ्य विभाग की समीक्षात्मक बैठक आयोजित की गई। इस दौरान जिले भर में स्वास्थ्य विभाग के अंतर्गत संचालित विभिन्न योजनाओं एवं कार्यक्रमों की गहन समीक्षा की गई तथा सभी चिकित्सीय पदाधिकारियों को महत्वपूर्ण दिशा-निर्देश दिए गए। बैठक में स्वास्थ्य केंद्रों की आधारभूत संरचना, चिकित्सकों की उपलब्धता, आयुष्मान भारत योजना, आभा कार्ड निर्माण, स्वास्थ्य उपकेंद्र भवनों की स्थिति, और नीति आयोग द्वारा तय मानकों जैसे—गर्भवती पंजीकरण (एएनसी), संस्थागत प्रसव, बच्चों का पूर्ण टीकाकरण, परिवार नियोजन, तथा ई-संजीवनी (दूरचिकित्सा सेवा) से संबंधित बिंदुओं पर विस्तृत समीक्षा की गई। उपायुक्त ने सभी प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारियों और सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे अपने-अपने स्वास्थ्य केंद्रों में लक्ष्य निर्धारित कर योजनाबद्ध कार्य करें और सहिया कार्यकर्ताओं की नियमित निगरानी कर उसकी रिपोर्ट सम्बंधित पदाधिकारी को समय पर भेजना सुनिश्चित करें। जहां कहीं भी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में मूलभूत सुविधाओं की कमी है, वहां स्थलीय निरीक्षण कर शीघ्र समाधान करने का निर्देश भी दिया गया। इस बैठक में स्वास्थ्य विभाग की अन्य प्रमुख योजनाओं और समितियों जैसे जिला कार्यक्रम क्रियान्वयन समिति,जिला क्षय (टीबी) मंच,टीबी सह-रुग्णता समन्वय समिति,जिला कार्यबल (टास्क फोर्स), सक्रिय क्षय रोगी खोज अभियान,टीबी मुक्त पंचायत प्रस्ताव, जिला जनशिकायत निवारण समिति, अस्पताल अनुरक्षण प्रबंधन, अबुवा स्वास्थ्य योजना आदि की प्रगति रिपोर्ट की समीक्षा करते हुए आवश्यक निर्देश प्रदान किए गए। इसके साथ ही एचएमआईएस (स्वास्थ्य प्रबंधन सूचना प्रणाली) पोर्टल, यू-विन (टीकाकरण पंजीकरण प्रणाली), गर्भवती माताओं की संख्या, मिशन इंद्रधनुष, प्रधानमंत्री टीबी मुक्त भारत अभियान, अनीमिया से बचाव कार्यक्रम, चिकित्सकों की उपस्थिति, एम्बुलेंस की उपलब्धता जैसे बिंदुओं पर सामूहिक मूल्यांकन करते हुए अधिकारियों को सटीक, समर्पित और सेवा भाव से कार्य करने का निर्देश दिया गया। बैठक में सिविल सर्जन, मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी, तथा अन्य स्वास्थ्य विभागीय पदाधिकारी व कर्मी उपस्थित रहे।

श्रीनगर गांव में हाथियों का आतंक किसानों की फसलों को किया तबाह

नवीन मेल संवाददाता

जारी। जारी अंचल क्षेत्र के श्रीनगर गांव में जंगली हाथियों का कहर थमने का नाम नहीं ले रहा है। बीते कुछ दिनों से हाथियों का झुंड लगातार किसानों की फसलों को भारी नुकसान पहुंचा रहा है, जिससे ग्रामीण दहशत में हैं। सबसे ज़्यादा प्रभावित किसानों में से एक विजय केरकेट्टा हैं, जिनकी धान और मक्का की पूरी फसल हाथियों ने बर्बाद कर दी है।पीड़ित किसान विजय केरकेट्टा ने बताया कि रात के अंधेरे में हाथियों का झुंड खेतों में घुस आता है और घंटों तक तबाही मचाता है। उनकी महीनों की मेहनत पर एक ही रात में पानी फिर गया।विजय केरकेट्टा और अन्य किसानों ने प्रशासन और वन विभाग से तत्काल ठोस कदम उठाने की अपील की है, अन्यथा आने वाले दिनों में स्थिति और गंभीर हो सकती है।स्थानीय ग्रामीणों के अनुसार, हाथियों के इस आतंक से न केवल फसलें बर्बाद हो रही हैं, बल्कि जान-माल का खतरा भी बना हुआ है। लोग रात में अपने घरों से बाहर निकलने से डरने लगे हैं। ग्रामीणों ने वन विभाग से क्षेत्र में गश्त बढ़ाने और प्रभावित किसानों को उचित मुआवजा देने की मांग की है।

राज्यपाल का गुमला आगमन आज

- बिशुनपुर में स्थित विकास भारती मुख्यालय में संचालित योजनाओं का करेंगे अवलोकन

नवीन मेल संवाददाता

गुमला। झारखंड के राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार कल 22 जून 2025 (रविवार) को गुमला जिले के बिशुनपुर प्रखंड स्थित विकास भारती मुख्यालय का दौरा करेंगे। अपने इस दौरे के दौरान वे विकास भारती संस्था द्वारा संचालित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं, नवाचारों एवं ग्रामीण विकास कार्यक्रमों का प्रत्यक्ष रूप से अवलोकन करेंगे। राज्यपाल के आगमन को लेकर विकास भारती संस्थान के द्वारा व्यापक तैयारियाँ की गई हैं। संस्था के पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं द्वारा मुख्यालय परिसर की साज-सज्जा, प्रदर्शनी स्थलों की व्यवस्था, एवं आगंतुक स्वागत की रूपरेखा को अंतिम रूप दिया जा चुका है। सूत्रों के अनुसार, राज्यपाल का यह दौरा ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि, जैविक खेती, महिला सशक्तिकरण, जल संरक्षण एवं युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए संचालित योजनाओं के क्रियान्वयन की जमीनी हकीकत जानने और इन सफलताओं की सराहना हेतु हो रहा है। राज्यपाल के स्वागत हेतु संस्था के संस्थापक सह सचिव पद्मश्री डॉ. अशोक भगत एवं उनकी टीम द्वारा सांस्कृतिक प्रस्तुतियां, ग्रामीण उत्पादों की प्रदर्शनी, तथा जन संवाद कार्यक्रम का भी योजन किया गया है, जिसमें क्षेत्रीय समुदाय के लोग भी हिस्सा लेंगे। इसके अतिरिक्त राज्यपाल विकास भारती परिसर में संचालित कृषि विज्ञान केंद्र, प्रशिक्षण संस्थान, महिला समूह गतिविधियाँ और आदिवासी कल्याण से जुड़ी पहल का भी निरीक्षण करेंगे। उम्मीद जताई जा रही है कि राज्यपाल इस दौरान ग्रामीण नवाचारों को और अधिक प्रोत्साहन देने हेतु महत्वपूर्ण घोषणाएं भी कर सकते हैं।

1.18 लाख से अधिक स्कूली बच्चों ने योग कर रचा कीर्तिमान

- 11वें अंतराष्ट्रीय योग दिवस पर सभी विद्यालय बने योगमय

नवीन मेल संवाददाता

गुमला। 11वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर गुमला जिले में शिक्षा विभाग द्वारा भव्य योग कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें जिले के 1594 विद्यालयों के 1,18,013 से अधिक छात्र-छात्राओं ने एक साथ योग कर स्वस्थ जीवनशैली का संकल्प लिया। इस अवसर पर 4145 शिक्षकों और 4111 समुदाय सदस्यों ने सक्रिय भूमिका निभाई। विशेष बात यह रही कि यद्यपि माह के तीसरे शनिवार को सरकारी विद्यालयों में सामान्यतः अवकाश रहता है, फिर भी राज्य स्तरीय निर्देशानुसार सभी सरकारी विद्यालयों को विशेष योग आयोजन हेतु खोला गया। जिले के 12 प्रखंडों के सभी विद्यालयों में उत्साहपूर्वक योग सत्र आयोजित किए गए, जिससे संपूर्ण शिक्षा व्यवस्था "योगमय" हो उठी। विद्यालयों में योगाभ्यास के दौरान बच्चों ने तन, मन और आत्मा की एकता का अनुभव करते हुए नशा मुक्ति, आत्मअनुशासन और सकारात्मक जीवनशैली अपनाने का संदेश दिया। उन्हें मादक पदार्थों के दुष्प्रभावों से भी अवगत कराया गया। इस विराट कार्यक्रम को सफल बनाने में जिला शिक्षा पदाधिकारी कविता खलखो, जिला शिक्षा अधीक्षक नूर आलम खां, सभी प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी , बीआरपी, सिआरपी, शिक्षकगण एवं शिक्षा विभाग के अन्य कर्मियों की सक्रिय और समर्पित भूमिका रही।

Government of Jharkhand
Office of Civil Surgeon cum CMO, Dist-Garhwa
[Sadar Hospital campus, Garhwa]
Tender No - DHS/GAR/PSA/02/25-26 Dated..........................

TENDER NOTICE

Office of Civil Surgeon cum CMO, Garhwa invites one time Repairing and Annual Maintenance contract (AMC) of PSA Plant 2 no. One of 500 LPM and Second 100 LPM respectively situated at Sadar Hospital, Garhwa.

This details of tender document for this can be downloaded from the website **www.garhwa.nic.in**

Sl. No.	Event Description	Date
1	Invitation of RFP	21.06.2025
2	Last date of receiving queries	28.06.2025
3	Bid Due Date	05.07.2025, 13:00 hrs IST
4	Opening of Technical Bids On Bid Due Date	05.07.2025, 16:00 hrs IST
5	Opening of Financial Bid	After Finalization of Technical Bid

1. The Technical and Financial bids saparetly should be submitted to **office of Civil Surgeon cum CMO Garhwa**.
2. The interested bidders will have to pay requisite fee (for Document fee Rs 5000/- non refundable and EMD of 60,000/- in favour of "**DRHS RCH Flexi pool Garhwa**"
3. For any query regarding this tender contact person Dr. Santosh Mishra Mob.-9304338818
4. The Technical bid and Financial bid will be Evaluated and Awarded Letter of Award (LOA) by Tender Evaluation Committee duly constituted in this regard.
5. Authorities have reserved the right to make changes in terms & conditions & schedule of tender as per need and reserves the right to reject the tender without assigning any reason.
6. All correspondence/ communication/ queries regarding the scheme should be made at **office of Civil Surgeon cum CMO, Garhwa.**

(Civil Surgeon cum CMO Garhwa)
PR 355696 Health Med Edu and Family Welfare(25-26)D

बस स्टैंड में गिरी यात्री पड़ाव की छत

नवीन मेल संवाददाता

चैनपुर। चैनपुर मुख्यालय स्थित बस स्टैंड पर शुक्रवार को हुई भारी बारिश के कारण यात्री पड़ाव की छत भरभरा कर गिर गई। यह एक बड़ा हादसा टल गया क्योंकि गनीमत रही कि उस समय कोई भी यात्री वहां मौजूद नहीं था। इस घटना ने एक बार फिर प्रशासन की घोर लापरवाही और यात्री सुविधाओं के रखरखाव के प्रति उनकी उदासीनता को उजागर कर दिया है। यह सवाल खड़ा करता है कि चैनपुर में अनुमंडल स्तरीय बस पड़ाव का निर्माण कब होगा, ताकि यात्रियों और आम जनता को मूलभूत सुविधाएं मिल सकें।

मरम्मत कार्य पर सवाल: गुणवत्ता या भ्रष्टाचार?

जानकारी के अनुसार, जिस यात्री शेड की छत गिरी है, उसकी मरम्मत कुछ साल पहले ही कराई गई थी। इसके बावजूद, बारिश के पहले ही दौर में छत से पानी टपकना शुरू हो गया था और अंततः वह ढह गई। यह स्पष्ट रूप से दर्शाता है कि मरम्मत कार्य सिर्फ एक दिखावा था, और गुणवत्ता पर बिल्कुल भी ध्यान नहीं दिया गया। इस घटना ने मरम्मत कार्य में संभावित भ्रष्टाचार के सवाल को जन्म दिया है।

व्यस्त समय में बड़ा हादसा होने का खतरा

यह यात्री पड़ाव ऐसी जगह पर स्थित है जहां रोजाना यात्रियों से भरी बसें खड़ी होती हैं। यदि छत गिरने की यह घटना दिन के व्यस्त समय में होती, तो कई लोगों की जान जा सकती थी। यह सवाल उठता है कि प्रशासन कब जागेगा? क्या वे किसी की मौत का इंतजार कर रहे हैं ।

भरनो में मंदिर निर्माण पर ग्रामीणों का फूटा गुस्सा

गुमला। भरनो में एनएच-23 सड़क चौड़ीकरण परियोजना के तहत मंदिरों के पुनर्निर्माण कार्य को लेकर विवाद खड़ा हो गया है। शिव मंदिर और हनुमान मंदिर की छतों से हो रही सीपेज ने निर्माण की गुणवत्ता पर बड़ा सवाल खड़ा कर दिया है। ग्रामीणों ने निर्माण कार्य में घोर अनियमितता का आरोप लगाते हुए आरकेडी कंपनी और उसके पेटी ठेकेदार राहुल सिंह पर आस्था के साथ खिलवाड़ करने का आरोप लगाया है। जानकारी के अनुसार, ब्लॉक चौक स्थित शिव मंदिर और पुराना थाना के पास स्थित हनुमान मंदिर को तोड़कर नए स्थानों पर निर्माण कार्य किया जा रहा है। लेकिन पहली ही बारिश में छत से पानी टपकने लगा, जिससे मंदिर परिसर में पानी भरने लगा। ग्रामीणों को जब इसकी जानकारी मिली, तो बड़ी संख्या में लोग मंदिर पहुंचे और विरोध प्रदर्शन किया। मौके पर बजरंग दल, विश्व हिंदू परिषद, और भाजपा के कई स्थानीय पदाधिकारी पहुंचे और कार्य की गुणवत्ता पर कड़ा ऐतराज जताया। इस दौरान बजरंग दल के विभाग संयोजक मुकेश सिंह, जिला संयोजक संतोष यादव, विहिप प्रचारक प्रमुख अमित कुमार, सेवा प्रमुख डॉ. अमन कुमार, भरनो प्रखंड अध्यक्ष सुदामा केशरी, भाजपा मंडल अध्यक्ष हरिशंकर शाही, और कई अन्य लोगों ने कहा की यह सिर्फ निर्माण कार्य में लापरवाही नहीं, बल्कि हिंदू आस्था के साथ खिलवाड़ है।

कार्यालय जिला भी0बी0डी0 पदाधिकारी, लोहरदगा।
अतिअल्पकालीन निविदा आमंत्रण सूचना
निविदा संख्या - 01/2025 - 26 (VBD)

पत्रांक ..../ दिनांक.......................................।

राज्य कार्यक्रम पदाधिकारी, भी0बी0डी0, झारखण्ड, राँची के पत्रांक 298 दिनांक 15.05.25के आलोकमेंलोहरदगाजिला के मलेरियानियंत्रण कार्यक्रम अंतर्गत जिला भी0बी0डी0 पदाधिकारी कार्यालय, लोहरदगा द्वारा Deltametharin 2.5% WP (कीटनाशी) के क्रय हेतु कीटनाशी विक्रेताओं से निविदा आमंत्रित की जाती है।

1. विज्ञापनदाता का नाम : सिविल सर्जन सह जिला भी0बी0डी0 पदाधिकारी, लोहरदगा।
2. निविदा प्राप्ति की अंतिम तिथि एवं समय : 28.06.2025, अपराह्न 02 बजेतक।
3. निविदा खोलने की तिथि एवं समय : 28.06.2025, अपराह्न 04 बजे।
4. निविदा प्राप्त करने एवं खोलने का स्थान : सिविल सर्जन कार्यालय, लोहरदगा।
5. मद का नाम : Malaria Under Drug & Supplies
6. कार्य का विवरण :

क्र0 सं0	समग्री का विवरण	कार्य समाप्ति की अवधि
1	Deltamethrin 2.5% WP(कीटनाशी)	एक सप्ताह

निविदा के नियम एवं शर्तें https://lohardaga.nic.in एवं जिला भी0बी0डी0 पदाधिकारी कार्यालय, लोहरदगा के सूचना पट्ट पर देखी जा सकती है।

सिविल सर्जन–सह–
जिला भी0बी0डी0 पदाधिकारी, लोहरदगा।

PR 355666 Lohardaga(25-26)D

रक्तदान महादान

पहाड़ों की गोद में बसा छोटा-सा गांव जहां हर सुबह सूरज की किरणें खेतों को सुनहरा करती थीं, और शामें घास के गट्ठरों के साथ थकन में लिपटी होती थीं। उसी गांव में रहता था डेविड—सीधा-सादा, पर दिल से बड़ा। उस दिन भी वह रोज़ की तरह खेतों से घास काटकर लौट रहा था। कंधों पर बोझ था, लेकिन दिल पर सवालों की एक गठरी और भारी थी। "क्या मेरी कहीं कोई आवश्यकता नहीं?" उसने मन ही मन सोचा। "हर किसी का कोई न कोई मकसद होता है मेरा क्या है? मैं कहां उपयोगी हूं?" अलबर्ट की छवि आँखों के सामने आ गई। बचपन का दोस्त। हाल ही में फ़ौज में भर्ती हुआ था। जब वर्दी पहनकर गाँव लौटा, उसकी चाल में गर्व, आंखों में तेज़ और जूतों की थाप में आत्मविश्वास था। गांव वालों ने जैसे किसी योद्धा का स्वागत किया हो। "काश, मैं भी फौज में जा सकता!" लेकिन डॉक्टरी जांच में दोष निकल आया था। दिल मजबूत था, पर शरीर नहीं। हथियार नहीं उठा सकता था, देश की सीमाओं पर नहीं लड़ सकता था। "तो क्या मैं बेकार हूँ?" डेविड का दिल भर आया। अचानक गांव की ओर से एक हाहाकार उठा। कोई स्त्री विलाप कर रही थी। "मेरे एक नहीं, अनेक बेटे हैं!"वह अलबर्ट की मां थी। डर ने डेविड की रफ्तार तेज कर दी।

चारुमित्रा

"क्या अलबर्ट शहीद हो गया?" भीड़ के बीच पहुंचा तो देखा, हर चेहरा दुख से भीगा था, लेकिन आंखों में एक चमक थी—गर्व की चमक। तभी किसी ने आवाज़ लगाई— "भाइयों, डेविड धन्य है! उसका खून भी आज मां के चरणों में चढ़ गया!" डर, उलझन और हैरानी के बीच डेविड एक क्षण को ठिठका। "मेरा खून?" याद आया कुछ हफ्ते पहले गांव में सेना के लिए रक्तदान शिविर लगा था। डेविड ने सबसे पहले अपना खून दिया था—बिना किसी उम्मीद के, बस सेवा की भावना से। आज उसे बताया गया कि उसके रक्त से एक घायल सैनिक की जान बची थी। "मैंने किसी सैनिक को जीवनदान दिया?" उसके चेहरे पर एक नई रौशनी फैल गई। वह समझ चुका था—सेवा की राह सिर्फ बंदूक या वर्दी तक सीमित नहीं होती। जीवनदान देने वाला हाथ भी उतना ही महान होता है। उस दिन वह फिर रक्तदान केंद्र की ओर चल पड़ा इस बार बिना किसी सवाल के, केवल एक विश्वास के साथ— "रक्तदान महादान है!" और वही उसका देशसेवा का मार्ग बन गया।

संस्मरण

कोरोना ने छीन लिया श्रवण जी को, पर ऐसे तो नहीं जाता कोई

अनिता रश्मि

मूर्धन्य साहित्यकार श्री श्रवण कुमार गोस्वामी सरल हृदय, मिलनसार, मितभाषी-मृदुभाषी, दृढ़ता से बात रखनेवाले कलमजीवी थे। उनसे आत्मीय डोर राँची आने के बाद से ही पक्की हो गई थी। घर पर कई बार आए थे। बड़ी बेटी के ब्याह में भी पत्नी राज दी के साथ। मेरी पुस्तकों पर उन्होंने लिखा भी था। मुझे कुछ साल तक बरहरवा, संथाल परगना में रहने का अवसर मिला। वहाँ ज्ञानपीठ सम्मान की अनुशंसा के लिए फॉर्म आया था। मैं आश्चर्यचकित होते हुए भी उत्साह से भर उठी थी। मेरे सामने प्रसिद्ध, निरंतर उत्कृष्ट लेखन के पर्याय दो नाम चमक रहे थे। दोनों से एक मुख़्तसर सी भी भेंट नहीं, न ही कहीं देखा। हाँ, बस तस्वीरों से भेंट।

प्रथम कॉलम में नागार्जुन, द्वितीय में गोस्वामी जी का नाम भरा था। अचानक उनका नाम मन के दरीचे पर ठकठकाता आया, जरूर उनकी रचनाधर्मिता के कारण ही आया होगा। पुस्तकें परिचायक थीं।

गोस्वामी जी नागपुरी में निरंतर कार्य करते रहें। मोटे-मोटे ग्रंथों के रचयिता, नागपुरी के लिए हृदय की गहराई से सोचनवाले गोस्वामी जी की मेहनत की मिसाल हैं - "नागपुरी भाषा", "नागपुरी शिष्ट साहित्य", "नागपुरी बृहत् त्रयी"। नागपुरी के लिए उनका दिल धड़कता था।

उनकी पुस्तक "जंगल-तंत्रम" 21 जगहों से अस्वीकृत होकर राजकमल प्रकाशन से आया और छा गया था। इसमें जंगली जानवरों के माध्यम से उन्होंने बड़े रोचक ढंग से राजनैतिक भ्रष्टाचार-दबंगई की पोल खोली है। "जंगल-तंत्रम" को झारखण्ड का प्रतिष्ठित राधाकृष्ण पुरस्कार प्राप्त हुआ था। उन्होंने राधाकृष्ण जी के व्यक्तित्व और कृतित्व पर अनुभूति से संपृक्त पुस्तक लिखी, राधाकृष्ण को समग्र में समझने के लिए प्रामाणिक है। उन्होंने लौह कपाट के पीछे से अपना अनुभव लिखा। महत्वाकांक्षी योजना, रांची के इतिहास-भूगोल को सामने लानेवाली पुस्तक "राँची : तब और अब" की पांडुलिपि कई जगह घूमकर रांची में छपी। ओम जी-मैं उनके घर 'आश्रय' गए तो बड़े उत्साह से उन्होंने प्रति दी। उनकी संतुष्टि देखते बनती थी। उत्साह की बात से एक और घटना --

बरहरवा से आने के बाद उनके घर पहली बार मैं अपनी किताबें लेकर गई थी। वे आन्नदित, प्रसन्नचित। बोले,
"कौन कहता है, गाँव में रहने से लेखन को धार नहीं मिलती। वहीं ज्यादा विषय बिखरे हैं।" आते वक्त नीचे छोड़ने आए थे। डाकिया दिखा। उससे हंस की प्रति लेते ही एकाएक किलक पड़े (ऐसे दृश्य कम ही देखे गए)। कहा, "हंस में आलेख छपा। लेखकीय प्रति है।"

मैं हतप्रभ, 'इतने प्रसिद्ध, उम्रदराज लेखक भी बच्चों की तरह उपलब्धि पर इतने खुश हैं, हम नाचीज क्या चीज।'

बताया था, वे वेतन से वंचित होकर भी सदा बैंक में हिन्दी में हस्ताक्षर करते। उनकी कलम धार रोकने की कोशिश हुई, रुकी नहीं। 29 विविधवर्णी पुस्तकों तक विस्तार पा गई। देश भर में उनकी किताबों पर कई शोध हुए।

मृत्यु से पूर्व गोस्वामी जी के घर गईं थी। बेहद बीमार थे। बाहर जा नहीं पाते थे। मेरे कई आग्रह वे बीमारी के कारण ठुकरा चुके थे। राज दी ने बताया,
"अब इन्हें कुछ याद नहीं रहता। लिख भी नहीं पाते हैं।" पर वे आकर बैठे और पहचान लिया... आश्चर्य!

उस दिन मैं, सुरिंदर नीलम जी उनके स्टडी में गए। उनकी किताबों की सोंधी खुशबू महसूस की। एक से बढ़कर एक समृद्ध साहित्य। करीने से सजीं बड़े-छोटे, प्रसिद्ध लेखकों की भी पुस्तकें। स्वस्थ रहते पुस्तकों की सफाई वे खुद करते रहे। कोई पुस्तकों को हाथ नहीं लगा सकता था।

अभी वे चुपचाप बाहर बैठे रहे। न मना करने का होश, न पुस्तकें दिखलाने की ललक। खराब सेहत के कारण चुप से... चुप्पे से। आने से पूर्व मैंने अपनी डायरी बढ़ा दी। राज दी की सहायता से बहुत दिनों बाद उन्होंने हस्ताक्षर किये। आत्मीय, सुखद मुलाकात रही लेकिन यह आखिरी होगी, तब सोचा नहीं था।

राज दी उनके साथ साये की तरह सदा रही हैं। सेवारत भी। लेकिन होनी को टाल नहीं सकीं। मौत के दिन मुझे इंट्यूशन हुआ शायद। प्रायः ऐसे इंट्यूशन तत्काल पकड़ में नहीं आते, मैं भी पकड़ नहीं सकी थी। बारह बजे के लगभग अनायास उनकी चर्चा फोन से कहीं की और पांच मिनट बाद ही मृत्यु की दुःखद सूचना मिली। कोरोना का त्रासद समय। लॉकडाउन का कैदी समय। उन्होंने तब देह का परित्याग किया, जब कोई पाठक-मित्र, शुभेच्छुक कंधा दे नहीं सका। स्वयं राज गोस्वामी दी को पेपर में लिखकर हवन में आने से प्रशंसकों को रोकना पड़ा। पहले भी गोस्वामी जी ने अपनी कुछेक किताबें दी थीं। वे साथ हैंऔर हैं अनगिनत यादें। अब प्रतीक्षारत है मन, उनके अध्ययन कक्ष को संग्रहालय का रूप देने का परिवार का सपना जल्द पूरा हो।

बंद मुट्ठी

मैं आज माँ से दादी माँ बन गई थी। फूले ना समा रही थी। अपने घर आए नए मेहमान को देखी। बड़ी बहू के बाँहों में पड़ा नन्हा पोता टुकुर-टुकुर ताक रहा था। मैं गोद में लेकर बरामदे की धूप में जा बैठी। मैं नवजात बच्चे की *बंद मुट्ठी* को देखी बोली - - - "न जाने इसके *बंद मुट्ठी* में क्या क्या है? सोना, चांदी, जवाहरात या फिर कोहिनूर हीरा?"

गीता सिन्हा गीतांजलि

यही बात आज से बत्तीस - तैंतीस वर्ष पहले बड़े बेटे के जन्म पर उसकी दादी माँ ने कहा था। वे शब्द आज भी याद है - - - "बोल बेटा? तेरे *बंद मुट्ठी* में क्या क्या है? सोना, चांदी, जवाहरात या फिर कोहिनूर हीरा?"
" मैं तो देखी जो दो कमरे का घर था, आज बारह कमरों का घर बन गया। सोने चाँदी का बिजनेस खूब फुला फला। दूसरों को, गाड़ियों पर चलती देखती थी...... आज चार पाँच गाड़ियाँ हैं.... अलमारियाँ जेवरात और नगदी से भरी पड़ी हैं.... कौन सी नेकलेस पहनूँ? सोचना पड़ता है।" "फिर इन धन दौलत की क्या बातें करूँ? पोते का मुँह देखना ही सबसे बड़ा सौभाग्य है। इसकी मुस्कान पर तो सबकुछ न्योछावर करने को दिल चाहता है। भाग्यवानों के घर ऐसे लाल पैदा होते हैं....... " मैं बड़बड़ा रही थी।
आज घर में मेरे चार लाल हैं। चार चार बहुएँ हैं..... एक से एक सुंदर....... सुशील, पढ़ी लिखी..... समझदार, पति परायणा..... सासु माँ को माँ, ससुर को पिता का प्यार देने वालियाँ थीं...... भगवान ने कुछ भी कमी नहीं रख छोड़ा, चार चार बेटे के बाद एक चाँद जैसी बेटी भी........'' मैं नशे में झूम रही थी.... मुस्कुरा रही थी...... तभी सर्राफा बाजार में मूल्यों की भारी गिरावट की खबर आई........ मुश्किल से खड़ा किया गया बिजनेस लगातार घाटा में चलने लगा...... फिर पैसे की कमी..... भाइयों के बीच तकरार का कारण बन गया.... भाई भाई के बीच घरों में दीवार खड़े किए जाने लगे....... रोज देवरानी, जेठानी के बीच "तू-तू मैं-मैं" होने लगी...... यह सब देखने के लिए हम पति-पत्नी जीवित थे। पोते पोतियाँ की किलकारियों से जो घर आबाद हुआ करता था, आज लड़ाई झगड़े, एक दूसरे पर आरोप-प्रत्यारोप का केंद्र बन गए। मेरा सारा नशा काफूर हो चुका था। अपने भाग्य पर इठलाने वाली मैं सिर पीट कर इस घर को तहस-नहस होते देख रही थी। मैं अपनी सासू माँ के भाग्य की सराहना कर रही थी कि यह सब देखने के लिए आज वो जीवित नहीं हैं........ मैं बिस्तर पकड़ती जा रही हूँ। चारों बहुओं के बीच लड़ाई ना हो अपने अलमीरा के जेवरात बहुओं में बाँट दी...... एक नौकरानी के अतिरिक्त कोई मेरे पास नहीं आता। भगवान से प्रार्थना कर रही - - - - "मुझे अपने चरणों में स्थान दें..... मेरे भाग्य के 'बंद मुट्ठी' में सुख की बरसात के बाद....... ऐसे दुख के मरूभूमि लिखे थे..... बड़े-बड़े ज्योतिषाचार्य भी नहीं पढ़ सके थे।....... अब इसी *बंद मुट्ठी* को लिए दिए मैं जा रही हूँ....... इस संसार से...... अलविदा....... किसी को सुख के बाद ऐसा दुख ना मिले...... जो मुझे मिला...... बस अलविदा.......''

शजर

ऋषिका मिश्रा

कहीं धुआं सा उठा है
सुखे शजर के जलने से,
कोई बिलख कर रोया है
किसी सहम के ढलने से।
सहम उदासी का रूप था
तो ढल गया
रैन तन्हा बीत वहीं
चैन ये जिधर गया।
आक क्षितिज पर अटका है
डर रहा है निकलने से
कहीं धुआं सा उठा है
सूखे शजर के जलने से।
रंज में डूबे हम हैं
ये रंज में मेरा पहरा है,
स्नेह ये जितना गहरा था
ये दर्द भी उतना गहरा है।
विषाद गले में चुभ रहा
जहर बने निगलने से
कहीं धुआं सा उठा है
सूखे शजर के जलने से।
ख्वाब में तेरा सार था
सार यह जो मर गया
वक्त विलास का खत्म हुआ
तो नींद यह किधर गया?
नींद जो ये जा चुकी
रात ढलेगी गलने से
कहीं धुआं सा उठा है
सूखे शजर के जलने से
कोई बिलख कर रोया है
किसी सहम के ढलने से।

मुक्तक

जीवन में संतोष जिसे है,वही सुखी संसार में।
विजय मिले तो खुशी मनाता,
धैर्य न खोता हार में।

बिनोद बेगाना

जो सुख
साधन रहे
पास में,
उससे करता
मौज है- समय
बीतता लोभी
जन का,
कलह, द्वेष
तकरार में।
घूमें सारी
दुनिया कर लें, यात्रा देहरादून की।
पढ़ें किताबें किस्सों वाली, या कोई कानून की।
रहें झोपड़ी, महलों में या, ऊँचे किसी मकान में-
फ़िक्र सदा तो लगी रहेगी, रोटी हो दो जून की।

मुक्तक -सरसी छंद

धर्म सनातन कहता है यह, उसका बड़ा नसीब।
जो सेवा में आगे रखता, गंगा, गाय, गरीब।
पुण्य पथों पर चलता है जो, दे तीनों का साथ-
रक्षा इनकी कैसे होगी, ढूँढ़ें हम तरकीब।
थोड़े से सुख की खातिर जो, बेच रहा ईमान।
मनुज रूप में ऐसा बंदा, होता है शैतान।
पाप-पुण्य का भेद न जाने, करे घृणित अपराध-
दुष्कृत्यों पर उसको दंडित,करते हैं भगवान।

रूणा रश्मि 'दीप्त'

योगदान

गाड़ी स्टेडियम के सामने से गुजर रही थी की तभी सुमन को याद आया कि पिछले वर्ष तो पर्यावरण दिवस का कार्यक्रम यहीं हुआ था। 'कितने सारे सुंदर-सुंदर पौधे लगाए थे हम लोगों ने!' अचानक ही उसका मन मचल उठा 'क्यों न चलकर एक बार देख लें? अब तो पौधे बड़े हो गए होंगे।' अपने हाथों से लगाए उन पौधों को बढ़ा हुआ देखना, सोचकर ही उसकी उसकी आँखों में चमक आ गई। उसने अपने पति से कहा -"चलो हम लोग एक बार स्टेडियम घूम कर देखते हैं, पिछले वर्ष जो हमने पौधे लगाए थे वे अब कितने बड़े हो गए।"
सुरेश के हामी भरते ही सुमन खुश हो गई। अंदर पहुँच कर सुमन ढूँढने लगी, कहीं उसे पौधे दिखाई नहीं दे रहे थे। तभी वहाँ से गुजरते हुए एक व्यक्ति से उसने पूछा -

"भाई साहब आप यहीं काम करते हो क्या? पिछले वर्ष पर्यावरण दिवस के कार्यक्रम में जो पौधे हम सबने लगाए गए थे वो तो दिख नहीं रहे हैं कहीं।"

"क्या मैडम जी! आप भी एक साल पुरानी बात लेकर आई हो। आप लोग तो पौधे लगाकर और फोटो खिंचवाकर चले जाते हो लेकिन दोबारा देखते भी नहीं हो कि कोई उसकी देखभाल कर भी रहा है या नहीं। बस कंपनी की तरफ से एक माली रख दिया, वह बेचारा अकेला कितने पौधों की देखभाल करेगा, क्या-क्या करेगा? बारिश अच्छी हुई नहीं, धूप इतनी तेज निकली कि पौधे तो एक सप्ताह के अंदर ही सारे सूख गए।"

यह सुनकर सुमन का मन निराश हो गया। दोनों वापस आकर गाड़ी में बैठ गए। तभी अचानक चौंक कर बोल पड़ी -

"सुनो! मैंने कुछ सोचा है, हम जो भी पौधा लगाते हैं उसे क्यों ना हम गोद ले लें? उसकी पूरी देखभाल की जिम्मेदारी लेते हुए उसे बड़ा करें।" यह बोलते हुए उसकी आँखों में जो चमक थी उसे देखकर सुरेश भी मना नहीं कर सका। बस इतना ही कहा - " देख लो, मैं तो इतना समय नहीं दे पाऊँगा तुमसे जो बन पाएगा करना।"

इतना सुनते ही सुमन खुश हो गई उसकी आँखों में अगले वर्ष के पर्यावरण दिवस का सपना चमकने लगा, जब आज के लगाये सारे पौधे बड़े हो जाएँगे और हरियाली को बढ़ाने में अपना योगदान देंगे।

पिताजी की सीख

मैं "रोहन" अपने मां-पापा का इकलौता संतान था।
बहुत लाड़-प्यार से मेरी देखभाल होती थी। वैसे तो मैं पढ़ने में ठीक -ठाक ही था मगर एक बुरी आदत फेविकोल की तरह चिपक गई थी और वो थी बात-बात पर छूठ बोलना।।
घर, स्कूल, दोस्त-यार सब इस आदत से परेशान थे मगर मुझको कोई फर्क नहीं पड़ता था। मैं अपनी इस आदत में मस्त रहता था।।

मनीष सिंह वंदन

बात उन दिनों की है जब मेरी बोर्ड की परीक्षा होनेवाली थी और गणित की पढ़ाई के लिए मुझको एक ट्यूशन सर के पास भेजा जाने लगा। शुरू में तो मैं नियमित जाया करता था फिर बाद में घर से जरूर निकलता सही समय पर ट्यूशन के लिए मगर दोस्तों के साथ क्रिकेट खेलने निकल जाया करता था। घर आकर कह देता कि आज एक्स्ट्रा क्लास चल रही थी इसलिए लेट हो गया। मां-पापा को लगता कि मैं सच ही बोल रहा हूं।।
मैं रोज ही घर लेट आने लगा और बहाना बनाता एक्स्ट्रा क्लास का।।
एक दिन जैसे ही घर पहुंचा पापा के हाथ में मिठाई का डब्बा दिखा । मैं कुछ पूछता उसके पहले ही पापा ने कहा तुमने बताया नहीं कि तुम्हारे टेस्ट में इतने अच्छे मार्क्स आए हैं । वो तो बाजार में तुम्हारे टीचर जी मिल गए थे। उन्होंने बताया। वो तुम्हारी बड़ी तारीफ कर रहे थे कि लड़का बहुत होशियार है, मन से पढ़ाई करता है।।
मुझको तो कांटो तो खून नहीं । सर नीचे झुकाकर अचानक रोने लगा। पापा का पैर पकड़कर बोला मुझको माफ कर दीजिए। आईंदा से झूट नहीं बोलूंगा। मैं ट्यूशन क्लास नहीं जाकर क्रिकेट खेलने चला जाता था।।
पापा ने कहा मुझको पहले दिन से ही पता था कि तुम ट्यूशन नहीं जा रहे हो लेकिन मैं तुम्हारे मुंह से सुनना चाहता था। आगे उन्होंने कहा "सच बोलना इतना भी कठिन नहीं है"। सच बोलने से ज़िंदगी में कभी भी तुमको रोना नहीं पड़ेगा।।
मैंने अपने दोनों कान पकड़े और वादा किया कि आगे से हमेशा सच बोलूंगा। उनकी इस बात को मैंने गांठ बांध ली। आज मैं एक प्रतिष्ठित बैंक का मैनेजर हूं और पापा की वह अनमोल सीख बहुत याद आती है।।

काव्य कोना

अपना-अपना प्रण

वह कौन साधक-तपस्वी
मौन - फिर भी गुनगुनाता
आ रहा धधकती ज्वालों के बीच
कहीं परशुराम तो नहीं
धधकता बदले की अग्नि में
पापी के अन्त का निश्चय
तेज - अपने परशु से,
या फिर कोई शान्तनु पुत्र भीष्म
अंबा-द्रौपदी की रक्षा न कर सका जो
निभाया राजसिंहासन को दिया वचन,
या कहीं फिर दानवीर कर्ण
अपनी कृतज्ञता का बोझ ढोता।
वह कौन साधक-तपस्वी
भू पर आया है फिर एक बार
अपनी-अपनी आहुति देने
कहीं यह दृष्टि-भ्रम तो नहीं
या कोई मृग-मरीचिका
वह कौन?

नाग मणि

आनंद

सुरेश चन्द्र झा

घटना थी सन उन्नीस सौ इकहत्तर की। हम पाँच मित्रों ने तय किया था कि इस रविवार आनंद देखने चलना है। अब शुक्रवार को लगी थी फ़िल्म और रविवार तक तकरीबन दो दिन थे उसपर चर्चा करने के लिए। कॉलेज से लौटकर शाम में वही गंगा का किनारा,उसमें चलती कश्तियाँ और किनारे सीढ़ियों पर बैठकर नदी में डॉल्फिनों पर कंकर फेंकते हम।

आज सुना तुमको पिछले इंटर कॉलेज डिबेट के लिए अवार्ड मिला है? अरे नहीं,छोटा सा तो रिवार्ड है छोटा नतलब? पांच सौ रुपये बस ।शील्ड तो उसी दिन मिल गया था आज चेक दिए प्रिंसिपल साहब। अरे वाह,अब तो आनंद की टिकट इसी के तरफ से जबाब नदारत अबे क्या हुआ? वो माँ ले ली अरे तो मुँह मत बिसूर कर बोलो,हमलोग मैनेज कर लेंगे। तय रहा सन्डे मैटिनी शो उस दिन बड़ी भीड़ रहेगी,कहीं ब्लैक में टिकट लेना न पड़े ऋषिकेश मुखर्जी की फ़िल्म है न, बहुत भीड़ नहीं होगी यार, गजब डाइरेक्टर हैं,अभी देखे थे न गुड्डी ।

अब छोड़ो भी,इनका डायरेक्टोरियल अचीवमेंट अनाड़ी में ही दिख गया था,जब तुम पैदा हुए थे। अरे, इसमें आनंद का रोल

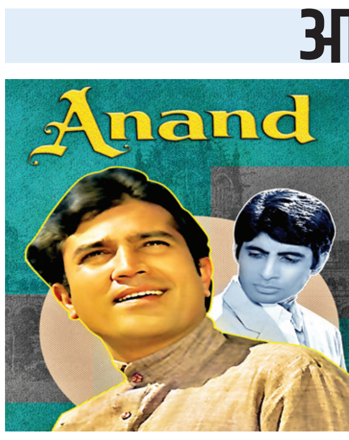

राजकपूर के लिए ही प्लान किया था उन्होंने , लेकिन अब वो उम्रदराज़ हो गए न इसलिए ये रोल तुम्हारे राजेश भैया को दिया। सारे डिसक्शन्स अभी ही होने थे और हुए भी। शाम ढल चुकी थी,हम उन पंछियों की तरह थे जिनके लिए अंधेरा होने तक अपने नीड पहुंचना नियत था होता। कल स्पेशल क्लास भी था,पढाई का दबाव अपने कर्मपथ पर बुला रहा था –और मीटिंग भंग हुई ।

रविवार को मैटिनी शो जाना था। उन दिनों सिनेमा देखना विद्यार्थियों के लिए सेमी प्रोहिबिटेड, यानी आंशिक प्रतिबन्ध लिए होता- जो सिनेमा देखे वो पढाई क्या खाक करेगा, यही सोच थी। इसलिए बहाने बनाकर निकलना होता, वो भी ढाई बजे से भी पहले ताकि तीन से छह का समय उस बड़े टाइम पीरियड में कवरअप हो जाए। इस रविवार का बहाना था रवि के घर पर कम्बाइंड स्टडी जो दो बजे से सात बजे तक चलता।

आधे घण्टे फिजूल में सड़कें नापकर ढाई बजे हम सब शंकर टॉकीज पहुँच चुके थे । मैं कभी टिकट काउण्टर पर नहीं जाता,लिहाजा दूसरे मित्रों ने डी सी का टिकट लिया और जब न्यूज शुरू हुआ तब हमने हॉल में एंट्री ली ताकि कोई देख न ले और घर जाकर कम्प्लेन न कर दे।

इंटरवल तक बहुत संजीदगी से हम भी फ़िल्म एंजॉय करते रहे पर इंटरवल हुआ नहीं कि पीठ पर एक हाथ पड़ा,पीछे की सीट से। मुड़कर देखा तो वही- यानि भैया। अब काटो तो खून नहीं – बहुत सिनेमा देखते हो ,पिछले सप्ताह भी देखे थे न तुमको-यहीं गोरा और काला देखने आए थे। उसके पहले भी दस्तक देखने गए थे वहाँ भी तुम मिले थे—अब लिमिट क्रॉस हो गया। कल मौसी को बताएँगे ही ।कहकर वो तो वाशरूम को गए और मेरी पैंट यहीं गीली होने लगी। उनसे मैं कैसे कहता कि जब इतनी बार आपने हमें देखा तो आप भी तो इतनी बार आये थे न—आप करें तो रासलीला,हम करें तो कैरेक्टर ढीला ! पर बोल नहीं पाए बड़े भैया का लिहाज ।इंटरवल के बाद उखडी मनःस्थिति में फ़िल्म देखी हमने। सामने पर्दे पर वो मशहूर डायलॉग चल रहा था – बाबू मोशाय – जिंदगी और मौत ऊपरवाले के हाथ है जहाँपनाह। इसे न तो आप बदल सकते हैं न मैं। हमसब तो रंगमंच की कठपुतलियाँ हैं जिनकी डोर ऊपरवाले की उँगलियों से बंधी हैं,कब कौन कैसे उठेगा,ये कोई नहीं बता सकता हा हा हा---। और मेरे कानों में जा रहा था-- खुशी और ग़म की डोर भैया के हाथों में है जहाँपनाह,इसे न तो आप बदल सकते हैं न कोई और ।कल खुशी मिलेगी या डाँट ये कोई नहीं बता सकता—हा हा हा--।

संयोजक : नरेश अग्रवाल

योग : चित्तवृतिनिरोध

नदी और नारी
क्षीण रेख में
कोमल कलकल
बहती रही थी,
कहीं तो छिपी सी
कभी हठात उमगती,
सींचती मातृवत पूरे परिवेश को
पालती पोसती समरस दुलार से !
उद्दाम उमड़ पड़ी
तो बहा ले जाएगी
निर्मम संवेग से
जो भी आयेगा राह में उसकी ;
भेद अभेद करेगी नहीं
राजा और रंक का,
झोंपड़े और महल का !
साक्षी है इतिहास
कि नदी और नारी
हैं चेतावनी प्रत्यक्ष
कि रखो मर्यादा
बरतने में उनसे !!

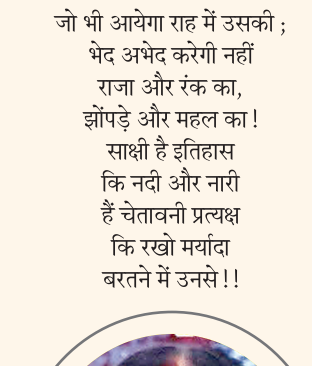

कंचन सिंह
उपायुक्त सिमडेगा

आज का दोहा

टूट गिरीं वैशाखियां, लक्ष्य अभी है दूर।
अधवर में है जिंदगी, कितने हैं मजबूर।।
सोमदत्त शर्मा, गाजियाबाद (उ.प्र.)

रचना भेजिए

समाचारों के संबंध में शिकायत, सुझाव या इस पेज के लिए आर्टिकल कृप्या भेजें article.rnmail@gmail.com कॉल/व्हाट्सएप - 82925 53444 -संपादक

स्वामी, परिजात माइनिंग इण्डस्ट्रीज (इण्डिया) प्रा. लि. के लिए प्रकाशक एंव मुद्रक हर्षवर्द्धन बजाज द्वारा इसके पब्लिकेशन डिवीजन, रेड़मा मेदिनीनगर (डालटनगंज), से प्रकाशित एवं एस एच प्रिंटर्स प्राइवेट लिमिटेड (पूर्व में शिवासाई पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड), नियर टेंडर बागीचा पेट्रोल पम्प, रातू, रांची-835222, झारखंड द्वारा मुद्रित. रजिस्ट्रेशन नं. RNI.61316/94 पोस्टल रजिस्ट्रेशन नं.-13 । प्रधान संपादक : सुरेश बजाज, संपादक : हर्षवर्द्धन बजाज, कार्यकारी संपादक : सुनील सिंह 'बादल', स्थानीय संपादक : राणा अरुण सिंह*, प्रेस कार्यालय : रांची रोड, रेड़मा, मेदिनीनगर, (डालटनगंज) पलामू-822102, फोन नम्बर : 06562-796018, रांची कार्यालय : 502बी, पांचवी मंजिल मंगलमूर्ति हाईट्स, रानी बगान, हरमू रोड, रांची-834001, फोन नं.- 0651-3553943, लोहरदगा कार्यालय : सरस्वती निवास, तेली धर्मशाला के सामने, कृषि मार्केट, लोहरदगा। - फोन : 7903891779, ई-मेल : news.rnmail@gmail.com, article.rnmail@gmail.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार।)

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस 2025

योग को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाएं : राष्ट्रपति

एजेंसी। देहरादून

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के मौके पर देहरादून में आयोजित कार्यक्रम में हिस्सा लिया है। राष्ट्रपति ने सभी को योग दिवस की हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कामना की कि योग के प्रयोग से समस्त विश्व के निवासी स्वस्थ और खुश रहें।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने अपने संबोधन में कहा कि 2015 से अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर विश्व के अधिकतर देशों में योगाभ्यास के आयोजन होते हैं। योग मानवता की साझा धरोहर बन चुका है। उन्होंने कहा, "योग का अर्थ जोड़ना है। योग का अभ्यास व्यक्ति के शरीर, मन और आत्मा को जानना है और स्वस्थ बनाता है। इसी तरह एक व्यक्ति को दूसरे व्यक्ति से, एक समुदाय को दूसरे समुदाय से और एक देश को दूसरे देश से जोड़ने का काम भी कर रहा है। इसी उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए 11वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की थीम- 'एक पृथ्वी, एक स्वास्थ्य' रखी गई है।" राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा, "भारत की पहल पर योग के प्रति विश्व समुदाय में सम्मान बढ़ा है। दुनिया भर के लोग इससे लाभान्वित हो रहे हैं। योग पद्धति को सही और सरल तरीके से जन सुलभ बनाना योग संस्थानों का दायित्व है। योग की संस्थाएं किसी संप्रदाय या पंथ से जुड़ी नहीं हैं।" उन्होंने ये भी कहा कि कुछ लोग भ्रांतिवश एक समुदाय से जोड़ते हैं, लेकिन ऐसा बिल्कुल भी नहीं है। योग जीवन जीने की कला है, जिसे अपनाने से मनुष्य के शरीर, मन और समग्र व्यक्तित्व को लाभ मिलता है।

- भारत की पहल से योग को विश्वव्यापी सम्मान मिला
- योग को जनसुलभ और सरल बनाना संस्थाओं की जिम्मेदारी है
- भ्रांतियों से बचें, योग सबके लिए है और सभी को लाभ देता है

भारत की देन, विश्व के लिए स्वास्थ्य और सद्भाव का संदेश

राष्ट्रपति ने अपने संदेश में कहा कि योग को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाना चाहिए। कहा जाता है कि स्वास्थ्य ही संपदा है, इसलिए इस संपदा को स्वस्थ रखना हमारा कर्तव्य होना चाहिए। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर देश के उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने भी देशवासियों को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने 'एक्स' पर लिखा, "अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर हम इस प्राचीन परंपरा का उत्सव मनाते हैं। भारत का दुनिया को उपहार है, जो दुनिया भर में लाखों लोगों के लिए शांति, शक्ति और एकता लाता है। भारत की 5000 साल पुरानी सभ्यता में निहित योग की ये शाश्वत ज्ञानधारा आज सीमाओं से परे जाकर मानवता को स्वास्थ्य और सद्भाव से जोड़ रही है।

सूरत : पानी में योगाभ्यास, विशेषज्ञों ने बताए 'एक्वा योगा' के लाभ

एजेंसी। गांधीनगर

21 जून को विश्व भर में 11वां अंतरराष्ट्रीय योग दिवस बड़े उत्साह के साथ मनाया गया। गुजरात में भी इस अवसर पर विभिन्न शहरों में योग कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिसमें सूरत का 'एक्वा योगा' यानी तरण ताल में किया योग आकर्षण का केंद्र रहा। सूरत से लेकर कच्छ, जामनगर, राजकोट और वडोदरा तक, लोगों ने योग को अपनाकर स्वस्थ जीवन का संदेश दिया। सूरत के सरथाणा डोम में आयोजित योग कार्यक्रम में हजारों लोगों ने हिस्सा लिया। इस दौरान अनोखा 'एक्वा योगा' देखने को मिला, जिसमें लोगों ने स्वीमिंग पूल में पद्मासन, शीर्षासन, शवासन, पश्चिमोत्तानासन और बकासन जैसे योग आसनों का प्रदर्शन किया। एक्वा योगा इंस्ट्रक्टर रितेश दारूवाला ने कहा, इसे वाटर योगा के नाम से लोग जानते हैं। इस योग से सांस और संतुलन बेहतर होता है, जिससे न्यूरो संबंधी समस्याओं में राहत मिलती है। उन्होंने कहा, "वाटर योगा से मानसिक शांति मिलती है और बीमारियों की संभावना कम होती है।" डॉ. मनीष गोण्डलिया ने समाचार एजेंसी आईएएनएस से इसकी खूबियां बताईं। कहा, "वाटर योगा से रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है, मांसपेशियों को व्यायाम मिलता है और मानसिक शांति प्राप्त होती है। जब पूरा विश्व भारत की संस्कृति को अपनाकर योग कर रहा है, तो हमें भी इसे अपनाना चाहिए। स्वस्थ शरीर से ही राष्ट्र प्रगति करता है।"

पीएम ने विशाखापत्तनम में 3 लाख लोगों संग किया योग, दिया 'हील इन इंडिया' का भी मंत्र

एजेंसी। विशाखापत्तनम

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विशाखापत्तनम में 3 लाख लोगों और 40 देशों के राजनयिकों संग योग किया। इस भव्य आयोजन में आंध्र प्रदेश के सीएम चंद्रबाबू नायडू भी शामिल हुए। इस बार की योग की थीम 'एक पृथ्वी, एक स्वास्थ्य के लिए योग' है। मंच से पीएम मोदी ने दुनिया को योग को मानवता की भलाई के लिए उठाया गया सामूहिक प्रयास करार दिया। पीएम मोदी ने कहा कि योग का मतलब होता है- जोड़ना। और ये देखना सुखद है कि कैसे योग ने पूरी दुनिया को जोड़ा है। पीएम मोदी ने आगे कहा, " आज की दुनिया में ऐसी एकता और ऐसा समर्थन सामान्य बात नहीं है। ये सिर्फ एक प्रस्ताव का समर्थन नहीं था। बल्कि मानवता के भले के लिए दुनिया का सामूहिक प्रयास था।"

प्रधानमंत्री ने कहा कि दुर्भाग्य से दुनिया तनाव, अशांति और अस्थिरता से गुजर रही है। कई क्षेत्रों में यह स्थितियां लगातार बढ़ती जा रही हैं। ऐसे समय में योग हमें शांति का रास्ता दिखाता है। योग उस 'पॉज बटन' की तरह है जिसकी इंसानियत को जरूरत है- ताकि हम रुक सकें, सांस ले सकें, संतुलन बना सकें और फिर से खुद को पूर्ण महसूस कर सकें।

प्रकृति से एकात्मता व स्वास्थ्य का संदेश

पीएम मोदी ने इस बार की थीम को सच दर्शाने वाली बताया। उन्होंने कहा कि इस साल के अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की थीम है- 'एक धरती, एक स्वास्थ्य के लिए योग'। यह थीम एक गहरी सच्चाई को दर्शाती है: धरती पर मौजूद हर चीज का स्वास्थ्य एक-दूसरे से जुड़ा हुआ है। मनुष्य की भलाई उस मिट्टी की सेहत पर निर्भर है जिसमें हमारा भोजन उगता है, उन नदियों पर निर्भर है जो हमें पानी देती हैं, उन जानवरों पर जो हमारे इकोसिस्टम का हिस्सा हैं, और उन पेड़ों-पौधों पर जो हमें पोषण देते हैं। योग हमें इस आपसी जुड़ाव का एहसास कराता है, हमें दुनिया से एकात्मता की ओर ले जाता है और सिखाता है कि हम अकेले अस्तित्व में नहीं हैं, हम प्रकृति का हिस्सा हैं।

योग भारतीय की अनुपम देन, इसे बढ़ाने का श्रेय पीएम मोदी को : सीएम

गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि योग भारतीय मनीषा की अनुपम देन है। योग को लोक कल्याण का माध्यम बनाकर भारत ने विश्व कल्याण का मार्ग प्रशस्त किया। यही वजह है कि आज 11वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर भारत ही नहीं बल्कि दुनिया के करीब 190 देश भारतीय योग की विरासत के साथ जुड़कर गौरवान्वित हो रहे हैं।

सीएम योगी 11वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर शनिवार सुबह गोरखनाथ मंदिर में योगाभ्यास करने के पूर्व योग साधकों, प्रशिक्षुओं को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की बधाई दी। महंत दिग्विजयनाथ स्मृति सभागार में आयोजित कार्यक्रम में उन्होंने कहा कि योग भारत की ऋषि परंपरा का ऐसा मंत्र है जो स्वस्थ काया के साथ स्वस्थ मस्तिष्क भी उपलब्ध कराता है। भारतीय मनीषा ने योग के महत्व को प्राचीनकाल से ही विस्तृत रूप से अवगत कराते हुए कहा है, 'शरीरमाद्यं खलु धर्म साधनम्'। (शरीर ही धर्म के पालन का साधन है)। सीएम योगी ने कहा कि मानव जीवन के चारों पुरुषार्थ धर्म, अर्थ काम, मोक्ष की प्राप्ति स्वस्थ शरीर से ही संभव है।

तमिलनाडु के राज्यपाल की फिटनेस देख सभी हैरान

- 73 की उम्र में लगी दीं 51 पुश-अप्स

तमिलनाडु। राज्यपाल रवींद्र नारायण रवि ने शनिवार सुबह मदुरै के वेलाम्मल शैक्षणिक संस्थान में आयोजित अंतरराष्ट्रीय योग दिवस समारोह के दौरान हजारों लोगों को आश्चर्यचकित कर दिया। 10,000 से अधिक छात्रों के साथ भाग लेते हुए, 73 वर्षीय राज्यपाल ने न केवल योग सत्र के दौरान उदाहरण प्रस्तुत किया, बल्कि एक ऐसा अद्भुत प्रदर्शन भी किया, जिसने उम्र और युवावस्था के बीच की रेखाओं को धुंधला कर दिया। ट्रैकसूट और बनियान पहने, पारंपरिक औपचारिक पोशाक से दूर, राज्यपाल ने दिन की भावना को ऊर्जा के साथ अपनाया, जो उनकी उम्र को झुठलाती थी। भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) प्रशिक्षण पृष्ठभूमि का लाभ उठाते हुए, उन्होंने प्रत्येक योग आसन को सटीकता और संतुलन के साथ किया। सत्र का सबसे महत्वपूर्ण क्षण तब आया जब उन्होंने योग सत्र के बाद बिना किसी प्रयास के लगातार 51 पुश-अप पूरे किए, जिससे दर्शकों में उत्साह भर गया।

हरियाणा में 11वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस का उत्साह

- जिलों में योगाभ्यास का आयोजन

हरियाणा। हरियाणा के विभिन्न जिलों में 11वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर योग के प्रति लोगों में खासा उत्साह देखने को मिला। बहादुरगढ़ से लेकर पानीपत, करनाल और यमुनानगर तक, लोगों ने योग के जरिए स्वस्थ जीवन का संदेश दिया। विभिन्न आयोजनों में तैराकों, स्कूली बच्चों, नेताओं, अधिकारियों और समाजसेवियों ने हिस्सा लिया। इन कार्यक्रमों में योग के महत्व को रेखांकित करते हुए इसे न केवल शारीरिक, बल्कि मानसिक स्वास्थ्य के लिए भी जरूरी बताया गया। इस दौरान स्विमिंग पूल में तैराकों का अनोखा योग देखने के लिए मिला। बहादुरगढ़ में तैराकों ने स्विमिंग पूल में योग कर सभी का ध्यान आकर्षित किया। भारतीय तैराकी संघ के उपाध्यक्ष अनिल खत्री ने तैराकों के साथ योग मुद्राएं की और स्वास्थ्य का संदेश दिया। तैराकों ने एक स्वर में कहा, "योग से मन और शरीर स्वस्थ रहता है।

सीतारमण ने फरीदाबाद में एजेएनआईएफएम में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस समारोह में भाग लिया

नई दिल्ली। केंद्रीय वित्त एवं कॉरपोरेट कार्य मंत्री निर्मला सीतारमण शनिवार को दिल्ली-एनसीआर के फरीदाबाद स्थित अरुण जेटली राष्ट्रीय वित्तीय प्रबंधन संस्थान (एजेएनआईएफएम) में 11वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस-2025 समारोह में शामिल हुईं। वित्त मंत्रालय ने एक बयान में बताया कि एजेएनआईएफएम में उपस्थित लोगों ने विशाखापत्तनम से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के संबोधन को भी सुना, जिसके बाद मोरारजी देसाई योग संस्थान के योग साधकों के मार्गदर्शन में योग सत्र का आयोजन किया गया।

एक सैनिक को शारीरिक और मानसिक रूप से तैयार करता है योग: राजनाथ सिंह

उधमपुर। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने योग के प्रति सशस्त्र बल जवानों के रुझान की सराहना करते हुए कहा कि यह अभ्यास सैनिकों को शारीरिक और मानसिक रूप से तैयार करता है और युद्ध के मैदान में इसका लाभ देखा जा सकता है। रक्षा मंत्री ने उधमपुर के उत्तरी कमान मुख्यालय में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर शनिवार को सामूहिक योग प्रदर्शन का नेतृत्व किया जिसमें 2,500 सैनिकों के साथ विभिन्न आसन और श्वांस अभ्यास किए गए। थल सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी और उत्तरी कमान के जनरल ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ लेफ्टिनेंट जनरल प्रतीक शर्मा भी शामिल हुए।

पीएम मोदी के प्रयास से योग मदरसे तक पहुंचा

अभ्यास से किसी धर्म को कोई नुकसान नहीं : वसीम खान

एजेंसी। मुंबई

11वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर शनिवार को मदरसों के छात्रों ने योग किया। भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष वसीम खान भी इसका हिस्सा बने। उन्होंने इस आयोजन को अनुपम बताते हुए कहा कि पीएम मोदी के प्रयास से योग मदरसे तक में मनाया जाने लगा है।

भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा अध्यक्ष वसीम खान ने कहा, "अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की सभी को बधाई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने साल 2014 से योग को पूरी दुनिया में ले जाने का काम किया है। आज पूरा विश्व योग दिवस मना रहा है। पीएम मोदी के प्रयास से योग मदरसे तक में मनाया जाने लगा है। योग हमारे स्वास्थ्य के लिए बहुत जरूरी है। मेरा आग्रह है कि सभी लोग अपने जीवन में योग को शामिल करें। योग हमारे देश की प्राचीन परंपरा का अभिन्न अंग है।"समाचार एजेंसी आईएएनएस से बातचीत में योग पर सियासत करने वालों पर वसीम खान ने कहा, "हमारे देश की एकता और सद्भावना बिगाड़ने का काम कुछ लोग कर रहे हैं। ये लोग चाहते हैं कि मुसलिम समाज और मदरसे एक दायरे में सीमित रहें। आज मुस्लिम समुदाय भलीभांति समझ चुका है कि उसके लिए अच्छा और बुरा क्या है?

डीजीसीए ने एयर इंडिया को बिना देरी के 3 वरिष्ठ अधिकारियों को हटाने का दिया निर्देश

एजेंसी। नई दिल्ली

नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने क्रू शेड्यूलिंग प्रोटोकॉल में गंभीर खामियों को लेकर एयर इंडिया के खिलाफ कड़ी कार्रवाई शुरू की, जिसमें तीन वरिष्ठ अधिकारियों को रोस्टरिंग डिपार्टमेंट से तत्काल हटाने का निर्देश दिया गया। इस पर एयरलाइन ने शनिवार को कहा कि उसने नियामक के निर्देश को स्वीकार कर लिया है और आदेश को लागू कर दिया है। डीजीसीए ने एयर इंडिया को क्रू शेड्यूलिंग और रोस्टरिंग से जुड़ी सभी भूमिकाओं और जिम्मेदारियों से तीन अधिकारियों को हटाने का आदेश दिया।विमानन नियामक द्वारा जारी एक औपचारिक निर्देश के अनुसार, नियामक ने इन तीन अधिकारियों को अनधिकृत और गैर-अनुपालन वाले क्रू पेयरिंग, अनिवार्य लाइसेंसिंग आवश्यकताओं के उल्लंघन और फ्लाइट क्रू रीसेंसी मानदंडों का पालन करने में विफलता सहित कई उल्लंघनों के लिए सीधे तौर पर जिम्मेदार ठहराया। डीजीसीए ने स्थिति को शेड्यूलिंग प्रक्रियाओं और पर्यवेक्षी निरीक्षण दोनों में सिस्टम की एक बड़ी विफलता बताया है। एयर इंडिया के प्रवक्ता ने कहा कि अंतरिम अवधि में कंपनी के मुख्य परिचालन अधिकारी इंटीग्रेटेड ऑपरेशन्स कंट्रोल सेंटर (आईओसीसी) पर सीधी निगरानी रखेंगे।

आज का राशिफल

मेष : कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सवेरे निपटा लें। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी।

वृष : शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। बुरी संगति से बचें। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी ड्क्षचता रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना। मित्रों से सावधानी रखें तो ज्यादा उत्तम है।

मिथुन : शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रखें। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे।

कर्क : रुपये पैसों की सुविधा नहीं मिल पाएगी। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा। यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। मेहमानों का आगमन होगा।

सिंह : समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। नवीन जिम्मेदारी बढने के आसार रहेंगे। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम को प्राथमिकता से करें। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे है। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते है। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा।

कन्या : आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे है। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते हैं। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा।

तुला : निर्मूल शंकाओं के कारण मनस्ताप भी पैदा हो सकते है। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। बुद्धितत्व की सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। कुछ महत्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होंगी।

वृश्चिक : घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। बढ़ते घाटे से कुछ राहत मिलने लगेगी। दवा-दारू में ज्यादा खर्च होगा। हाथ में आने वाला धन भी किसी अवरोध का शिकार हो जाएगा। व्यापार में स्थिति उत्तम रहेगी। धार्मिक स्थलों की यात्रा का योग है।

धनु : चापलूस मित्रों से सावधानी रखें तो ज्यादा उत्तम है। शत्रुभय, ड्क्षचता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। शैक्षणिक क्षेत्र में उदासीनता रहेगी। सब्र का फल मीठा होता है अत:धैर्य रखें व अच्छे समय इन्तजार करें।

मकर : थोड़े प्रयास से कार्य सिद्ध होंगे। घर-परिवार में मांगलिक कार्य सम्पन्न होने से वातावरण आनन्द देने वाला बना रहेगा। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। सुबह-सुबह की महत्त्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन-भर उत्साह बना रहेगा। किये गए कार्यों का प्रतिफल मिलेगा।

कुंभ : कुछ प्रतिकूल गोचर का क्षोभ दिन-भर रहेगा। दिन-भर का माहौल आडंबरपूर्ण और व्ययकारी होगा। वरिष्ठ लोगों से कहासुनी वातावरण में तनाव पैदा करेंगे। संयमित भाषा का इस्तेमाल करें। आवेग में आकर किये गए कार्यों का मलाल, अवसाद रहेगा। जरा-सी लापरवाही आपको परेशानी में डाल सकती हैं।

मीन : प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। कई प्रकार के हर्ष उल्लास के बीच अप्रत्याशित लाभ होंगे। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा।

चुनाव आयोग ने गोपनीयता का हवाला देकर वेबकास्ट फुटेज साझा करने से किया इंकार

एजेंसी। नई दिल्ली

- राहुल को झटका, चुनाव आयोग ने इस मांग को मानने से किया इनकार

कांग्रेस सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी की मांग के बाद चुनाव आयोग ने शनिवार को मतदान केंद्रों की वेबकास्टिंग की सीसीटीवी फुटेज साझा करने से इनकार करते हुए गोपनीयता और कानूनी बाधाओं का हवाला दिया। यह राहुल गांधी द्वारा चुनाव आयोग से महाराष्ट्र सहित सभी राज्यों के लोकसभा और विधानसभा के हालिया चुनावों के लिए समेकित, डिजिटल, मशीन-पठनीय मतदाता सूची प्रकाशित करने का आह्वान करने के बाद आया है, जिसमें उन्होंने कहा था कि सच बताने से चुनाव आयोग की विश्वसनीयता की रक्षा होगी। चुनाव आयोग ने कहा कि चुनाव के दिन मतदान केंद्रों से वीडियो या सीसीटीवी फुटेज जारी करने की वैध अपील मतदाताओं की गोपनीयता और सुरक्षा को कमजोर करती है, जो जनप्रतिनिधित्व अधिनियम और सुप्रीम कोर्ट के दिशा-निर्देशों का खंडन करती है। इसमें कहा गया है, "जिसे बहुत तार्किक मांग के रूप में छिपाया जा रहा है, वह वास्तव में मतदाताओं की गोपनीयता और सुरक्षा संबंधी चिंताओं, जनप्रतिनिधित्व अधिनियम, 1950/1951 में निर्धारित कानूनी स्थिति और भारत के सर्वोच्च न्यायालय के निर्देशों के बिल्कुल विपरीत है।"चुनाव आयोग ने कहा, "फुटेज को साझा करने से किसी भी समूह या व्यक्ति द्वारा मतदाताओं की आसानी से पहचान की जा सकेगी, जिससे वोट देने वाले मतदाता और वोट न देने वाले मतदाता दोनों ही असामाजिक तत्वों द्वारा दबाव, भेदभाव और धमकी के प्रति संवेदनशील हो जाएंगे।" इसने कहा कि यदि किसी विशेष राजनीतिक दल को किसी विशेष बूथ पर कम वोट मिलते हैं, तो वह सीसीटीवी फुटेज के माध्यम से आसानी से पहचान सकेगा कि किस मतदाता ने वोट दिया है।

अवैध रूप से रह रहे चार बांग्लादेशी नागरिकों को गिरफ्तार कर वापस भेजा

नई दिल्ली। दिल्ली में अवैध रूप से रह रहे चार और बांग्लादेशी नागरिकों को गिरफ्तार किया गया है। दक्षिण पश्चिम जिले के ऑपरेशन सेल की टीम ने यह कार्रवाई की। गिरफ्तार बांग्लादेशी नागरिक अपने वीजा की अवधि समाप्त होने के बाद भी भारत में रह रहे थे। दिल्ली पुलिस ने बताया कि उन्होंने दिल्ली में अवैध रूप से रहने के लिए होटलों का इस्तेमाल किया। फिलहाल उन्हें विदेशी क्षेत्रीय पंजीकरण कार्यालय (एफआरआरओ), दिल्ली के माध्यम से बांग्लादेश भेज दिया गया है। दिल्ली पुलिस राजधानी में अवैध रूप से रहने वाले बांग्लादेशी नागरिकों को लेकर लगातार अभियान चला रही है। हालिया दिनों में पुलिस ने वैध भारतीय दस्तावेजों के बिना दिल्ली में रहने वाले व्यक्तियों की पहचान करने, उन्हें हिरासत में लेने और उन्हें वापस भेजने के प्रयास तेज किए हैं। इसी क्रम में दक्षिण पश्चिम जिला पुलिस ने कार्रवाई करते हुए चार बांग्लादेशी नागरिकों को पकड़ा। दिल्ली पुलिस के मुताबिक, सभी चार बांग्लादेशी नागरिकों की पहचान की गई। इनमें दो नागरिक ढाका में अलग-अलग जगह के रहने वाले थे, जबकि एक नागरिक बांग्लादेश के मीरगंज और दूसरा व्यक्ति खर्रा का रहने वाला था।

बिहार : सरकार ने बढ़ाई सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना की राशि

वृद्धजनों, विधवा महिलाओं को अब प्रतिमाह मिलेंगे 1100 रुपए

एजेंसी। पटना

- **लाभार्थियों की संख्या:** इस योजना से 1 करोड़ 9 लाख 69 हजार 255 लाभार्थी लाभान्वित होंगे
- **भुगतान तिथि:** प्रत्येक माह की 10 तारीख को लाभार्थियों के खाते में राशि भेजी जाएगी

बिहार में इस साल अक्टूबर और नवंबर में विधानसभा चुनाव होने वाला है। इससे पहले बिहार सरकार ने बड़ा फैसला लेते हुए सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना राशि में बढ़ोतरी की है और बुजुर्गों, दिव्यांगजनों और विधवा महिलाओं की मासिक पेंशन 400 रुपये से बढ़ाकर 1100 रुपये कर दी है। इसकी जानकारी खुद मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने सोशल मीडिया के जरिए लोगों को दी है।

मुख्यमंत्री ने सोशल नेटवर्किंग साइट एक्स पर एक पोस्ट करते हुए लिखा, "मुझे यह बताते हुए खुशी हो रही है कि सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना के तहत सभी वृद्धजनों, दिव्यांगजनों और विधवा महिलाओं को अब हर महीने 400 रुपये की जगह 1100 रुपये पेंशन मिलेगी। सभी लाभार्थियों को जुलाई महीने से पेंशन बढ़ी हुई दर पर मिलेगी। सभी लाभार्थियों के खाते में यह राशि महीने की 10 तारीख को भेजना सुनिश्चित किया जाएगा। इससे 1 करोड़ 9 लाख 69 हजार 255 लाभार्थियों को काफी मदद मिलेगी।" मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने आगे लिखा, "वृद्धजन समाज का अमूल्य हिस्सा हैं। उनका सम्मानजनक और सुरक्षित जीवन सुनिश्चित करना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। राज्य सरकार इस दिशा में लगातार प्रयासरत है और आगे भी रहेगी।" इधर, सरकार की इस घोषणा के बाद जदयू के प्रवक्ता नीरज कुमार ने कहा कि सरकार का यह फैसला स्वागत योग्य है। एनडीए सरकार ने वृद्धजनों, दिव्यांगजनों और विधवा महिलाओं और समाज के हर तबके के लिए कार्य करना नीतीश कुमार की कार्यशैली रही है। नीतीश कुमार धर्म, जाति नहीं बल्कि लोगों की पात्रता के आधार को अहम मानते हैं। वृद्धजनों का आशीर्वाद प्राप्त करना, दिव्यांगजनों का स्नेह प्राप्त करना उनकी कार्यशैली रही है।

क्रांति का एलान | नेताजी ने कांग्रेस को अलविदा कह फॉरवर्ड ब्लॉक का किया था गठन

इतिहास के सुनहरे अक्षरों में दर्ज है 22 जून 1939 का दिन

- आईसीएस जैसी प्रतिष्ठित नौकरी छोड़कर स्वतंत्रता संग्राम का मार्ग चुना

एजेंसी। नई दिल्ली

भारत की आजादी की लड़ाई में कुछ नाम ऐसे हैं, जो इतिहास के पन्नों में दर्ज हैं। उनमें सबसे ऊपर चमकता नेताजी सुभाष चंद्र बोस का नाम है। जिनके जुनून और जज्बे ने अंग्रेजी हुकूमत की नींव हिला दी।

23 जनवरी 1897 में ओडिशा के कटक में जन्मे सुभाष चंद्र बोस बचपन से ही तेज-तर्रार थे। पढ़ाई में अव्वल, लेकिन मन में देशभक्ति का ज्वार ऐसा कि उन्होंने आईसीएस की नौकरी ठुकरा दी। बोस ने कहा, "अंग्रेजों की गुलामी में नौकरी? नहीं, मैं तो आजादी का सिपाही बनूंगा!" यहीं से शुरू हुआ एक क्रांतिकारी का सफर। कांग्रेस में गांधीजी के साथ काम करते हुए सुभाष ने महसूस किया कि सिर्फ अहिंसा से काम नहीं चलेगा। उनका नारा था, "तुम मुझे खून दो, मैं तुम्हें आजादी दूंगा!" यह नारा सुनकर नौजवानों का खून खौल उठता था। 1939 में कांग्रेस अध्यक्ष बनने के बाद भी जब उनकी बात नहीं मानी गई, तो सुभाष ने अपना रास्ता चुना।

भारत के स्वतंत्रता संग्राम की गाथा में एक नया अध्याय तब जुड़ा, जब नेताजी सुभाष चंद्र बोस ने कांग्रेस से अलग होकर अपने बुलंद हौसलों के साथ 'फॉरवर्ड ब्लॉक' की नींव रखी। यह 22 जून 1939 का वह ऐतिहासिक दिन था, जब नेताजी ने अपने क्रांतिकारी विचारों को नया आकार देने का फैसला किया। यह नेताजी के उस जुनून का प्रतीक था, जो भारत को ब्रिटिश हुकूमत की जंजीरों से मुक्त कराने के लिए तड़प रहा था। नेताजी ने युवाओं को जोड़ा, जिनके दिल में देशभक्ति की आग धधक रही थी। फॉरवर्ड ब्लॉक ने न केवल आजादी की मांग को और मुखर किया, बल्कि समाजवादी विचारों को भी बढ़ावा दिया, ताकि आजाद भारत में समानता और न्याय का सपना साकार हो नेताजी का यह कदम उस समय के राजनीतिक गलियारों में भूचाल लाने वाला था। कांग्रेस के बड़े-बड़े दिग्गज हैरान थे, और ब्रिटिश सरकार की नींद उड़ गई थी। फॉरवर्ड ब्लॉक ने न केवल भारत में, बल्कि विदेशों में भी स्वतंत्रता संग्राम को नई ऊर्जा दी।

नेताजी की क्रांति का बुलंद ऐलान

नेताजी का मानना था कि आजादी की लड़ाई को और तेज करना होगा। वे चाहते थे कि भारत छलांग लगाए, न कि छोटे-छोटे कदमों से आगे बढ़े। कांग्रेस की नीतियों से असहमति के चलते नेताजी ने 1939 में कांग्रेस अध्यक्ष पद से इस्तीफा दे दिया। नेताजी रुकने वालों में से थे। उन्होंने तुरंत अपने समर्थकों को एकजुट किया और 'फॉरवर्ड ब्लॉक' की स्थापना की, जिसका मकसद "आजादी, अब और अभी!" था। फॉरवर्ड ब्लॉक कोई साधारण संगठन नहीं था।

क्या वैज्ञानिकों ने मानव उम्र बढ़ाने का तरीका खोज लिया है?

-ब्यूरो

वैज्ञानिकों का कहना है लंबी आयु पाने में मदद करेगी तीन रणनीति

वैज्ञानिकों का कहना है कि लंबी आयु पाने में मदद करने वाली तीन रणनीतियों में से, कम खाना, रैपामाइसिन लेना और मेटफार्मिन का सेवन करना, जीवन काल बढ़ाने का सबसे भरोसेमंद तरीका है, चाहे जानवर का लिंग कुछ भी हो, कम खाना। उन्होंने यह भी नोट किया कि जीवन काल बढ़ाने की दूसरी सबसे प्रभावी रणनीति रैपामाइसिन लेना था, जबकि मेटफॉर्मिन का कोई खास प्रभाव नहीं था। हालांकि, वैज्ञानिकों ने कहा कि जानवरों पर रैपामाइसिन का प्रभाव लगातार नहीं था, क्योंकि, कुछ मामलों में, अध्ययनों से पता चला है कि कम खाने या रैपामाइसिन लेने से जानवर का जीवनकाल कम हो जाता है। यहाँ ध्यान देने वाली एक और बात यह है कि इनमें से ज्यादातर सकारात्मक प्रभाव चूहों पर थे, जिनके जीन मनुष्यों के समान होते हैं, लेकिन बिल्कुल समान नहीं होते हैं। और चूंकि रैपामाइसिन के कुछ साइड इफेक्ट भी हैं, जैसे कम प्रतिरक्षा, इसलिए वैज्ञानिक अब यह देखने की कोशिश कर रहे हैं कि क्या दवा की कम खुराक साइड इफेक्ट के बिना कुछ फायदा देती है। मनुष्यों पर चल रहे रैपामाइसिन परीक्षण के अनुसार, यह देखा गया कि दवा की कम खुराक जीवन काल बढ़ाने में मदद कर सकती है। लेकिन अभी तक परीक्षण जारी है और परिणाम आने में कुछ वर्ष लगेंगे।

नई दिल्ली। एक नए अध्ययन में दावा किया गया है कि रैपामाइसिन, एक दवा जो अंग प्रत्यारोपण अस्वीकृति को रोकने के लिए एक प्रतिरक्षादमनकारी के रूप में उपयोग की जाती है, हमें लंबे समय तक जीने में मदद कर सकती है।दशकों से, वैज्ञानिक मानव जीवन को बढ़ाने का तरीका खोजने की कोशिश कर रहे हैं, और जबकि अध्ययनों से पता चला है कि चुनिंदा प्रयोगशाला जानवर कम खाने से लंबे समय तक जीवित रह सकते हैं, उन्होंने मनुष्यों पर ये अध्ययन नहीं किए हैं। प्रयोगशाला चूहों पर एक सदी पुराने अध्ययन से पता चला है कि जो चूहे कम खाते हैं वे अक्सर अपने समकक्षों से अधिक जीवित रहते हैं, लेकिन अधिकांश मनुष्यों के लिए स्थायी आहार का पालन करना लगभग असंभव हो सकता है। हालांकि, ईस्ट एंग्लिया विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ बायोलॉजिकल साइंसेज द्वारा किए गए एक नए अध्ययन में दावा किया गया है कि एफडीए द्वारा अनुमोदित दवाओं का संयोजन जो आहार के प्रभावों की नकल करता है, लंबे जीवन का उत्तर हो सकता है। दो दवाएं - रैपामाइसिन और मेटफार्मिन चूहों के जीवन काल को 30 प्रतिशत तक बढ़ाने के लिए जानी जाती हैं। रैपामाइसिन, जो पहली बार 1970 के दशक में ईस्टर द्वीप की मिट्टी पर रहने वाले बैक्टीरिया में पाया गया था, पारंपरिक रूप से अंग प्रत्यारोपण अस्वीकृति को रोकने के लिए एक शक्तिशाली प्रतिरक्षादमनकारी के रूप में इस्तेमाल किया जाता रहा है। यह दवा एक विशेष स्विच को निष्क्रिय करके काम करती है जिसका उपयोग कोशिकाओं को सूचित करने के लिए किया जाता है कि किसी कोशिका में पोषक तत्वों की प्रचुरता है। मेटफॉर्मिन के लिए, यह एक सिंथेटिक यौगिक है जो फ्रेंच लिलाक या बकरी के रूप में पाया जाता है, जिसे डॉक्टर टाइप 2 मधुमेह में शर्करा के स्तर को नियंत्रित करने के लिए लिखते हैं। चूंकि इन दोनों दवाओं का उपयोग मानव शरीर में पोषक तत्वों और ऊर्जा के स्तर को समझने के लिए किया जाता है, इसलिए जीव विज्ञानी यह देखना चाहते थे कि क्या इन दवाओं के संयोजन का कम खाने के समान प्रभाव हो सकता है। उनके प्रभावों के बारे में अधिक जानने के लिए, वैज्ञानिकों का कहना है कि उन्होंने हजारों मौजूदा अध्ययनों की जांच की और 167 अध्ययनों के बारे में जाना जो मछली और बंदरों जैसी आठ कशेरुक प्रजातियों पर केंद्रित थे, जिससे उन्हें इस बारे में विस्तृत जानकारी मिली कि ये दवाएँ जानवरों को कैसे प्रभावित करती हैं।

एंटीबॉडी के स्तर में गिरावट के कारण हर 6 से 9 महीने में देखा जा रहा है कोरोना का प्रकोप

-ब्यूरो

नई दिल्ली। विश्व के तमाम देशों में कोरोनावायरस संक्रमण तेजी से बढ़ते हुए देखे गए। भारत में 15 जून को जहां कुल एक्टिव केस लगभग 7400 थे, वह 21 जून को घटकर लगभग 5012 रह गए हैं। बीते 24 घंटे में 1197 लोग या तो संक्रमण से ठीक हो चुके हैं या अस्पताल से ठीक होकर घर लौट गए हैं। राजस्थान में एक व्यक्ति की कोरोना से मृत्यु जरूर हुई है, मृतक की उम्र 20 वर्ष की थी। साझा की गई जानकारियों के मुताबिक उसे मल्टीपल ऑर्गन डिसफंक्शन सिंड्रोम, लंग्स की समस्या के साथ कोरोना का संक्रमण हो गया था, जिसके कारण स्थिति गंभीर होती गई और मृत्यु हो गई। स्वास्थ्य विशेषज्ञों का कहना है कि कोरोना को हल्के में लेने की भूल नहीं करनी चाहिए। वायरस हमेशा हमारे आसपास ही रहता है और नए म्यूटेशन या लोगों की कमजोर होती इम्यूनिटी के कारण बार-बार एक्टिव हो जाता है। इस खतरे को ध्यान में रखते हुए सभी लोगों को निरंतर सावधानी बरतते रहने की आवश्यकता है, हमें कोरोना के साथ रहना सीख लेना होगा। भारत में कोरोना के दो वैरिएंट्स निंबस व स्ट्राटस सबसे ज्यादा प्रभावी देखे जा रहे हैं। एनबी.1.8.1 को अनौपचारिक रूप से "निंबस" उपनाम दिया गया है, वहीं एक्सएफजी को स्ट्राटस कहा जा रहा है।

हाल ही में एक रिपोर्ट में आईसीएमआर-एनआईवी पुणे के निदेशक डॉ नवीन कुमार ने बताया कि एक्सएफजी और एनबी.1.8.1 के साथ जेएन.1 और एलएफ.7 वैरिएंट भी यहां सक्रिय देखे गए हैं। अभी तक इन वैरिएंट्स को ज्यादा गंभीर नहीं पाया गया है हालांकि हर म्यूटेशन के साथ इसकी संक्रामकता दर जरूर बढ़ती जाती है जिसको लेकर सावधानी बरतना जरूरी है।कोविड विशेषज्ञों का कहना है कि फ्लू वायरस की ही तरह से कोरोनावायरस भी हमेशा हमारे बीच रहने वाला है, इसलिए हमें इस वायरस के साथ जीना सीख लेना होगा। कोरोना से सुरक्षित रहने के लिए उच्च जोखिम समूह, 65 साल से ज़्यादा उम्र, कोमोरबिडिटी के शिकार, वाले लोगों को सालाना डॉक्टर की सलाह के आधार पर कोविड-19 टीकाकरण जरूर कराना चाहिए। चाइनीज यूनिवर्सिटी ऑफ हांगकांग में श्वसन चिकित्सा के प्रोफेसर डेविड हुई शू-चियोंग कहते हैं, वैश्विक आबादी में एंटीबॉडी के स्तर में गिरावट के कारण हर छह से नौ महीने में कोरोना का प्रकोप देखा जाता रहा है, ये आगे भी देखा जाता रह सकता है। इससे बचाव को लेकर हमें पहले से अलर्ट रहने की आवश्यकता है। प्रोफेसर डेविड कहते हैं, मौजूदा प्रकोप अप्रैल में शुरू हुआ और मई के अंत तक पीक पर पहुंच गया था हालांकि अब ये कम होने लगा है। वर्तमान लहर जुलाई या अगस्त तक समाप्त हो सकती है। पर हमें इस बात को लेकर सावधान रहना होगा कि अगले 6-9 महीनों में वायरस फिर से एक नए म्यूटेशन के साथ वापस आ सकता है। इस तरह के श्वसन रोगों के खतरे से बचे रहने के लिए उच्च जोखिम वाले समूहों के लिए वार्षिक कोविड-19 के साथ फ्लू टीकाकरण जरूर हो जाता है, ताकि अगली लहर में आप गंभीर समस्या से बचे रह सकें। उच्च जोखिम वाले समूह लोगों का मतलब क्रॉनिक बीमारियों (हाई ब्लड प्रेशर, हृदय रोग, डायबिटीज) के शिकार, बुजुर्ग व कमजोर इम्युनिटी वाले लोगों में संक्रमण की स्थिति में गंभीर रोग विकसित होने का खतरा अधिक देखा जाता रहा है। संक्रमित होने पर निमोनिया, श्वसन विफलता या यहां तक कि मृत्यु का भी खतरा हो सकता है इसलिए जरूरी है कि आप टीकाकरण कराते रहे और शरीर की प्रतिरोधक क्षमता को संक्रमण से मुकाबले के लिए एक्टिव रख सकें। प्रोफेसर डेविड ने कहा, चूंकि हर साल एक नया प्रकोप वापस आने का खतरा है, इसलिए उच्च जोखिम समूह वाले लोगों को सलाह दूंगा कि वे संक्रमण के खिलाफ हर साल कम से कम एक बार टीका लगवाएं।

दक्षिण पूर्व एशिया में लोगों ने किया योग

- **शारीरिक, मानसिक और पर्यावरणीय कल्याण पर दिया जोर**

बैंकॉक (आईएएनएस)

थाईलैंड, कंबोडिया और वियतनाम सहित कई दक्षिण पूर्वी एशियाई देशों ने शनिवार को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाया। साथ ही, एकता और स्थिरता के लिए योग पर जोर दिया। थाईलैंड के विभिन्न क्षेत्रों से आए 4,000 से अधिक प्रतिभागियों ने बैंकॉक के चुलालोंगकोर्न विश्वविद्यालय के ऐतिहासिक मैदान में 11वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का जश्न मनाया। बैंकॉक में भारतीय दूतावास ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, 4000 से अधिक प्रतिभागियों ने 'एक पृथ्वी, एक स्वास्थ्य के लिए योग' थीम के तहत योग किया। थाईलैंड में पिछले 100 दिनों में 30 से अधिक योग कार्यक्रम आयोजित किए गए। यह आयोजन योग के माध्यम से एकता, स्वास्थ्य और वैश्विक कल्याण को बढ़ावा देने के भारत के प्रयासों को चिह्नित करता है।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए थाईलैंड में भारतीय राजदूत नागेश सिंह ने शारीरिक, मानसिक और पर्यावरणीय कल्याण को बढ़ावा देने में योग की भूमिका पर प्रकाश डाला, जो एकता और स्थिरता के लिए वैश्विक आह्वान के अनुरूप है।

इस कार्यक्रम में बैंकॉक के गवर्नर चाडचार्ट सिट्टीपंट और चुलालोंगकॉर्न यूनिवर्सिटी के अध्यक्ष विलर्ट पुरीवाट ने भी लोगों को योग अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने बताया कि योग की बढ़ती लोकप्रियता से भारत और थाईलैंड के लोग और करीब आए हैं। उन्होंने कहा, वर्ष 2025 की थीम 'एक पृथ्वी, एक स्वास्थ्य के लिए योग' में व्यक्तिगत कल्याण और हमारे पर्यावरण के बीच संबंध पर जोर दिया गया है, जो पारंपरिक ज्ञान के माध्यम से वैश्विक सद्भाव के भारत के व्यापक दृष्टिकोण के अनुरूप है। कंबोडिया में, 11वां अंतरराष्ट्रीय योग दिवस नोम पेन्ह स्थित प्रतिष्ठित बौद्ध मंदिर, बोटुम वाटे मठ के सामने मनाया गया।

विदेश में नागरिकों की सेफ्टी भारत सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता

290 लोगों को लेकर वापस लौटी तीसरी स्पेशल फ्लाइट

- **वतन लौटने पर लगे 'हिंदुस्तान जिंदाबाद' के नारे**

नई दिल्ली (आईएएनएस)

ऑपरेशन सिंधु

'ऑपरेशन सिंधु' के तहत ईरान से तीसरी फ्लाइट शनिवार को नई दिल्ली पहुंची, जिसमें 290 भारतीय थे। इनमें 190 जम्मू कश्मीर के लोग थे। सभी अपने देश वापस लौटकर बहुत खुश हैं। इन लोगों ने 'हिंदुस्तान जिंदाबाद' के नारे लगाने के साथ भारत सरकार का आभार जताया है। विदेश मंत्रालय में सचिव (सीपीवी और ओआईए) अरुण कुमार चटर्जी ने कहा, विदेश में भारतीय नागरिकों की सेफ्टी, सिक्योरिटी और वेलफेयर हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उनके मार्गदर्शन और नेतृत्व में दो दिन पहले 'ऑपरेशन सिंधु' की शुरुआत की गई थी। इस फ्लाइट में तेहरान से 290 यात्री लौटे हैं। हम ईरान की सरकार के साथ-साथ आर्मेनिया और तुर्कमेनिस्तान के बहुत आभारी हैं, जिन्होंने हमारे नागरिकों को विशेष फ्लाइट्स के जरिए ईरान से आने-जाने में सुविधा प्रदान की।

उन्होंने आगे कहा, अभी जो फ्लाइट लैंड की है, इसमें 290 यात्री थे। इनमें 190 जम्मू और कश्मीर केंद्र शासित प्रदेश से थे। इसके अलावा हरियाणा, दिल्ली, महाराष्ट्र, पश्चिम बंगाल और कर्नाटक राज्यों से भी लोग थे। इसलिए उनकी मुस्कान ही हम सभी के लिए सबसे बड़ा इनाम था। अरुण कुमार चटर्जी ने आगे बताया, ऑपरेशन सिंधु के तहत इजरायल में मौजूद भारतीय नागरिकों को वेबसाइट पर रजिस्ट्रेशन के लिए कहा गया है। इसलिए एक बार जब नागरिक वहां रजिस्ट्रेशन करा लेंगे, तो हम उनके लिए स्पेशल इवैक्युएशन फ्लाइट की व्यवस्था करेंगे, जिसके लिए विभिन्न एयरलाइन्स के साथ काम किया जा रहा है। 'ऑपरेशन सिंधु' अभी शुरू हुआ है। इसे अभी दो दिन ही हुए हैं। आज तीसरा दिन है, इसलिए निश्चिंत रहें। कई फ्लाइट्स आएंगी और इन देशों से हमारे नागरिकों को वापस लाएंगी। हम यह सुनिश्चित करना चाहते हैं कि उनकी सलामती के साथ-साथ उनकी भलाई का भी प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन में ध्यान रखा जाए।

अपने वतन वापस लौटीं एलिया वतूल ने कहा, ईरान में हमें भारत सरकार की ओर से फाइव स्टार होटल मिला। एक डर था, हमें पता नहीं था कि अगले पल क्या हो जाएगा। लेकिन, हमें पता था कि भारत सरकार को हमारी फिक्र है। हमें पता था कि हम सही सलामत अपने देश आएंगे।

भारत लौटे मौलाना सैय्यद मोहम्मद सईद ने बताया, ईरान में जंग के हालात हैं, लेकिन वहां के लोगों ने भी काफी सहयोग किया। हमारे दूतावास और विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने बहुत सपोर्ट किया है। दूतावास ने हमें तुरंत सेफ जोन में पहुंचाया और हमारे लिए फ्लाइट उपलब्ध करवाई।

स्विस बैंकों में भारतीयों का जमा पैसा 2023 के मुकाबले 2024 में 3 गुना बढ़ा

-ब्यूरो

नई दिल्ली। स्विस बैंक शुरू हुआ 17वीं सदी में तथा 1713 में स्विट्जरलैंड में गोपनीयता के कड़े कानून बनाए गए। लेकिन 275 वर्ष बाद 1998 में यूनियन बैंक ऑफ स्विट्जरलैंड और स्विस बैंक कॉर्पोरेशन के मिलने से यूबीएस बना, जिसको आज 'स्विस बैंक' के नाम से जाना जाता है।ये बैंक पैसे जमा करने के साथ-साथ इन्वेस्टमेंट व फाइनेंशियल सर्विसेज भी देते हैं। ऐसे स्विस बैंकों में भारतीयों का जमा पैसा 2023 के मुकाबले 2024 में तीन गुना बढ़कर 3.5 अरब स्विस फ्रैंक हो गया है। भारतीय रुपए में यह लगभग 37,600 करोड़ रुपए होता है। तीन गुना ज्यादा है। तब ये रकम लगभग 11,000 करोड़ रूपये थी। ये 2021 के बाद सबसे ज्यादा रकम है, तब लगभग 41 हजार करोड़ रूपये थी। मालूम हो कि इस दौरान व्यक्तिगत ग्राहकों के खातों में जमा राशि 11% बढ़ी है, जो लगभग 3,675 करोड़ रुपए है। जो कुल रकम का लगभग 10वां हिस्सा ही व्यक्तिगत खातों से है। बाकी पैसा बैंकों, वित्तीय संस्थानों, बॉन्ड्स व सिक्योरिटीज जैसे रास्तों से आया है।ये आंकड़े स्विस नेशनल बैंक (एसएनबी) के आधिकारिक रिकॉर्ड से हैं, जो बैंकों की देनदारियों को दिखाते हैं। इसमें वो पैसा शामिल नहीं है, जो भारतीय, एनआरआई या अन्य लोग तीसरे देशों की कंपनियों के नाम पर जमा करते हैं। स्विस अधिकारी कहते हैं कि वे भारत के साथ टैक्स चोरी व धोखाधड़ी के विरूद्ध लड़ाई में सहयोग करते हैं।

आईडीएफ का दावा

'हमारे सटीक हमले में कुद्स फोर्स के दो टॉप कमांडरों की मौत'

तेल अवीव। इजरायल डिफेंस फोर्सेज (आईडीएफ) ने शनिवार को दावा किया कि उसके सटीक हमलों में वरिष्ठ ईरानी सैन्य अधिकारी सईद इजादी और कुद्स फोर्स के वेपन ट्रांसफर यूनिट कमांडर बेहनाम शाहरियारी की पश्चिमी ईरान में मौत हो गई है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक पोस्ट में, आईडीएफ ने बताया, "ईरानी शासन के इजरायल को नष्ट करने की योजना के संस्थापक सईद इजादी को आईडीएफ के सटीक हमले में मार गिराया गया। इजादी, कुद्स फोर्स के (फिलिस्तीन कोर) कमांडर भी थे, जो ईरानी शासन और हमास के बीच एक मुख्य समन्वयक और 7 अक्टूबर के नरसंहार के मुख्य संचालकों में से एक थे।" आईडीएफ ने बताया कि इजादी ने ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) के वरिष्ठ कमांडर्स और हमास के प्रमुख लोगों के बीच सैन्य समन्वय में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी।

सऊदी प्रिंस ने फोन कर भारत से बातचीत का प्रस्ताव दिया था : डार

-ब्यूरो

नई दिल्ली। पाकिस्तान के उप प्रधान मंत्री इशाक डार ने सीजफायर के पीछे सऊदी प्रिंस की पहल होने की बात भी कही। उन्होंने कहा कि, '6-7 मई की रात को हमले के 45 मिनट बाद सऊदी प्रिंस ने फोन कर भारत से बातचीत का प्रस्ताव दिया था, फिर हमारे हां कहने पर उन्होंने भारत से बातचीत की थी। दरअसल, 22 अप्रैल को हुए पहलगाम आतंकी हमले के बाद 7 मई को भारत ने पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर और पाक में मौजूद 9 आतंकी ठिकानों पर एयर स्ट्राइक की थी। कहा जाता है कि सेना ने 100 आतंकियों को मार गिराया था। इसे ऑपरेशन सिंदूर नाम दिया गया। इसके बाद से भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव बना हुआ है।

इशाक डार के दो बड़े खुलासे...

भारत ने हमारे 2 बड़े एयरबेस पर हमला किया

इशाक डार ने कहा कि पीएम शहबाज शरीफ से हमारी बात हो गई थी। उन्होंने फोर्सेज को रेडी रहने को कह दिया था। सब डिसाइड हो गया था कि हमें क्या रोल आउट करना है। हम भारत पर सुबह 4 बजे के बाद बड़ा हमला करने वाले थे, लेकिन इससे पहले ही भारत ने रात के ढाई बजे दोबारा हरकत कर दी और उन्होंने नूरखान, शोरकोट एयरबेस समेत कई जगहों पर हमला कर दिया।

सऊदी अरब ने तनाव कम करने की कोशिश की

डिप्टी पीएम डार ने कहा, "भारत ने नूर खान एयरबेस पर हमला किया तब सऊदी प्रिंस ने फोन पर कहा कि आप कहो तो विदेश मंत्री एस जयशंकर से बात करता हूं कि पाकिस्तान युद्ध विराम के लिए तैयार हैं और वो भी रुक जाएं, तो मैंने कहा कि जरूर करिए, और उन्होंने बात करके मुझे फोन किया। पाक पीएम शहबाज शरीफ ने भी एक इंटरव्यू में स्वीकार किया कि भारत ने ब्रह्मोस मिसाइलों से रावलपिंडी एयरपोर्ट सहित कई जगहों पर हमला किया। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान ने 10 मई को सुबह 4:30 बजे जवाबी हमला करने की योजना बनाई थी, लेकिन भारत की दूसरी लहर के हमलों (9-10 मई की रात) ने पाकिस्तान की योजना बिगाड़ दी।

पाकिस्तान के एक आधिकारिक दस्तावेज ने 4 जून को खुलासा किया था कि भारत ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान में कई ऐसे ठिकानों पर हमला किया था, जिनका भारतीय वायु सेना या सैन्य अधिकारियों ने जिक्र नहीं किया था।

यह जानकारी पाकिस्तान के ऑपरेशन बुनयान उन मार्सूस से जुड़े दस्तावेज में सामने आई है। पाकिस्तान की तरफ से जारी दस्तावेज के मुताबिक भारत ने पेशावर, झंग, हैदराबाद (सिंध), गुजरात (पंजाब), बहावलनगर, अटक और चोर पर भी हमले किया था।

अनुपम खेर ने न्यूयॉर्क में मनाया योग दिवस, कहा-

'भारत का प्रतिनिधित्व करना गर्व की बात'

बॉलीवुड के अनुभवी अभिनेता अनुपम खेर, जो वर्तमान में न्यूयॉर्क में हैं, ने बिग एपल के टाइम्स स्क्वायर में आयोजित 11वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस में भारत का प्रतिनिधित्व करने पर गर्व व्यक्त किया। उन्होंने इस अवसर को भारतीय संस्कृति और योग की महत्ता को वैश्विक स्तर पर फैलाने का एक शानदार मौका बताया।

अनुपम ने इंस्टाग्राम पर शनिवार सुबह टाइम्स स्क्वायर में मनाए गए अंतरराष्ट्रीय योग दिवस से कई वीडियो और तस्वीरें शेयर कीं।

एक वीडियो में अनुपम खेर कहते हुए सुनाई दे रहे हैं: "नमस्ते, इस दुनिया की सबसे प्रसिद्ध जगह पर योग करते देखना बहुत अच्छा लगता है। मैं बचपन से अपने दादा जी को योग करते हुए देखता आया हूं। योग सिर्फ हमारे शरीर के लिए अच्छा नहीं है, बल्कि हमारे मन के लिए भी बहुत फायदेमंद है। यह एक शानदार पहल थी।"

दूसरी तस्वीरों और वीडियो में अनुपम खेर को टाइम्स स्क्वायर में लोगों के साथ योग करते हुए देखा जा सकता है।

इस पोस्ट को शेयर करते हुए अनुपम ने कैप्शन में लिखा, "टाइम्स स्क्वायर, न्यूयॉर्क में योग: मेरे लिए गर्व और सम्मान की बात थी कि मैं भारत की तरफ से 11वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर इस प्रसिद्ध जगह पर मौजूद रहा। धन्यवाद मुझे इस खास आयोजन में बुलाने के लिए। इस शानदार माहौल में योग करना अद्भुत एहसास था। जय हिंद।"

मंत्री चमरा लिंडा ने की आदिवासी कल्याण योजनाओं की समीक्षा बैठक, कहा

छात्रवृति योजना के लिए छात्रों का शीघ्र चयन करें

- आदिवासी कार्य मंत्री ने दिए कई महत्वपूर्ण निर्देश

नवीन मेल संवाददाता

रांची। आदिवासी कार्य मंत्री चमरा लिंडा ने शनिवार को विभागीय सचिव, आदिवासी कल्याण आयुक्त एवं आदिवासी सहकारी विकास निगम के प्रबंध निदेशक के साथ विभिन्न योजनाओं की समीक्षा बैठक की। बैठक में विभागीय योजनाओं के बेहतर संचालन एवं लाभार्थियों तक समय पर लाभ पहुंचाने को लेकर कई अहम निर्देश जारी किए गए।

मंत्री लिंडा ने शिक्षा क्षेत्र पर विशेष जोर देते हुए अनुसूचित जनजाति के मेधावी छात्र-छात्राओं को विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए उत्कृष्ट कोचिंग संस्थानों में प्रशिक्षण की सुविधा सुनिश्चित कराने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि गुणवत्तापूर्ण कोचिंग से युवाओं को मुख्यधारा में लाने में मदद मिलेगी। बैठक में मरांग गोमके पारदेशीय छात्रवृत्ति योजना के तहत छात्र-छात्राओं के शीघ्र चयन की दिशा में आवश्यक कार्रवाई करने को भी कहा गया। इस योजना के अंतर्गत विदेशों में उच्च शिक्षा प्राप्त करने वाले आदिवासी विद्यार्थियों को सहायता प्रदान की जाती है। इसके साथ ही राज्य सरकार की महत्वाकांक्षी साइकिल योजना को तेजी से लागू करते हुए सभी जिलों में शीघ्र साइकिल वितरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। मंत्री ने मुख्यमंत्री रोजगार सृजन योजना के प्रभावी क्रियान्वयन पर बल दिया और युवाओं को स्वरोजगार के लिए प्रेरित करने के प्रयासों को तेज करने की बात कही।

ग्रामीण कल्याण अस्पतालों के बेहतर संचालन के लिए त्वरित कदम उठाएं

स्वास्थ्य के क्षेत्र में भी मंत्री लिंडा ने 16 ग्रामीण कल्याण अस्पतालों के बेहतर प्रबंधन एवं संचालन के लिए त्वरित कदम उठाने का निर्देश दिया, ताकि दूरस्थ क्षेत्रों के लोगों को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं मिल सकें। बैठक के दौरान अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि सभी योजनाओं की समयबद्ध समीक्षा कर उन पर क्रियान्वयन की गति बढ़ाई जाए, ताकि योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंच सके।

योग भारत की प्राचीनतम धरोहर है : अन्नपूर्णा देवी

- देवघर में बाबा बैद्यनाथ मंदिर के परिसर में भव्य योगाभ्यास कार्यक्रम का हुआ आयोजन

नवीन मेल डेस्क

रांची/देवघर। केंद्रीय मंत्री अन्नपूर्णा देवी ने शनिवार को देवघर में कहा कि योग भारत की प्राचीनतम धरोहर है, जिसे आज विश्व ने अपनाया है। वे अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर देवघर में बाबा बैद्यनाथ मंदिर के परिसर में भव्य योगाभ्यास कार्यक्रम में बोल रही थीं।

अन्नपूर्णा देवी ने कहा कि यह हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रयासों का ही परिणाम है कि आज पूरा विश्व 21 जून को 'अंतरराष्ट्रीय योग दिवस' के रूप में मना रहा है। उन्होंने कहा कि योग करने से लोग निरोग होते है।

सभी को अपने दिनचर्या में योग को शामिल करना चाहिए। इस अवसर पर गोड्डा के सांसद डॉ निशिकांत दुबे, जिला उपायुक्त, अधिकारी, जनप्रतिनिधि, भाजपा कार्यकर्ता और बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित थे। कार्यक्रम के दौरान सभी प्रतिभागियों ने सामूहिक योगाभ्यास में भाग लेकर शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक ऊर्जा को जागृत किया।

झारखंड में तीन दिनों के बाद मौसम हुआ साफ

रांची। झारखंड के विभिन्न जिलों में शनिवार को मौसम साफ रहा। बारिश नहीं होने से आम जनजीवन को राहत मिली। राजधानी रांची और आसपास के इलाकों में शनिवार की सुबह से मौसम आंशिक रूप से साफ हुआ। बाद में बादल हटने से हल्की धूप भी निकली। इधर, मौसम विभाग के अनुसार 26 जून तक राज्य के विभिन्न जिलों में गर्जन के साथ आकाशीय बिजली गिरने और हल्के से मध्यम दर्जे की बारिश होने की संभावना है। वहीं, कुछ इलाकों में भारी बारिश होने की भी आशंका है।

योग दिवस पर गवर्नमेंट टूल रूम में कराया गया योगाभ्यास

नवीन मेल संवाददाता

रांची। अतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर आज झारखंड गवर्नमेंट टूल रूम टाटीसिलवे रांची में योग दिवस का आयोजन किया गया । जिसमे संस्थान की छात्रों, शिक्षकों और कर्मचारियों के बीच योग का आयोजन आर्ट ऑफ लिविंग संस्थान से आये हुए टीम जिसका नेतृत्व सुश्री सुषमा यादव के दिशा निर्देश में किया गया । कार्यक्रम की शुरुआत प्रातः 6:00 बजे संस्थान के प्रांगण में सामूहिक प्रार्थना से हुई। इसके पश्चात योग प्रशिक्षक द्वारा विभिन्न योगासनों एवं प्राणायाम का अभ्यास कराया गया। झारखंड गवर्नमेंट टूल रूम के प्राचार्य महेश कुमार गुप्ता ने अपने संबोधन में कहा की "योग केवल शारीरिक व्यायाम नहीं, बल्कि मानसिक शांति, अनुशासन और एक सकारात्मक जीवन की कुंजी है। ऐसे आयोजन हमारे छात्रों को संतुलित और स्वस्थ जीवन की ओर प्रेरित करते हैं।

अवैध बालू खनन का भंडाफोड़, 13 हजार घनफीट बालू जब्त

- अवैध कारोबार रोकने पहुंची खनन टीम को मिली धमकी, सरकारी कार्य में बाधा डालने का मामला दर्ज
- जिला खनन पदाधिकारी और खनन निरीक्षक को माफियाओं ने दी धमकी

नवीन मेल संवाददाता

लोहरदगा। कुडू थाना क्षेत्र के लावागाई गांव में खनन विभाग की छापेमारी में अवैध रूप से खनन और भंडारित की गई करीब 13 हजार घनफीट बालू जब्त की गई। कार्रवाई के दौरान आरोपियों ने सरकारी टीम को रोकने की कोशिश की और धमकी भी दी। इस मामले में कई लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। जानकारी के अनुसार, जिला खनन विभाग को लावागाई इलाके में अवैध बालू खनन, भंडारण और परिवहन की गुप्त सूचना मिली थी। इसके बाद खनन पदाधिकारी राजाराम प्रसाद की अगुवाई में खनन टीम ने गुरुवार शाम करीब 5 बजे लावागाई स्थित टोंकाटोली नर्सरी बगीचा में छापेमारी की। यहां एक लाल रंग के ट्रैक्टर पर बालू लोड किया जा रहा था। डीएमओ राजाराम प्रसाद और खनन निरीक्षक अजय कुमार महतो ने बताया कि जैसे ही टीम ने ट्रैक्टर की ओर बढ़ने की कोशिश की, मोटरसाइकिल (जेएच 01 जे 2760) पर सवार दो युवक पहुँचे और अधिकारियों को रास्ते में रोक लिया। इस दौरान ट्रैक्टर चालक बालू लादकर भागने में सफल रहा। जांच के दौरान दो स्थानों पर कुल 13,000 घनफीट बालू अवैध रूप से भंडारित पाया गया। नर्सरी बगीचा में 5 ढेरों में लगभग 7,000 घनफीट बालू, टोन्काटोली बगीचा में 6 ढेरों में करीब 6,000 घनफीट बालू मिला। मौके पर पूछताछ से पता चला कि टोन्काटोली बगीचा में बालू का भंडारण समसाद अंसारी (पिता- गिल्ली अंसारी) एवं कपीलदर साहू द्वारा किया गया था, जबकि नर्सरी बगीचा में भंडारित बालू के पीछे बाबर खान (पिता- लेदा खान) और राजा खान (पिता- अज्ञात) का हाथ था। डीएमओ ने बताया कि जप्ती के बाद जब टीम वापस लौट रही थी, तभी बाबर खान ने मोटरसाइकिल (जेएच 08 जे 8565) से पीछा किया और टीम को रास्ते में रोककर अभद्र भाषा का प्रयोग करते हुए धमकाया। डीएमओ व खनन निरीक्षक ने तत्काल पुलिस से सहायता मांगी। सूचना पर थाना से पदाधिकारी लवकुश सिंह व सशस्त्र बल मौके पर पहुँचे, लेकिन आरोपी फरार हो गया। खनन विभाग ने इस मामले में आरोपियों के विरुद्ध अवैध खनन, भंडारण, परिवहन, सरकारी कार्य में बाधा, तथा सरकारी कर्मियों को धमकी देने जैसी धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज कर कड़ी कार्रवाई की अनुशंसा की है।

पृष्ठ एक के शेष

एक साथ तीन कोचिंग संस्थानों में...

ने कहा है कि जिन संस्थानों को नोटिस जारी किया गया था, उनमें ज्वॉइंट एंट्रेस एग्जामिनेशन (जेईई) और नेशनल एलिजिबिलिटी-कम-एंट्रेस टेस्ट (नीट) कोचिंग देने वाले संस्थान शामिल थे। उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण ने अपने बयान में कहा है कि आईआईटी-जेईई और नीट जैसी परीक्षाओं के हालिया परिणाम की घोषणा के बाद सीसीपीए ने देखा कि कोचिंग सेंटर दिशानिर्देशों का पालन नहीं कर रहे थे। कोचिंग संस्थानों को सीसीपीए के नोटिस जेईई और नीट में गारंटीकृत प्लेसमेंट, रैंकों के आश्वासन, उपभोक्ता अधिकारों के उल्लंघन और भ्रामक विज्ञापनों के साथ-साथ प्रवेश रद्द करने के बाद गैर या आंशिक शुल्क वापसी और सेवाओं में कमी से संबंधित दावों पर जारी किए जाते हैं। पिछले साल प्राधिकरण ने संघ लोक सेवा आयोग की परीक्षाओं के लिए प्रशिक्षण देने वाले तीन कोचिंग सेंटर पर सिविल सेवा परीक्षा में अपनी सफलता दर के बारे में भ्रामक विज्ञापन देने के लिए जुर्माना लगाया था। कोचिंग संस्थानों में फर्जीवाड़े के कई मामले सामने आए हैं, जिनमें भ्रामक विज्ञापन, अनुचित शुल्क संरचना और खराब गुणवत्ता वाली शिक्षा शामिल हैं। छात्रों को फीस वापसी नीतियों के बारे में स्पष्टीकरण प्राप्त करना चाहिए। जहां शिक्षा मंत्रालय ने कुछ दिन पहले ही कोचिंग सेंटरों के रेगुलेशन के लिए गाइडलाइंस जारी की है, वहीं केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण ने भी खुद संज्ञान लेते हुए कई कोचिंग सेंटरों को नोटिस जारी किया है। लोकसभा में कोचिंग सेंटरों के दावों को लेकर पूछे गए सवाल के जवाब में केंद्रीय शिक्षा राज्य मंत्री डॉ सुभाष सरकार ने बताया था कि सीसीपीए ने कोचिंग संस्थानों द्वारा भ्रामक विज्ञापन के खिलाफ खुद संज्ञान लेते हुए कार्रवाई की है। शिक्षा मंत्रालय ने गाइडलाइंस तैयार कर सभी राज्यों को भेजा है, ताकि राज्य कानूनी प्रावधानों के तहत कार्रवाई कर सकें।

शिक्षा मंत्रालय का गाइडलाइन है, कोचिंग संस्थान भ्रामक विज्ञापन प्रकाशित नहीं करेंगे

शिक्षा मंत्रालय ने अपनी गाइडलाइंस में यह भी सिफारिश की है कि कोई भी कोचिंग संस्थान किसी भ्रामक विज्ञापन को प्रकाशित नहीं करेगा। पैरेंट्स या स्टूडेंट्स से यह वादा नहीं किया जाएगा कि इस कोचिंग सेंटर में पढ़ने से रैंक आने की गारंटी होगी या फिर बहुत अच्छे नंबर आ ही जाएंगे। कोचिंग सेंटर को अपनी वेबसाइट पर टीचर्स से जुड़ी सारी जानकारी देनी होगी। फीस, फीस रिफंड पॉलिसी की जानकारी देनी होगी। साथ ही, 16 वर्ष से कम आयु के छात्रों का नामांकन नहीं किए जाने का निर्देश दिया गया है।

एलेन इंस्टीच्यूट रांची ने कहा, देशभर में 64 केंद्र है, किसी में पढ़ा होगा केशव

एलेन इंस्टीच्यूट जाकर राष्ट्रीय नवीन मेल संवाददाता ने केशव मित्तल और उनके कोचिंग संस्थान में पढ़ने के बारे में पूछा तो एलेन इंस्टीच्यूट रांची के इंचार्ज एवं शिक्षक उदय कुमार ने कहा कि केशव मित्तल गुजरात का छात्र है। देश भर में एलेन के 64 केंद्र हैं, इनमें से किसी में वह पढ़ा होगा।

तंयता के साथ अपनी जिम्मेवारियों का निर्वहन करेंगे : थाना प्रभारी

रातू । रातू राजमहल में 27 जून को आयोजित होने वाले ऐतिहासिक रथ यात्रा की तैयारी को अंतिम रूप देने के लिए शुक्रवार को राजपुत्री माधुरी मंजरी की अध्यक्षता में रातू गढ़ में शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में उपस्थित बीडीओ शैलेन्द्र चौरसिया एवं थाना प्रभारी रामनरायण सिंह ने कहा कि रथ यात्रा को सुचारू तरीके से संपन्न कराने में प्रशासन की ओर से कोई कोताही नहीं बरती जाएगी। प्रशासन पुरी तन्यमता के साथ अपने जिम्मेवारियों का निर्वहन करेगी।

कार्यालय, उपायुक्त-सह-जिला दण्डाधिकारी, पलामू
दूरभाष (मो0) सं0- (जिला भू-अर्जन शाखा) Email {dlaopalamau@gmail.com}

KHATIAN AND VALUATION STATEMENT
(3G Award के तहत् घोषित)
Name of Project :- भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या–75 **(Section-III)**
(पलामू जिला अन्तर्गत कि0मी0 147.450 (भोगू) से कि0मी0 196.870 (शंखा) NH-75 पर 4 लेन पथ निर्माण।)

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकार (NHAI-75) कि0मी0 147.450 भोगू से कि0मी0 196.870 शंखा तक पथ का 4 लेन निर्माण हेतु अधिनियम की धारा–3G के तहत् घोषित निम्न विवरणी के अनुसार भूमि अर्जन की जा रही है। तद्नुसार उक्त विवरणी के आलोक में संबंधित रैयत साक्ष्य के साथ अपना दावा एक सप्ताह के भीतर जिला भू–अर्जन कार्यालय, पलामू में दर्ज करना सुनिश्चित करें। उक्त अवधि के पश्चात् प्राप्त दावा पर जिला भू–अर्जन कार्यालय विचार करने हेतु बाध्य नहीं होगा।

एन0एच0ए0आई0–75 अन्तर्गत मौजा–कजरी, थाना–पण्डवा, थाना नं0–202
पत्रांक–**585(A)**/भू0अ0, दिनांक–11.06.2025

क्र0स0	ग्राम का नाम	खाता	प्लॉट	भूमि का प्रकार	भूमि का किस्म	अर्जित भूमि एकड़ में	क्रमांक एवार्ड	एवार्डधारी का नाम पिता के साथ	अभियुक्ति
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
1	कजरी	73	1564	रैयती	धान–2	0.0665	1	कृष्णा सिंह, पिता भुखन सिंह	
2		115	628	रैयती	टांड़–3	0.6630	2	सरधन सिंह, पिता नौरंग सिंह	
					कुल	**0.7295**			

कानूनगो, जिला भू–अर्जन कार्यालय, पलामू। | जिला भू–अर्जन पदाधिकारी पलामू। | PR 355707 Palamu (25-26)_D | अपर समाहर्त्ता पलामू। | उपायुक्त पलामू।

कार्यालय, उपायुक्त-सह-जिला दण्डाधिकारी, पलामू
दूरभाष (मो0) सं0- (जिला भू-अर्जन शाखा) Email {dlaopalamau@gmail.com}

KHATIAN AND VALUATION STATEMENT
(3G Award के तहत् घोषित)
Name of Project :- भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या–75 **(Section-III)**
(पलामू जिला अन्तर्गत कि0मी0 147.450 (भोगू) से कि0मी0 196.870 (शंखा) NH-75 पर 4 लेन पथ निर्माण।)

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकार (NHAI-75) कि0मी0 147.450 भोगू से कि0मी0 196.870 शंखा तक पथ का 4 लेन निर्माण हेतु अधिनियम की धारा–3G के तहत् घोषित निम्न विवरणी के अनुसार भूमि अर्जन की जा रही है। तद्नुसार उक्त विवरणी के आलोक में संबंधित रैयत साक्ष्य के साथ अपना दावा एक सप्ताह के भीतर जिला भू–अर्जन कार्यालय, पलामू में दर्ज करना सुनिश्चित करें। उक्त अवधि के पश्चात् प्राप्त दावा पर जिला भू–अर्जन कार्यालय विचार करने हेतु बाध्य नहीं होगा।

एन0एच0ए0आई0–75 अन्तर्गत मौजा–गुरी, थाना–विश्रामपुर, थाना नं0–84
पत्रांक–**584(C)**/भू0अ0, दिनांक–11.06.2025

क्र0स0	ग्राम का नाम	खाता	प्लॉट	भूमि का प्रकार	भूमि का किस्म	अर्जित भूमि एकड़ में	क्रमांक एवार्ड	एवार्डधारी का नाम पिता के साथ	अभियुक्ति
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
1	गुरी	29	809/2	रैयती	टांड़–2	0.0116	1	कृष्णा तिवारी, पिता कामेश्वर तिवारी	
2		29	809/1	रैयती	टांड़–2	0.0049	2	गीता देवी, पति नारद प्रसाद	
					कुल	**0.0165**			

कानूनगो, जिला भू–अर्जन कार्यालय, पलामू। | जिला भू–अर्जन पदाधिकारी पलामू। | PR 355706 Palamu (25-26)_D | अपर समाहर्त्ता पलामू। | उपायुक्त पलामू।

कार्यालय, उपायुक्त-सह-जिला दण्डाधिकारी, पलामू
दूरभाष (मो0) सं0– (जिला भू–अर्जन शाखा) Email {dlaopalamau@gmail.com}

KHATIAN AND VALUATION STATEMENT
(3G Award के तहत् घोषित)
Name of Project :- भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या–75 **(Section-III)**
(पलामू जिला अन्तर्गत कि0मी0 147.450 (भोगू) से कि0मी0 196.870 (शंखा) NH-75 पर 4 लेन पथ निर्माण।)

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकार (NHAI-75) कि0मी0 147.450 भोगू से कि0मी0 196.870 शंखा तक पथ का 4 लेन निर्माण हेतु अधिनियम की धारा–3G के तहत् घोषित निम्न विवरणी के अनुसार भूमि अर्जन की जा रही है। तद्नुसार उक्त विवरणी के आलोक में संबंधित रैयत साक्ष्य के साथ अपना दावा एक सप्ताह के भीतर जिला भू–अर्जन कार्यालय, पलामू में दर्ज करना सुनिश्चित करें। उक्त अवधि के पश्चात् प्राप्त दावा पर जिला भू–अर्जन कार्यालय विचार करने हेतु बाध्य नहीं होगा।

एन0एच0ए0आई0–75 अन्तर्गत मौजा–भण्डार, थाना–विश्रामपुर, थाना नं0–78
पत्रांक–**584(A)**/भू0अ0, दिनांक–11.06.2025

क्र0स0	ग्राम का नाम	खाता	प्लॉट	भूमि का प्रकार	भूमि का किस्म	अर्जित भूमि एकड़ में	क्रमांक एवार्ड	एवार्डधारी का नाम पिता के साथ	अभियुक्ति
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
1		213	895/4	रैयती	टांड़–3 पक्का मकान	0.0375	1	अजय ठाकुर, पिता घुरन ठाकुर	
2		-	925	रैयती	धान–3	0.0150	2	अनिल पाण्डेय वो शशि शेखर पाण्डेय	
3		213	895/3	रैयती	टांड़–3 पक्का मकान	0.1196	3	अखिलेश्वर पाण्डेय, पिता स्व० राजनाथ पाण्डेय	
4	भण्डार	213	895/2	रैयती	टांड़–3 पक्का मकान	0.0459	4	नारद पाण्डेय, पिता स्व० रामवृक्ष पाण्डेय	
5		213	895/1	रैयती	टांड़–3 पक्का मकान	0.2250	5	बैदयनाथ पाण्डेय, पिता स्व० सहदेव पाण्डेय	
6		213	895/5	रैयती	टांड़–3	0.0200	6	महेन्द्र पाण्डेय, पिता स्व० जयराम पाण्डेय	
					कुल	**0.4630**			

PR 355704 Palamu(25-26).D | कानूनगो, जिला भू–अर्जन कार्यालय,पलामू | जिला भू–अर्जन पदाधिकारी पलामू | अपर समाहर्त्ता पलामू | उपायुक्त पलामू

कार्यालय, उपायुक्त-सह-जिला दण्डाधिकारी, पलामू (जिला भू-अर्जन शाखा)
दूरभाष (मो०) सं०–8987263405 Email {dlaopalamau@gmail.com}

KHATIAN AND VALUATION STATEMENT
(3G Award के तहत् घोषित)
Name of Project :- भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या–75 **(Section-III)**
(पलामू जिला अन्तर्गत कि0मी0 147.450 (भोगू) से कि0मी0 196.870 (शंखा) NH-75 पर 4 लेन पथ निर्माण।)

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकार (NHAI-75) कि0मी0 147.450 भोगू से कि0मी0 196.870 शंखा तक पथ का 4 लेन निर्माण हेतु अधिनियम की धारा–3G के तहत् घोषित निम्न विवरणी के अनुसार भूमि अर्जन की जा रही है। तद्नुसार उक्त विवरणी के आलोक में संबंधित रैयत साक्ष्य के साथ अपना दावा एक सप्ताह के भीतर जिला भू–अर्जन कार्यालय, पलामू में दर्ज करना सुनिश्चित करें। उक्त अवधि के पश्चात् प्राप्त दावा पर जिला भू–अर्जन कार्यालय विचार करने हेतु बाध्य नहीं होगा।

एन0एच0ए0आई0–75 अन्तर्गत मौजा–पण्डवा, थाना–पण्डवा, थाना नं0–198
पत्रांक–**585(B)**/भू0अ0, दिनांक–11.06.2025

क्र0स0	ग्राम का नाम	खाता	प्लॉट	भूमि का प्रकार	भूमि का किस्म	अर्जित भूमि एकड़ में	क्रमांक एवार्ड	एवार्डधारी का नाम पिता के साथ	अभियुक्ति
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
1			1206/P	बकास्त	मकान मय सहन	0.1266	1	अनील महतो, पिता श्याम बिहारी महतो	
2	पण्डवा		1206	बकास्त	मकान मय सहन	0.1267	2	जय प्रकाश महतो, पिता श्याम बिहारी महतो	
3			1206/2P	बकास्त	मकान मय सहन	0.1266	3	श्रवण महतो, पिता श्याम बिहारी महतो	
					कुल	**0.3799**			

PR.NO.355708 Palamu(25-26):D | कानूनगो, जिला भू–अर्जन कार्यालय, पलामू। | जिला भू–अर्जन पदाधिकारी पलामू। | अपर समाहर्त्ता पलामू। | उपायुक्त पलामू।

लीड्स टेस्ट में पहले शुभमन-यशस्वी-पंत की चली आंधी

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत और इंग्लैंड के बीच एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी का आगाज हो चुका है। लीड्स टेस्ट के पहले दिन (20 जून) भारत का धमाकेदार प्रदर्शन रहा। रोहित शर्मा, विराट कोहली और रवचिंद्रन अश्वनि के संन्यास के बाद यह भारतीय टीम के लिए पहली सीरीज है। ऐसे में शुक्रवार से शुरू हुए लीड्स टेस्ट के पहले दिन यह सबसे बड़ी शंका थी कि क्या ये नई टीम इंडयिा (टीम इंडिया 2.0) इंग्लैंड के गेंदबाजों को जवाब दे पाएगी. लेकिन नई भारतीय टीम के नई तकिड़ी यशस्वी जायसवाल (101), शुभमन गिल (127 नाबाद), ऋषभ पंत (65 नाबाद) ने पहले दिन ऐसे खेल दिखाया कि लगा नहीं कि रोहित-कोहली के संन्यास का असर इस टीम पर है। वैसे पंत और गिल अगर इसी लय में लीड्स में शनविार (21 जून) को टिके रहे, तो भारत एक बड़े स्कोर की ओर बढ़ेगा और इंग्लैंड के लिए मैच की राह मुश्किल हो सकती है।

इस मुकाबले की शुरुआत में जब अंग्रेज कप्तान बेन स्टोक्स ने टॉस जीता तो भारतीय कैम्प में मायूसी छा गई. नए कप्तान शुभमन गिल उदास नजर आए, क्योंकि वो भी पहले टॉस जीतकर गेंदबाजी ही करना चाहते थे। क्योंकि यहां खेले गए आखिरी छह टेस्ट मैचों में जिस टीम ने पहले गेंदबाजी की, वो जीती है. वहीं पिछले चार बार चौथी पारी में बड़े टारगेट भी सफलतापूर्वक चेज भी हुए हैं। जो 322, 359, 296 और 251 रन रहे।

लेकिन भारतीय टीम ने पहले दिन पुराने सारे समीकरणों को धता साबति करते हुए इंग्लैंड के खिलाफ ऐसा खेल दिखाया कि फैन्स भी झूम उठे. खास बात यह भी रहीं कि भारतीय टीम का रन रेट भी पहले दिन 4.22 का रहा. 85 ओवर में भारतीय टीम ने 322 रन बना दिए।

अगर मैं सेट हूं, तो अंत तक खेलने की कोशिश करता हूं: यशस्वी जायसवाल

नई दिल्ली। यशस्वी जायसवाल ने इंग्लैंड की धरती पर अपना पहला टेस्ट शतक जड़ा, जिसके दम पर भारत ने पांच मैचों की टेस्ट सीरीज की बढ़िया शुरुआत करते हुए पहले दिन 85 ओवर में 359/3 का मजबूत स्कोर बनाया। शतक के बाद जायसवाल ने बताया कि उन्होंने इस पारी के दौरान बहुत कुछ सीखा है। स्टंप के बाद अपनी पारी पर बातचीत करते हुए जायसवाल ने 'स्टार स्पोर्ट्स' से कहा, "हमने यहां आने से पहले काफी तैयारी की थी। खेलना बहुत मजेदार था, और बल्लेबाजी करना बहुत अच्छा लगा। मैंने इसका भरपूर लुत्फ उठाया और बहुत कुछ सीखा।" यशस्वी जायसवाल ने केएल राहुल के साथ पहले विकेट के लिए 91 रन की ओपनिंग साझेदारी की। उन्होंने इस इनिंग के दौरान मार्गदर्शन के लिए सीनियर बल्लेबाज केएल राहुल को भी श्रेय दिया है। जायसवाल ने कहा, "केएल राहुल बहुत अनुभवी हैं। मैं उनसे बात करके बहुत कुछ समझ सकता हूं, कहां रन बनाए जा सकते हैं और हम पारी को कैसे आगे बढ़ा सकते हैं। उनके साथ खेलना बहुत मजेदार था।" यशस्वी जायसवाल ने 157 गेंदों पर 101 रन जड़े। इस दौरान शानदार शॉट सेलेक्शन और मानसिक अनुशासन देखने को मिला। जायसवाल ने ऑफ साइड में इंग्लैंड के गेंदबाजों के खिलाफ शानदार तरीके से रन बनाए। इस पारी के दौरान जायसवाल ने नए कप्तान शुभमन गिल के साथ 129 रन की साझेदारी भी की। गिल ने पहले दिन की समाप्ति तक 125 रन बना लिए हैं।

लालचंद राजपूत ने यशस्वी और गिल की तारीफ की

मुंबई। इंग्लैंड दौरे पर पहले दिन टीम इंडिया ने जिस तरह बल्लेबाजी की, उससे पूर्व भारतीय क्रिकेटर और अनुभवी कोच लालचंद राजपूत बेहद खुश हैं। उन्होंने यशस्वी जायसवाल और शुभमन गिल की जमकर तारीफ की है। लालचंद राजपूत ने भारत के पहले दिन के खेल की तारीफ करते हुए आईएएनएस से कहा, "मैं बहुत खुश हूं। टॉस हारने के बावजूद नए खिलाड़ियों के साथ जिस तरह से हमने पहले दिन का समापन किया, वह बहुत ही बढ़िया था। यशस्वी जायसवाल और कप्तान शुभमन गिल ने शानदार बल्लेबाजी की।

टॉस पर स्टोक्स का फैसला सही था : ब्रॉड

लीड्स। इंग्लैंड के पूर्व तेज गेंदबाज स्टुअर्ट ब्रॉड का मानना है कि भारत के खिलाफ एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी सीरीज के पहले मैच में कप्तान बेन स्टोक्स का पहले गेंदबाजी करने का फैसला सही था लेकिन हेडिंग्ले में गर्म दिन गेंदबाजों ने अपनी योजनाओं को सही तरीके से लागू नहीं किया। शुक्रवार को स्टोक्स ने टॉस जीतकर पहले गेंद बाजी करने का फैसला किया, शुभमन गिल ने भी स्वीकार किया कि अगर सिक्का उनके पक्ष में होता तो वह भी गेंदबाजी करना चाहते थे। लेकिन यह फैसला उल्टा पड़ गया क्योंकि भारत ने पहले दिन 359/3 का स्कोर बनाया, जिसमें गिल ने नाबाद 127 रन बनाए, जबकि सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल ने 101 और ऋषभ पंत ने नाबाद 65 रन बनाए। "यह उस (2002 में ब्रिसबेन में नासिर हुसैन के गेंदबाजी करने के फैसले) जितना बुरा नहीं था। मुझे लगता है कि यह सही फैसला था।

वियतनाम में अंडर-23 सीनियर एशियाई कुश्ती चैंपियनशिप में भारतीय महिलाओं ने ट्रॉफी जीती

एजेंसी

वुंग ताऊ (वियतनाम)। भारतीय महिला अंडर-23 पहलवानों ने वर्तमान में वुंग ताऊ (वियतनाम) में चल रही अंडर-23 सीनियर एशियाई कुश्ती चैंपियनशिप में अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन से देश को गौरवान्वित किया, उन्होंने कुल 10 पदक जीते।

कौशल और दृढ़ संकल्प के एक उल्लेखनीय प्रदर्शन में, भारतीय महिला कुश्ती टीम ने सभी 10 भार वर्गों में पदक हासिल करते हुए चैंपियन ट्रॉफी जीती - चार स्वर्ण, पांच रजत और एक कांस्य। 50 किलोग्राम वर्ग में प्रियांशी प्रजापत, 55 किग्रा वर्ग में रीना, 68 किग्रा में सृष्टि और 76 किग्रा भार वर्ग में प्रिया ने भारत के लिए स्वर्ण पदक जीते।

नेहा शर्मा ने 57 किग्रा में रजत पदक, प्रगति ने 62 किग्रा में रजत पदक, शिक्षा ने 65 किग्रा में रजत पदक, तन्वी ने 59 किग्रा में रजत पदक और ज्योति बेरवाल ने 72 किग्रा में रजत पदक जीता। हिनाबेन खलीफा ने 53 किग्रा में कांस्य पदक जीता।

ग्रीको-रोमन कुश्ती में सुमित ने 63 किग्रा वर्ग में स्वर्ण पदक जीतकर भारत का नाम रोशन किया।

क्लब विश्व कप:

बायर्न ने बोका को हराकर नॉकआउट में प्रवेश किया

अंतिम 16 में अपनी जगह पक्की की

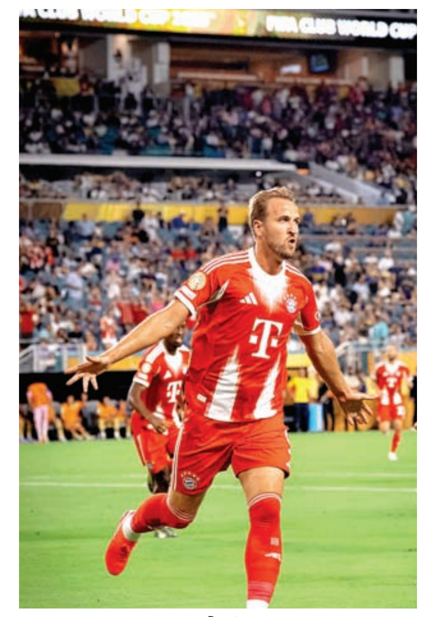

एजेंसी

मियामी। बायर्न म्यूनिख ने शुक्रवार को बोका जूनियर्स पर 2-1 की शानदार जीत के साथ क्लब विश्व कप में अपने यूरोपीय गौरव को फिर से जगाया, एक तनावपूर्ण और कड़े संघर्ष के बाद अंतिम 16 में अपनी जगह पक्की की।

बोका समर्थकों से भरी एक उत्साही भीड़ के सामने - जिन्होंने हार्ड रॉक स्टेडियम को एक मिनी "बॉम्बोनेरा" में बदल दिया - अर्जेंटीना की टीम ने जी-जान से लड़ाई लड़ी। लेकिन खेल के अंत में बायर्न का दृढ़ संकल्प प्रबल हुआ। हैरी केन ने पहले हाफ की शुरुआत में जर्मन चैंपियन के लिए गोल किया, लेकिन बोका ने मिगुएल मेरेंटिएल के माध्यम से वापसी की। खेल अधर में लटकने के साथ, माइकल ओलिस ने देर से विजयी गोल करके बायर्न को छह अंकों के साथ ग्रुप सी में शीर्ष पर पहुंचा दिया, जो बेनफिका से दो अंक आगे है। बोका, केवल एक अंक के साथ, दौड़ में बना हुआ है और अपने अंतिम ग्रुप मैच में ऑकलैंड सिटी का सामना करेगा, जबकि बायर्न का सामना बेनफिका से होगा। यह जीत यूरोपीय क्लबों के लिए समय पर मिली बढ़त थी, जो हाल ही में टूर्नामेंट में संघर्ष कर रहे थे, जिसमें पोर्टो, पीएसजी और चेल्सी सभी हार का सामना कर रहे थे। मैच में बहुत जोश देखने को मिला, खासकर दूसरे हाफ में, जब बोका ने बहुत दबाव बनाया और बायर्न की लय को शारीरिक, तेज गति वाले फुटबॉल से बाधित किया। बायर्न ने अच्छी शुरुआत की और सोचा कि वे आगे निकल गए हैं, जब ओलिस के कर्लिंग कॉर्नर ने नेट पाया, लेकिन गोलकीपर पर फाउल के कारण वीएआर ने गोल को खारिज कर दिया।

88.16 मीटर थ्रो के साथ नीरज चोपड़ा ने जीती 'पेरिस डायमंड लीग'

पेरिस। भारत के स्टार जेवलिन थ्रोअर नीरज चोपड़ा ने 88.16 मीटर के थ्रो के साथ 'डायमंड लीग-2025' में गोल्ड मेडल अपने नाम किया है। पहला स्थान हासिल करने के बाद नीरज चोपड़ा ने आगामी प्रतियोगिताओं में 90 मीटर थ्रो करने की प्रतिबद्धता जताई है। फ्रांस की राजधानी में पोडियम के शीर्ष पायदान पर पहुंचने के बाद चोपड़ा ने अपनी खुशी व्यक्त की। उन्होंने ब्रॉडकास्टर से कहा, "आज मैं शुरुआत से बहुत खुश था, क्योंकि मेरी रन-अप तकनीक बहुत अच्छी थी और सब कुछ सही था। हालांकि, मुझे लगा कि आज मेरा शरीर बहुत ज्यादा बाईं ओर जा रहा था। मैं अपने चेस्ट से भाला फेंकने की कोशिश कर रहा था, इसलिए आज मेरी तकनीक इतनी अच्छी नहीं थी। हालांकि, मेरी रन-अप तकनीक सही थी। पहला थ्रो सच में शुरुआत के लिए अच्छा था। मैं आज 88 मीटर और 'वांडा डायमंड लीग' में इतने लंबे समय के बाद जीत से बहुत खुश हूं।"

अमनदीप द्राल ने चेक लेडीज में करियर का सर्वश्रेष्ठ राउंड खेला

बेरौन (चेक गणराज्य)। अमनदीप द्राल, जो 2022 में अपने घरेलू इवेंट में अपना पहला लेडीज यूरोपियन लीग (एलईटी) खिताब जीतने के करीब पहुंच गई थीं, ने शानदार 8-अंडर 64 का स्कोर बनाया और टिप्सपोर्ट चेक लेडीज ओपन के पहले राउंड के बाद बढ़त हासिल कर ली। एक बोगी के मुकाबले नौ बर्डी के साथ, अमनदीप ने लेडीज यूरोपियन टूर पर अपना सर्वश्रेष्ठ राउंड खेला। सीजन के अपने दूसरे एलईटी इवेंट में खेल रही और रॉयल बेरौन गोल्फ क्लब में कम स्कोरिंग की स्क्रिप्ट पढ़ रही अमनदीप ने कहा, "मैं बहुत खुश हूं। खास तौर पर पिछले हफ्ते (बेल्जियम में कट मिस करने के बाद) लाइन रीडिंग ने निश्चित रूप से अंतर पैदा किया। मैंने पिछले हफ्ते बॉल को अच्छी तरह मारा, लेकिन मैं लाइन को बिल्कुल नहीं पढ़ पाई। मैं ग्रीन को लेकर बहुत उलझन में थी। लेकिन इस हफ्ते में आते ही मैंने अपने पटिंग पर बहुत ध्यान दिया। मैंने अपने स्ट्रोक और अपनी लाइन पर ध्यान केंद्रित किया।

व्यापार/लाइफ व साइंस

भारतीय शेयर बाजार ने सप्ताह का अंत मजबूती के साथ किया

मुंबई। बाजार विश्लेषकों ने शनिवार को कहा कि भारतीय इक्विटी बेंचमार्क ने पिछले सप्ताह सत्र का समापन मजबूती के साथ किया। निफ्टी आखिरी कारोबारी दिन शुक्रवार को महत्वपूर्ण 25,000 अंक से ऊपर बंद हुआ, जो तेजी की गति को दर्शाता है। कारोबार के अंत में सेंसेक्स 1,046.30 अंक या 1.29 प्रतिशत बढ़कर 82,408.17 के नए उच्च स्तर पर बंद हुआ, जबकि निफ्टी 319.15 अंक या 1.29 प्रतिशत बढ़कर 25,112.40 पर बंद हुआ। बजाज ब्रोकिंग रिसर्च के एक नोट के अनुसार, "विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) और घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) दोनों से लगातार निवेश ने प्रमुख सहायक भूमिका निभाई, जिसने मौजूदा भू-राजनीतिक अनिश्चितताओं से उत्पन्न प्रतिकूल परिस्थितियों को संतुलित किया और पूरे बाजार में सकारात्मक भावना को मजबूत किया।" निफ्टी इंडेक्स ने हाल ही में करेक्टिव कंसोलिडेशन के बाद ऊपर की ओर बढ़ने के संकेत देते हुए सबसे ज्यादा हाई और सबसे ज्यादा लो के साथ एक बड़ा बुल कैंडल बनाया। इस प्रक्रिया में इंडेक्स मजबूती का संकेत देते हुए 25,000 के स्तर से ऊपर मजबूती से बंद हुआ।

केंद्र ने आरटीएस और डीआरई टेक्नोलॉजी पर इनोवेटिव 'स्टार्ट-अप चैलेंज' किया शुरू

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने शनिवार को देश में रूफटॉप सोलर (आरटीएस) और डिस्ट्रिब्यूटेड रिन्यूएबल एनर्जी (डीआरई) टेक्नोलॉजी में इनोवेशन को बढ़ावा देने के लिए 2.3 करोड़ रुपए के प्राइज पूल के साथ एक इनोवेटिव 'स्टार्ट-अप चैलेंज' शुरू किया। इस यूनिक नेशनल इनोवेशन चैलेंज का उद्देश्य भारत के आरटीएस और डीआरई इकोसिस्टम के लिए सफल समाधानों की पहचान करना और उनका समर्थन करना है। इस चैलेंज को नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय (एमएनआरई) के तहत में राष्ट्रीय सौर ऊर्जा संस्थान (एनआईएसई) के सहयोग और स्टार्टअप इंडिया, डीपीआईआईटी के समन्वय से क्रियान्वित किया जा रहा है। चुने हुए इनोवेटर्स कुल 2.3 करोड़ रुपए के पुरस्कार के लिए प्रतिस्पर्धा करेंगे। इसमें प्रथम स्थान के तहत 1 करोड़ रुपए, दूसरे स्थान के लिए 50 लाख रुपए और तीसरे स्थान के लिए 30 लाख रुपए दिए जाएंगे। इसके अलावा, 5 लाख रुपए के 10 सांत्वना पुरस्कार दिए जाएंगे।

एनएसई आईपीओ के मामले में अब कोई बाधा नहीं: सेबी चेयरमैन

● **एनओसी मिलने के बाद हम अपना ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस तैयार करेंगे**

एजेंसी। मुंबई

सेबी के चेयरमैन तुहिन कांत पांडेय ने कहा है कि नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) के लिए अपनी बहुप्रतीक्षित आईपीओ योजनाओं को आगे बढ़ाने में कोई बाधा नहीं है।

एफई सीएफओ अवॉर्ड्स में पांडेय ने कहा कि एनएसई आईपीओ के मामले में कोई बाधा नहीं है।

हालांकि, जब उनसे पूछा गया कि क्या इस साल दिवाली से पहले एनएसई आईपीओ आ सकता है तो बाजार नियामक प्रमुख ने किसी भी समयसीमा पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया।

इस महीने की शुरुआत में, एनएसई के प्रबंध निदेशक और सीईओ आशीष कुमार चौहान ने कहा था कि एनएसई पूंजी बाजार नियामक से नो ऑब्जेक्शन सर्टिफिकेट (एनओसी) का इंतजार कर रहा है और एक बार यह प्राप्त होने के बाद, स्टॉक एक्सचेंज बहुप्रतीक्षित आईपीओ के लिए अपने ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) दाखिल करने की प्रक्रिया शुरू कर देगा। आईएएनएस से बात करते हुए आशीष चौहान ने कहा था कि एक्सचेंज ने भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) से एनओसी की मांग की है।

उन्होंने कहा, "एनओसी मिलने के बाद हम अपना ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) तैयार करेंगे और फिर, हम इसे सेबी को वापस भेज देंगे। इसके बाद, वे इसे मंजूरी देने के लिए अपना समय लेंगे।" पिछले महीने, सेबी के चेयरमैन ने कहा था कि एनएसई आईपीओ से जुड़े पेंडिंग मुद्दों को जल्द ही सुलझा लिया जाएगा और नियामक इस प्रक्रिया को आगे बढ़ाएगा। एफई सीएफओ अवॉर्ड्स' में सेबी के चेयरमैन ने कहा कि बाजार में हेरफेर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और वे इस पर कड़ी नजर रखेंगे, क्योंकि एसएमई आरंभिक सार्वजनिक पेशकश (आईपीओ) में हेरफेर बढ़ रहा है। पूंजी बाजार नियामक ने हाल के दिनों में एसएमई आईपीओ से संबंधित कई आदेश जारी किए हैं, जिसमें फंड साइफनिंग, इश्यू सब्सक्रिप्शन में हेरफेर, गलत खुलासे और अन्य अनियमितताओं का आरोप लगाया गया है।

उन्होंने एक कार्यक्रम के दौरान कहा, "हम लगातार इस पर नजर रखेंगे। बाजार में हेरफेर के मामले में हम आगे चलकर बहुत सख्त रुख अपनाएंगे।" डेरिवेटिव ट्रेडों, खासकर इंडेक्स ऑप्शंस में हेरफेर का मुद्दा भी सामने आया है और सेबी इन मुद्दों की जांच कर रहा है।

शुद्ध प्रत्यक्ष कर संग्रह अबतक 1.39 फीसदी घटकर 4.59 लाख करोड़ रुपये

एजेंसी। नई दिल्ली

शुद्ध प्रत्यक्ष कर संग्रह में गिरावट दर्ज हुई है। चालू वित्त वर्ष 2025-26 में अबतक शुद्ध प्रत्यक्ष कर संग्रह 4.59 लाख करोड़ रुपये रहा। यह पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि की तुलना में 1.39 फीसदी कम है, क्योंकि अग्रिम कर संग्रह धीमा रहा है। हालांकि, चालू वित्त्त वर्ष में अब तक सकल प्रत्यक्ष कर संग्रह 5.45 लाख करोड़ रुपये रहा, जो पिछले वित्त्त वर्ष की समान अवधि की तुलना में 4.86 फीसदी की वृद्धि को दर्शाता है। आयकर विभाग ने शनिवार को बताया कि चालू वित्त वर्ष 2025-26 के लिए भारत का सकल प्रत्यक्ष कर संग्रह 19 जून तक 4.86 फीसदी बढ़कर 5.45 लाख करोड़ रुपये पर पहुंच गया है, जबकि पिछले वित्त वर्ष की इसी अवधि के दौरान 5.19 लाख करोड़ रुपये का संग्रह हुआ था। 01 अप्रैल से 19 जून, 2025 के दौरान अग्रिम कर संग्रह मात्र 3.87 फीसदी बढ़कर 1.56 लाख करोड़ पर पहुंच गया। वित्त्त वर्ष 2024-25 की तुलनात्मक अवधि में अग्रिम कर संग्रह में 27 फीसदी की वार्षिक वृद्धि दर्ज की गई थी। विभाग ने बताया कि 01 अप्रैल से 19 जून, 2025 के दौरान कॉर्पोरेट कर संग्रह में करीब 1.73 लाख करोड़ रुपये की गिरावट देखी गई, जो पिछले वित्त्त वर्ष की तुलना में 5 फीसदी से अधिक की गिरावट है। हालांकि, गैर-कॉर्पोरेट कर संग्रह, जिसमें मुख्य रूप से व्यक्तिगत आयकर शामिल है।

2030 तक 300 एमटी इस्पात उत्पादन में 'सेलम स्टील प्लांट' की अहम होगी भूमिका : केंद्रीय मंत्री

नई दिल्ली। केंद्रीय इस्पात एवं भारी उद्योग मंत्री एचडी कुमारस्वामी ने कहा कि इस्पात सिर्फ एक सामग्री नहीं है, बल्कि राष्ट्रीय विकास की रीढ़ है और इंफ्रास्ट्रक्चर से लेकर इनोवेशन तक सरकार का लक्ष्य जिम्मेदारी के साथ विकास करना है। सेल की इकाई सेलम स्टील प्लांट के दौरे के दौरान केंद्रीय मंत्री ने कहा कि मैंने यहां जो तकनीक और अनुशासन देखा है, वह सराहनीय है। केंद्रीय मंत्री एचडी कुमारस्वामी ने कहा, "यह प्लांट मेक इन इंडिया की सच्ची भावना को दर्शाता है।"यह दौरा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के भारत को इस्पात उत्पादन में ग्लोबल लीडर बनाने के व्यापक दृष्टिकोण के हिस्से के रूप में हुआ, जिसका लक्ष्य 2030 तक 300 मिलियन टन (एमटी) इस्पात उत्पादन, 2070 तक शुद्ध शून्य उत्सर्जन प्राप्त करना और 2047 तक विकसित भारत का निर्माण करना है। प्लांट के अपने दौरे के दौरान केंद्रीय मंत्री एचडी कुमारस्वामी ने कच्चे स्क्रैप से लेकर पिघली हुई धातु और तैयार स्लैब तक इस्पात उत्पादन की व्यापक प्रक्रिया को प्रत्यक्ष रूप से देखा। उन्होंने स्क्रैपयार्ड, स्टील मेल्टिंग शॉप, इलेक्ट्रिक आर्क फर्नेस (ईएएफ) और स्लैब कास्टर सहित महत्वपूर्ण परिचालन क्षेत्रों का दौरा किया। उन्होंने टॉर्च कटिंग मशीन जैसे एडवांस इक्विप्मेंट और पिघले हुए लोहे को हॉट रोल्ड कॉइल और कोल्ड रोलिंग मिल में बदलने की प्रक्रिया को भी देखा। सेलम में इलेक्ट्रिक आर्क फर्नेस-बेस्ड रूट भारत की डीकार्बोनाइजेशन प्रतिबद्धताओं के अनुरूप स्वच्छ, सस्टेनेबल इस्पात निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। उन्होंने कहा, "इस प्लांट से निकलने वाले तैयार उत्पाद हर दिन घरों से लेकर उद्योगों तक लाखों लोगों के जीवन को प्रभावित करते हैं।" ये उत्पाद रेलवे, डिफेंस, एनर्जी, इंफ्रास्ट्रक्चर और घरेलू उपयोगिताओं जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों की सेवा करते हैं, जिससे सलेम स्टील प्लांट भारत के स्टेनलेस स्टील इकोसिस्टम में आधारशिला बन गया है। चर्चाओं में प्रमुख बाधाओं को संबोधित किया गया, रणनीतिक हस्तक्षेपों की खोज की गई और रक्षा, रेलवे, एयरोस्पेस और सटीक इंजीनियरिंग के लिए महत्वपूर्ण क्षेत्र, विशेष स्टील में उत्पादन बढ़ाने को प्राथमिकता दी गई।